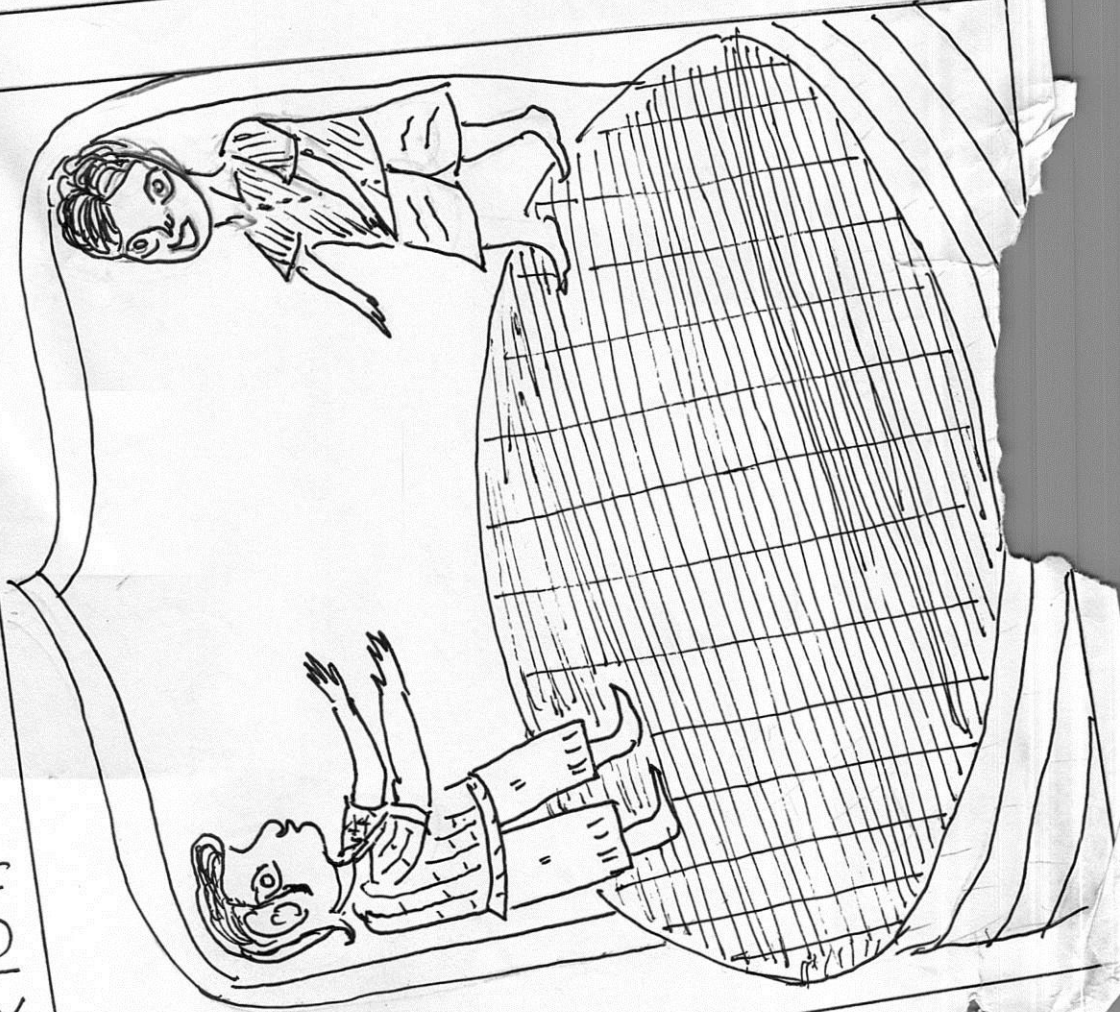
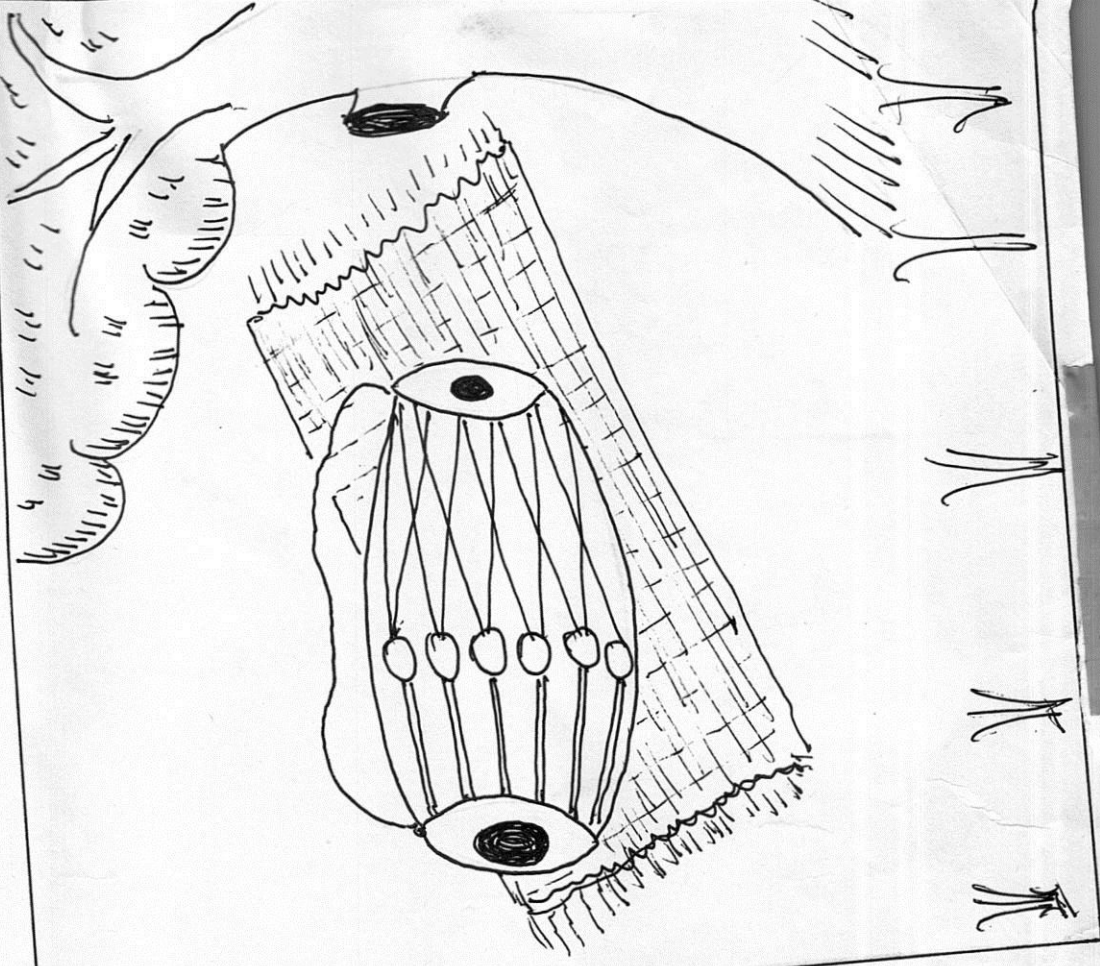


राजा आ

राजा पास आ,

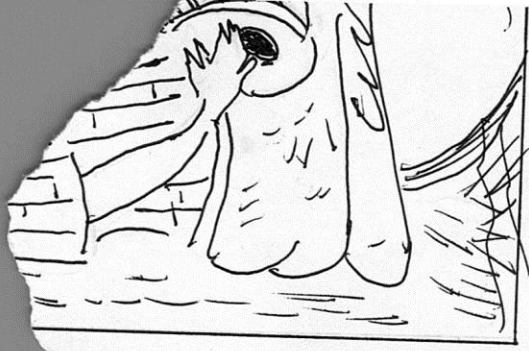


माता का बाजा ला ।



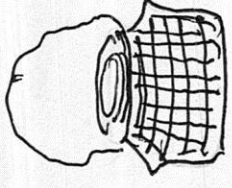
51211311



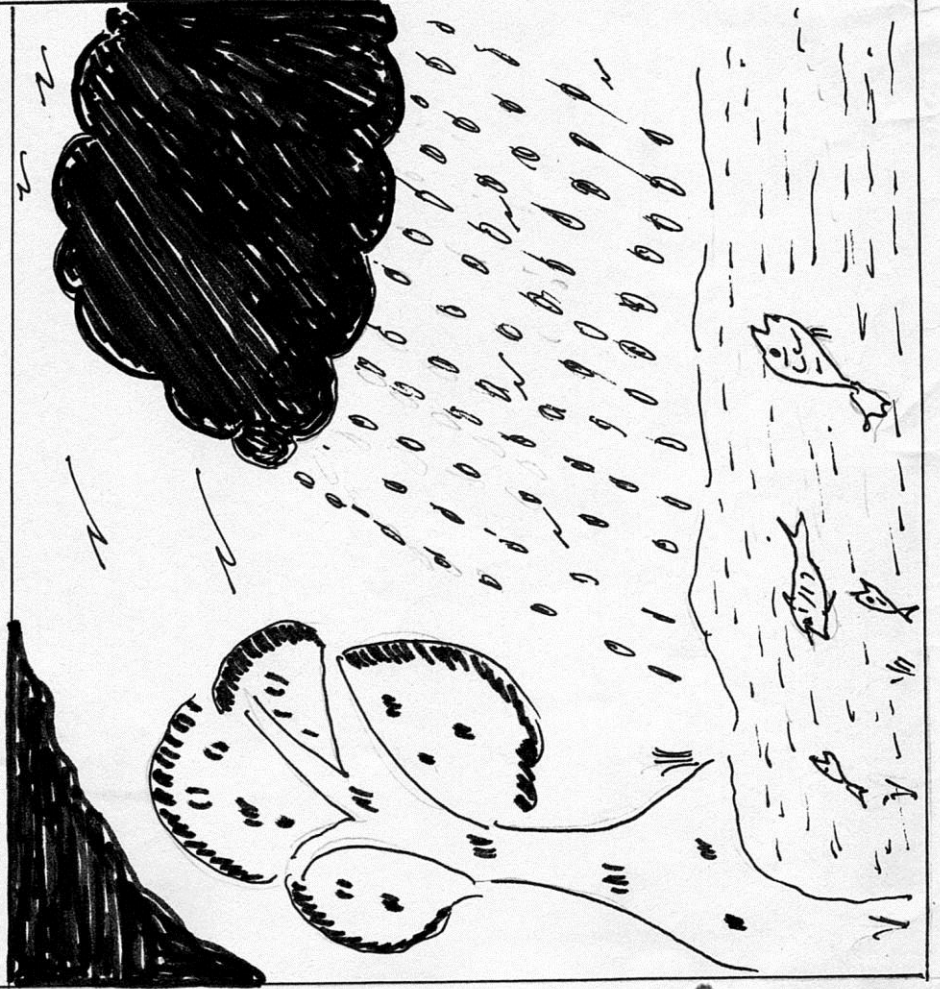


राजा = राजा, पास = लगे, आ = आव, मामा = माता
बाजा = बाजा, ला = आन, छम-छम = मलकी-मलकी

दादा रिया



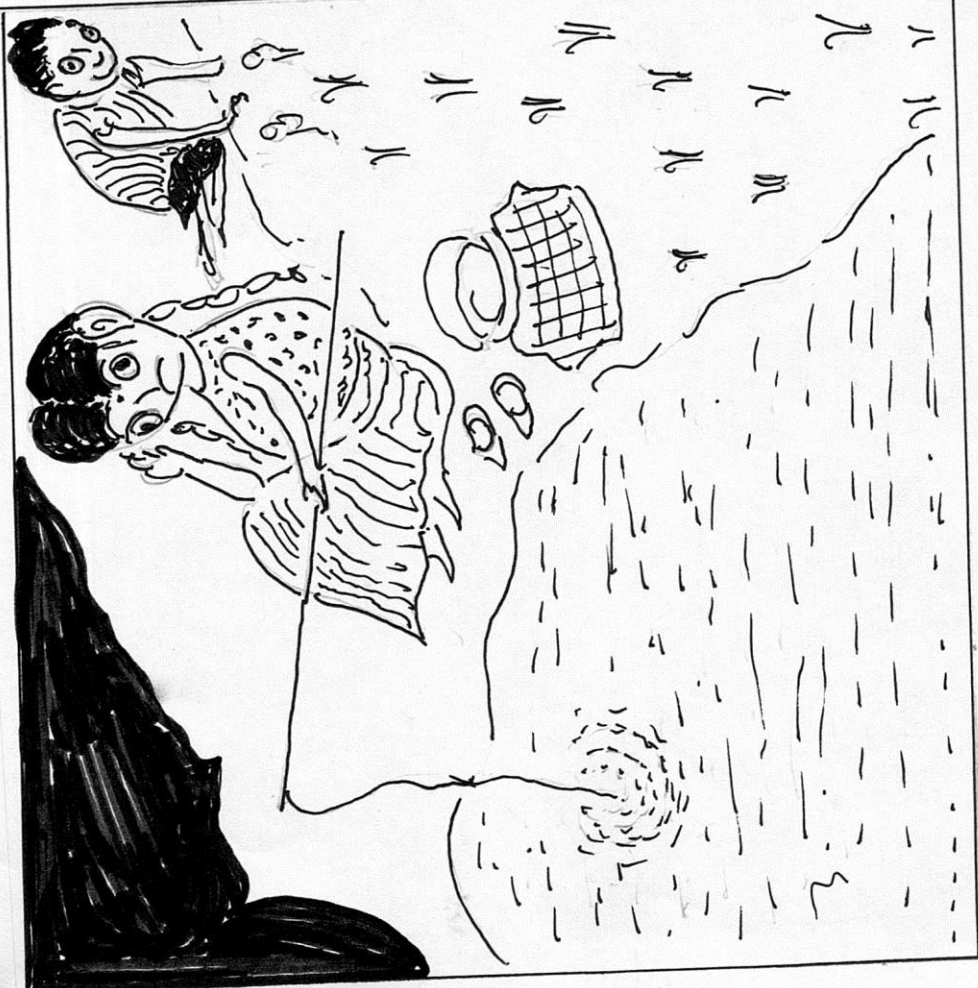
गोंचा जेणे सबुळाटे पानीची
पानी रहु आय।



उषा आवरी भूषण गरी खेळ
जीवा आत।

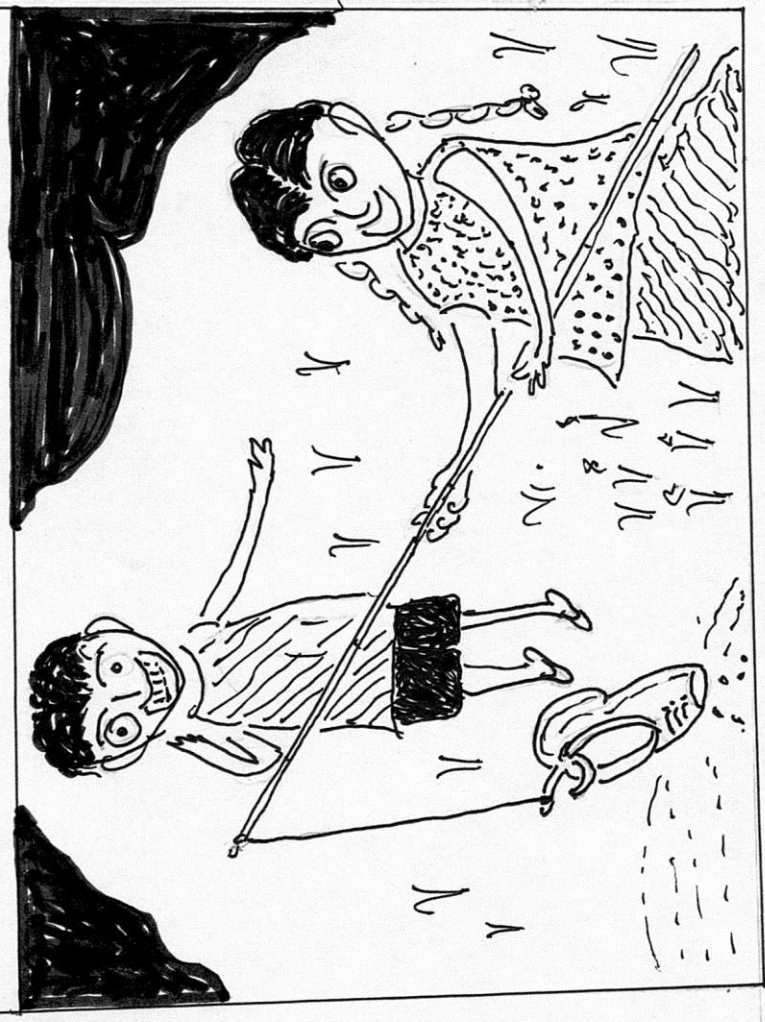


उषा मूरमुरा होई रला वॉचे मादक
 लटकला सा लागला ।



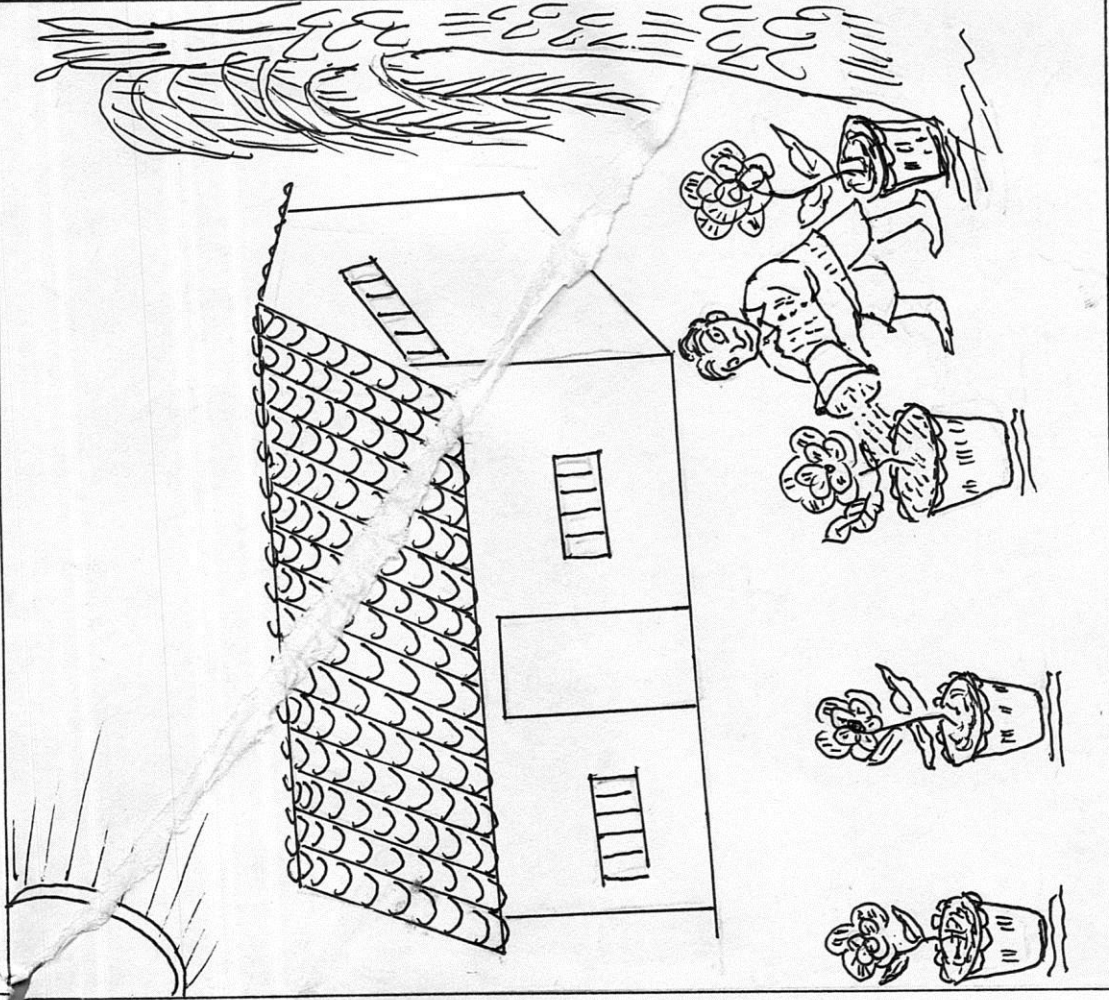
सबु बोव = चोरों तरफ, थारी = मडली फेंसनि का
 कौवा, मादक = मडली, मूरमुरा = कुंखी

उषा भूषण के हाग देला गरी के
 गिचरी आचे । खूबे बज आचे । धीरे-
 धीरे गिचला । दखलाय मादक
 नुहाय आंय बूट आय ।



मधुसुदन करयप
 स० अ० प्रा० शा० जामगुड
 चि० ख० ब० क० व० ०५

पोधा की फिर प्यास बुझाओ।



गमला = टोबा लानार फूल, घर = घर, आंगन = दुआर महक = बास
 नदी = लेदी/नदी, पोधा = बूया, प्यास बुझाओ = सोस पाइबान
 मछली = माच

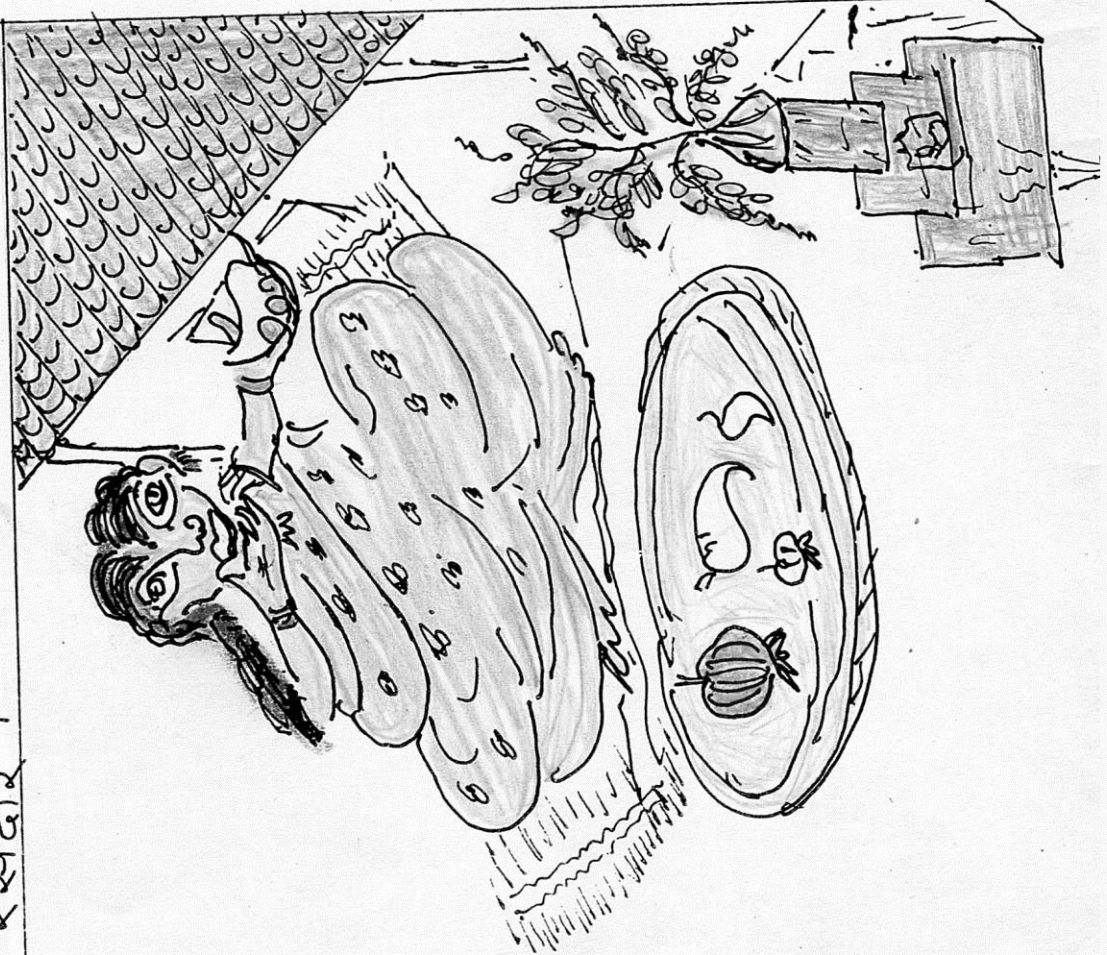
मछली देखो, माओ, आओ, खेला कर दो,
 नाचो गाओ।



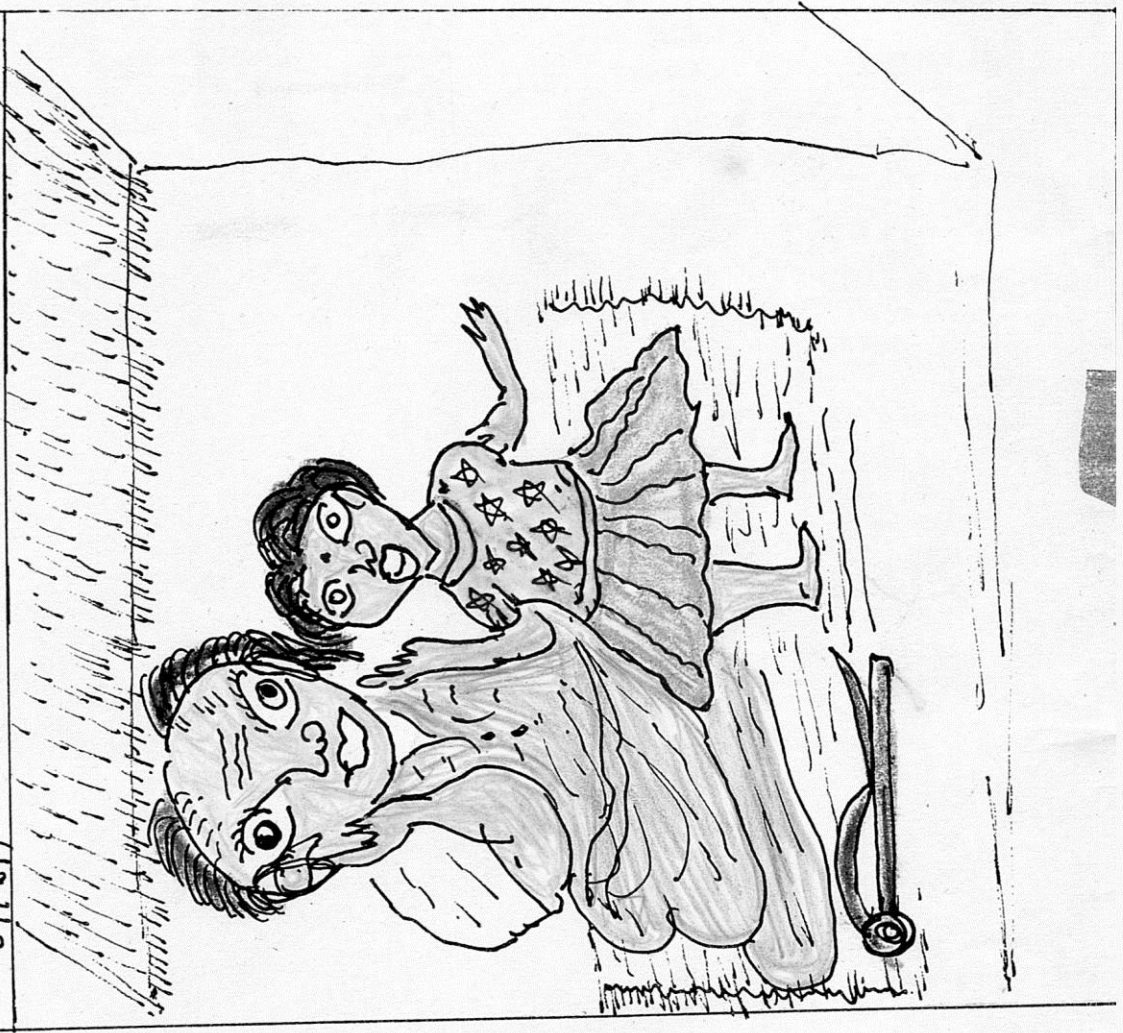
मधुसुदन कश्यप
 प्र. अं. प्रा. शा. जामशुहा

लाल अहार

नानी खाए लाल अहार, चूसे आम पका
रसदार ।



लड़की गाती लकिया गाना, श्वे सरील सुनै
नाना

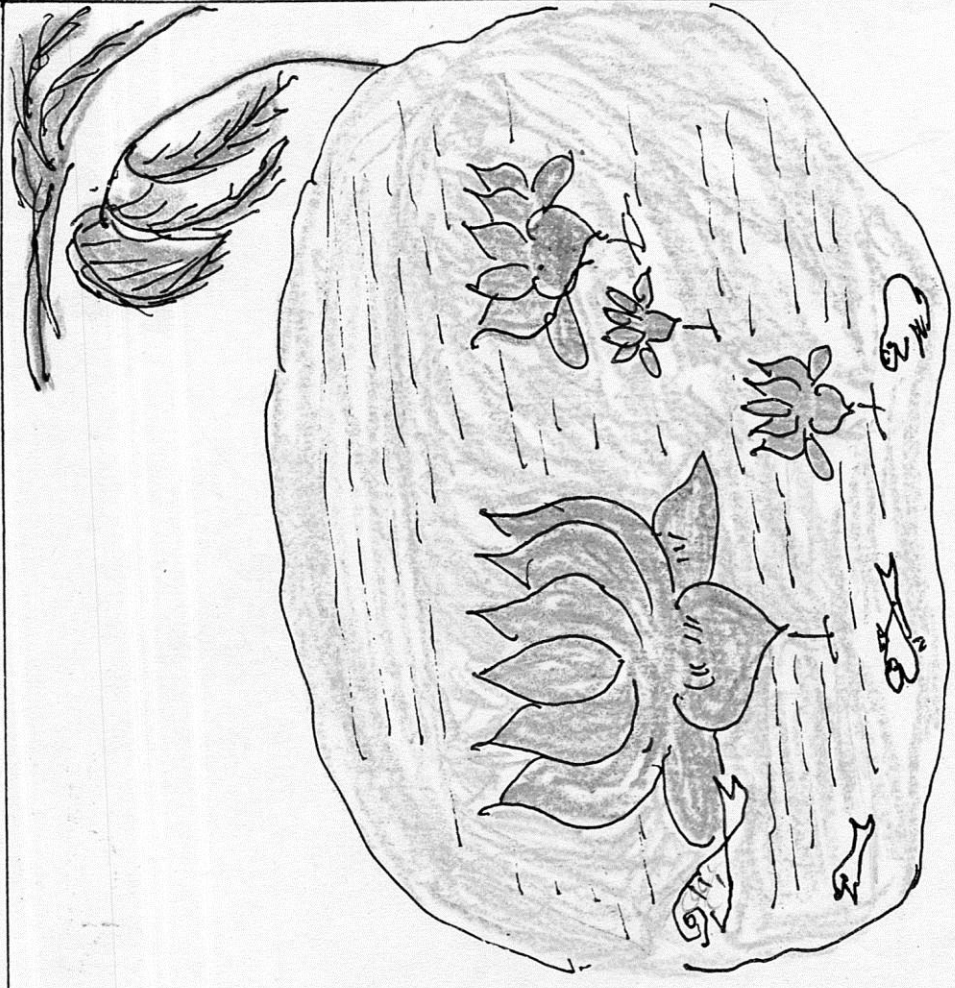


मोनु का चम रहा जहाज,



पुसे आम = आम - फुअर, पूक = पाकल,
 गाली = गायसी, अनर = अनर गाली = कुको, खाए = खायक
 गाला = गाल, सरान = सुपाडी कडरी, लडकी = टाकी, खादिया = अरुका

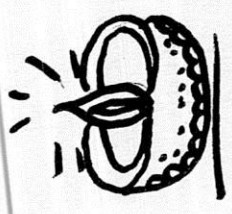
कमल खिले हैं सुन्दर आज ।



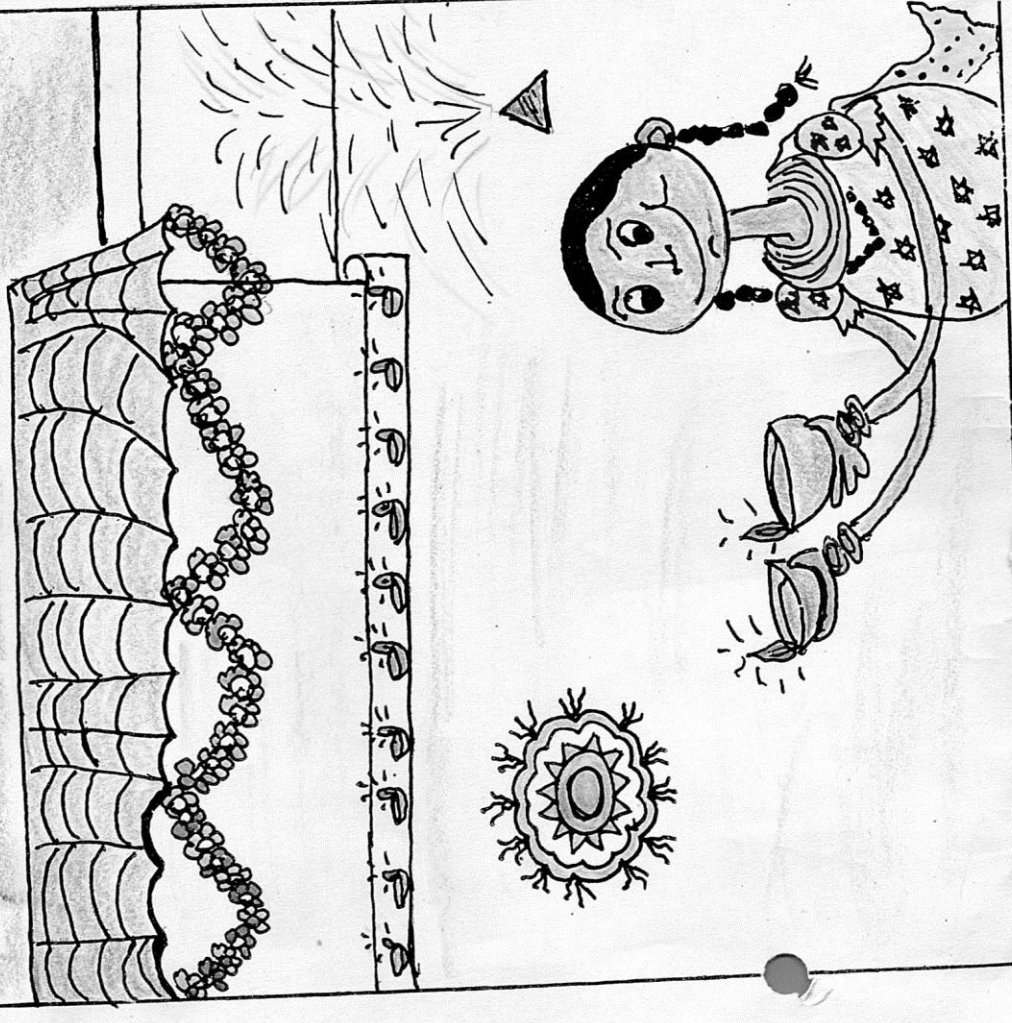
मधुसूदन कश्यप
 प्र. अ. प्रा. शा. जामखंड,
 बरभर (कंगो)

रसदार = रसवीनी
 आज = आज
 खायक = खायक
 टाकी = टाकी, खादिया = अरुका

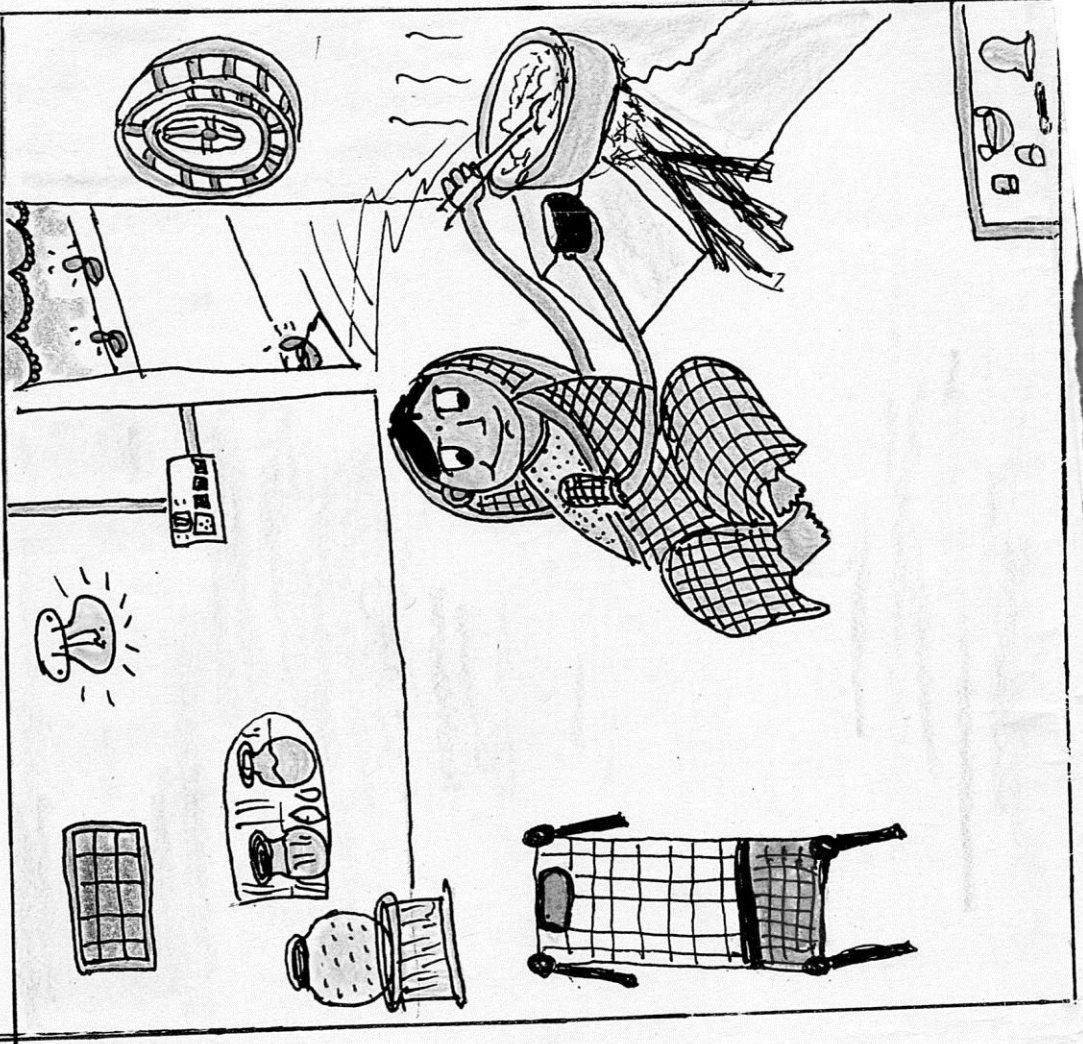
दियारी



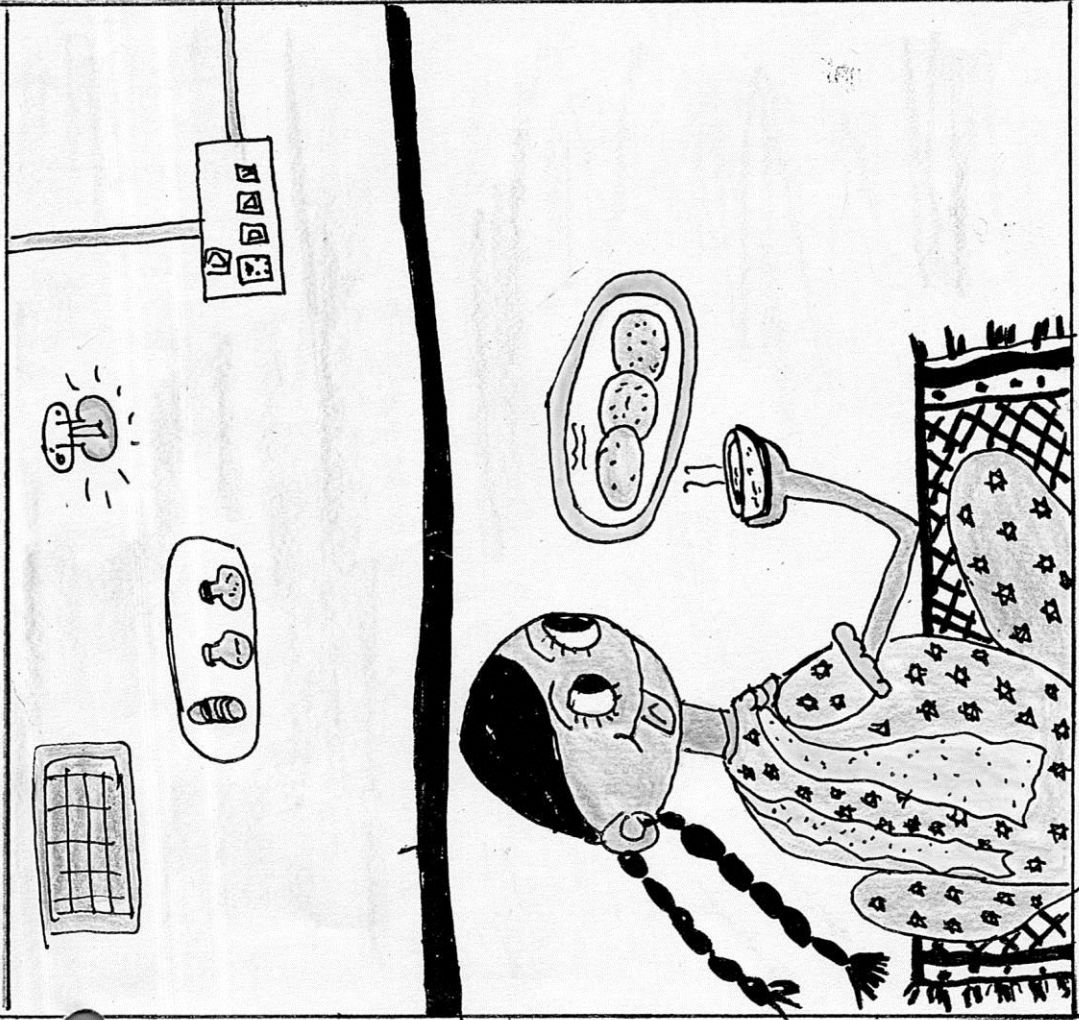
दियारी आयला काय सुन्दर
दिया बारी करी कांन उजर



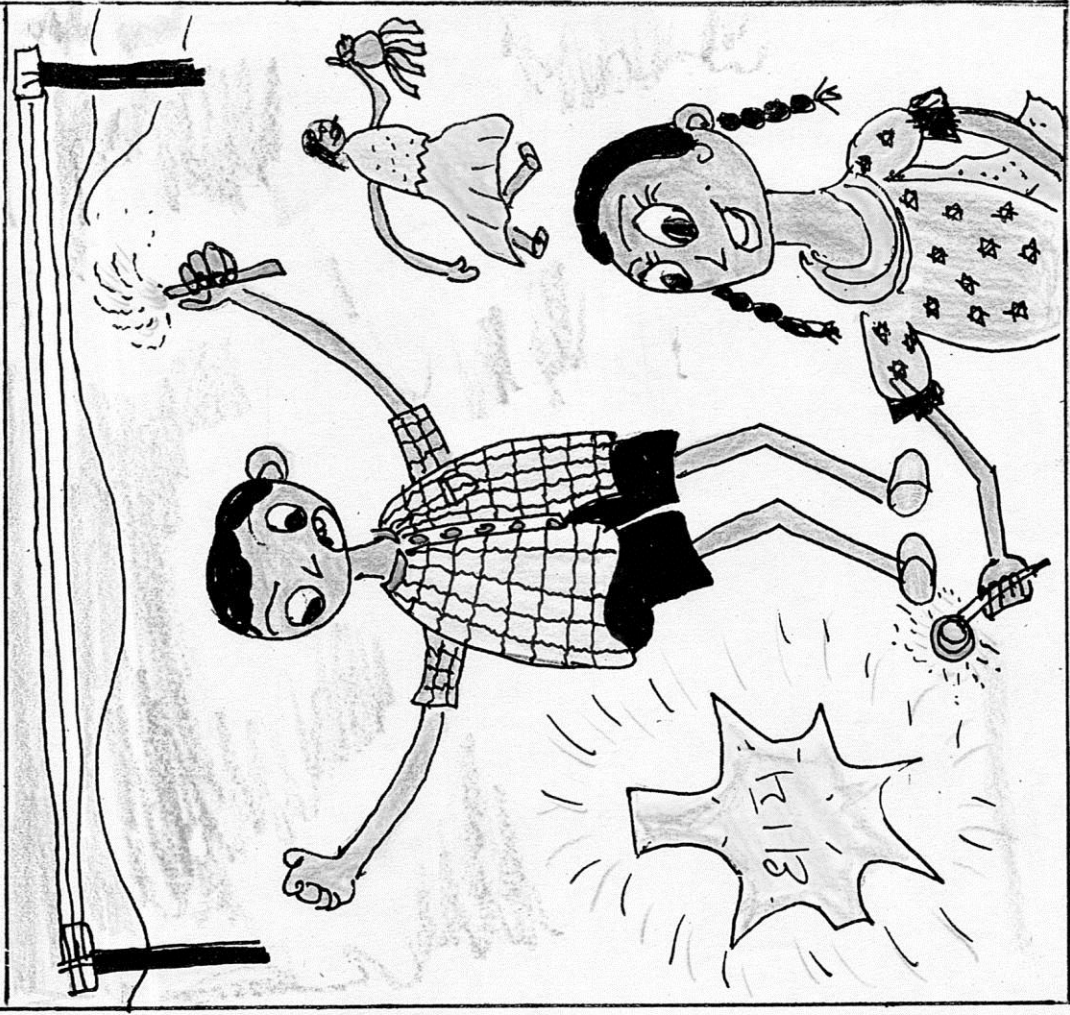
आया आमर खीर रांदिना



बच्चों के खायला



दाय - डाय - डाय भूइम
बम पलका फटला - डूम - डूम



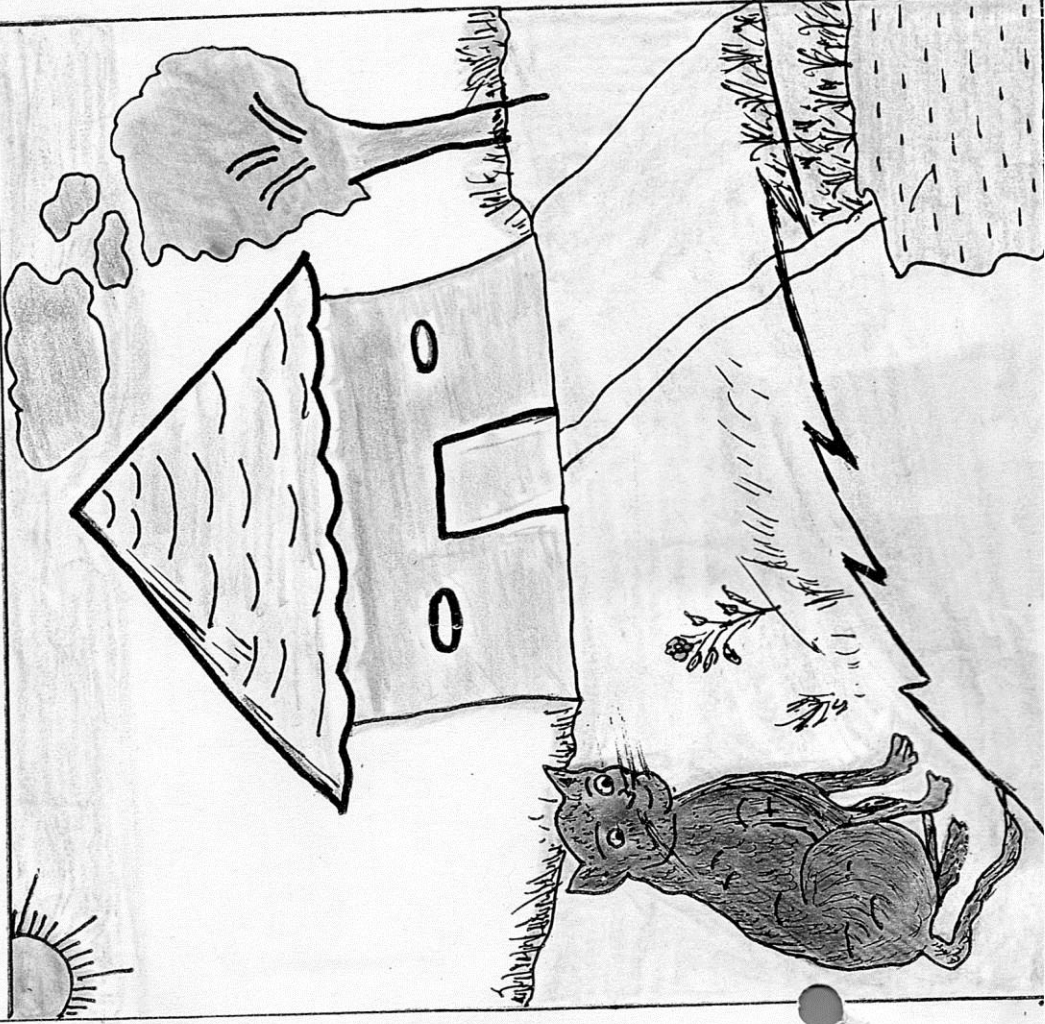
दियारी - दिवाली, आयला - आया, काथ - किलना, पलका - फटला
बारी - जलाना, करी - करके, डजर - रीशानी फटला - फटा

सुषार नेनाम

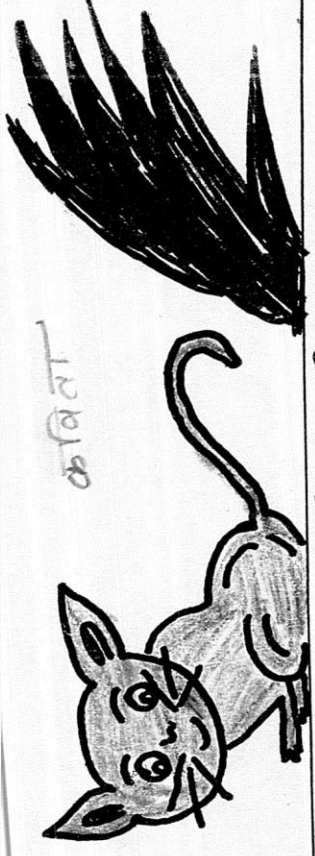
राजा का शासन - हमारी गंवला - राजा का शासन - ताई 1

करिया

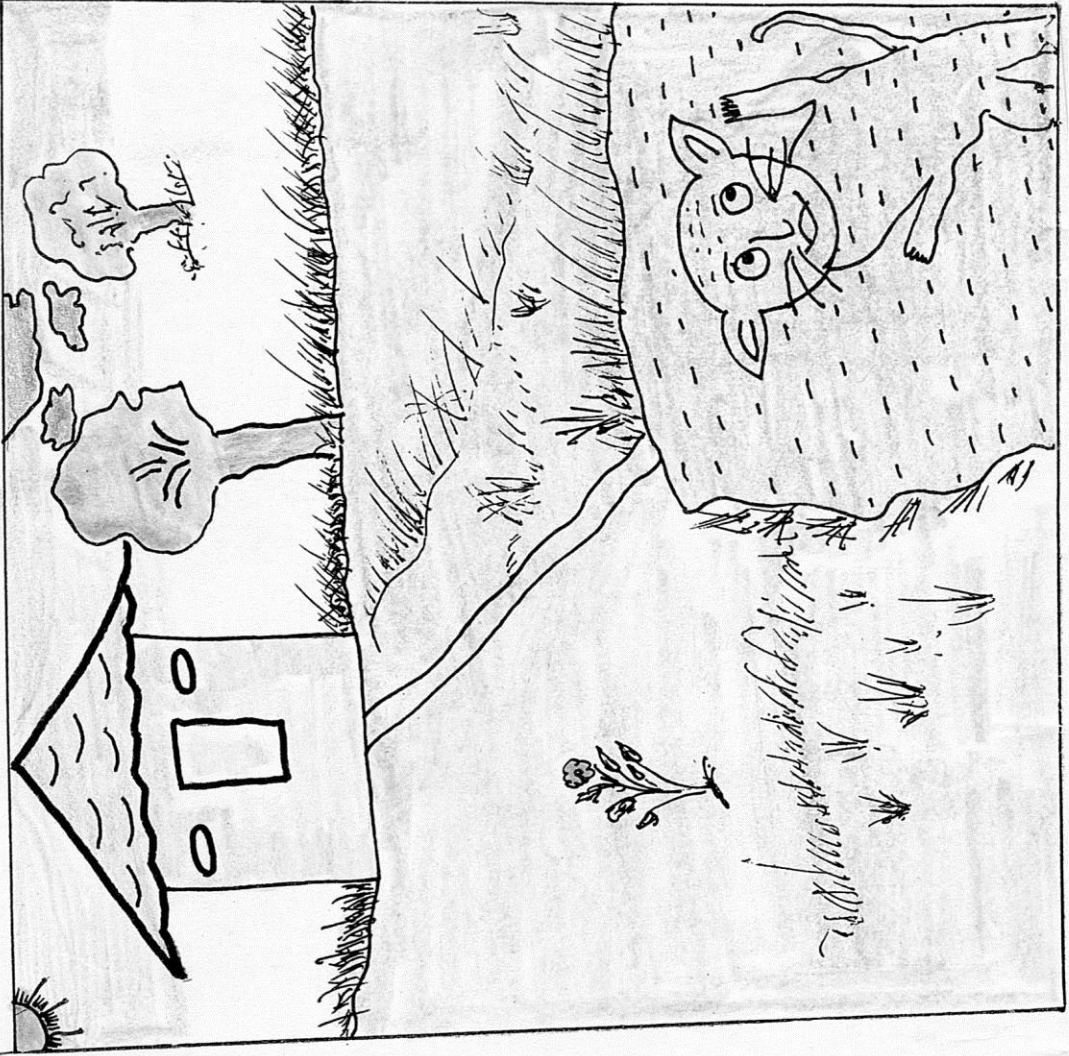
आमचो बिलई करिया इसा



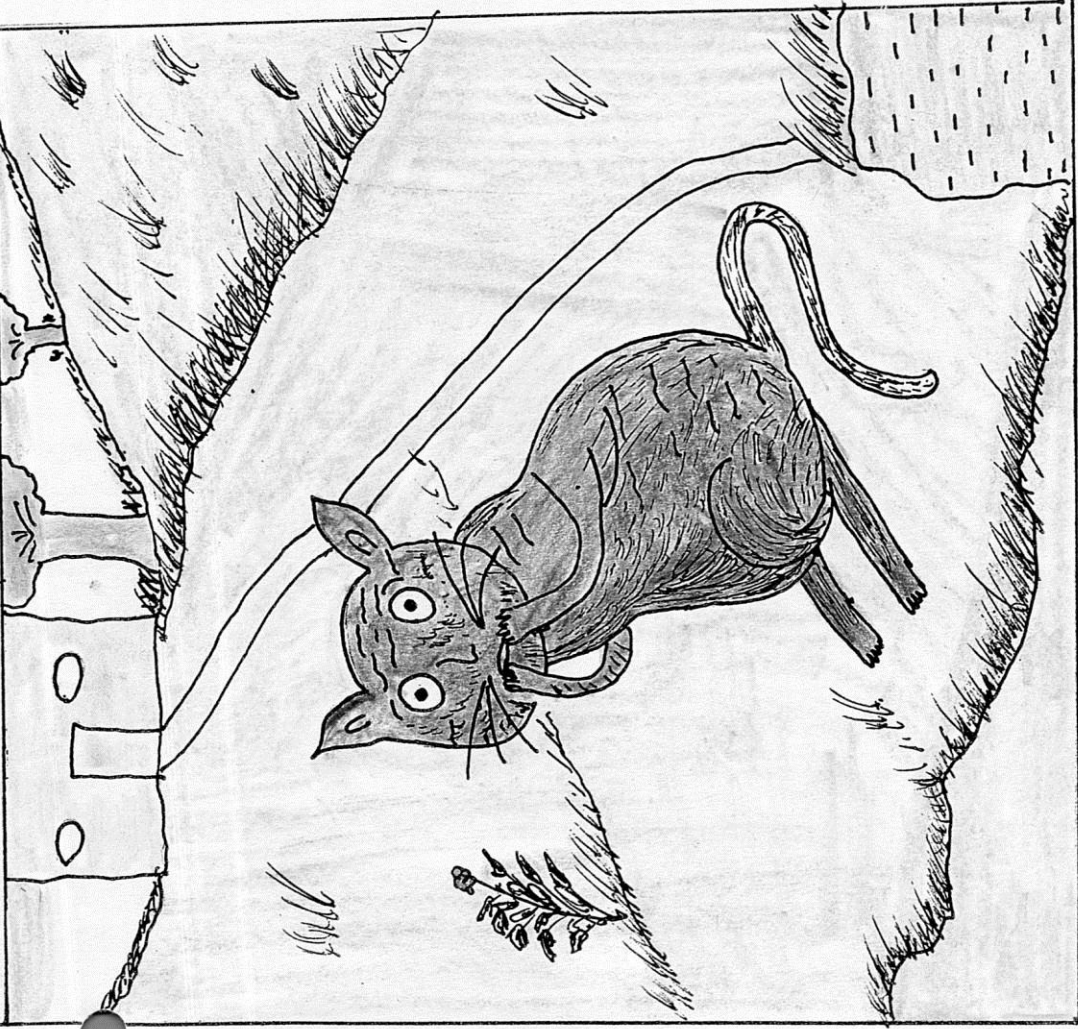
कविता



पानी ने ओललो खुसखुसा



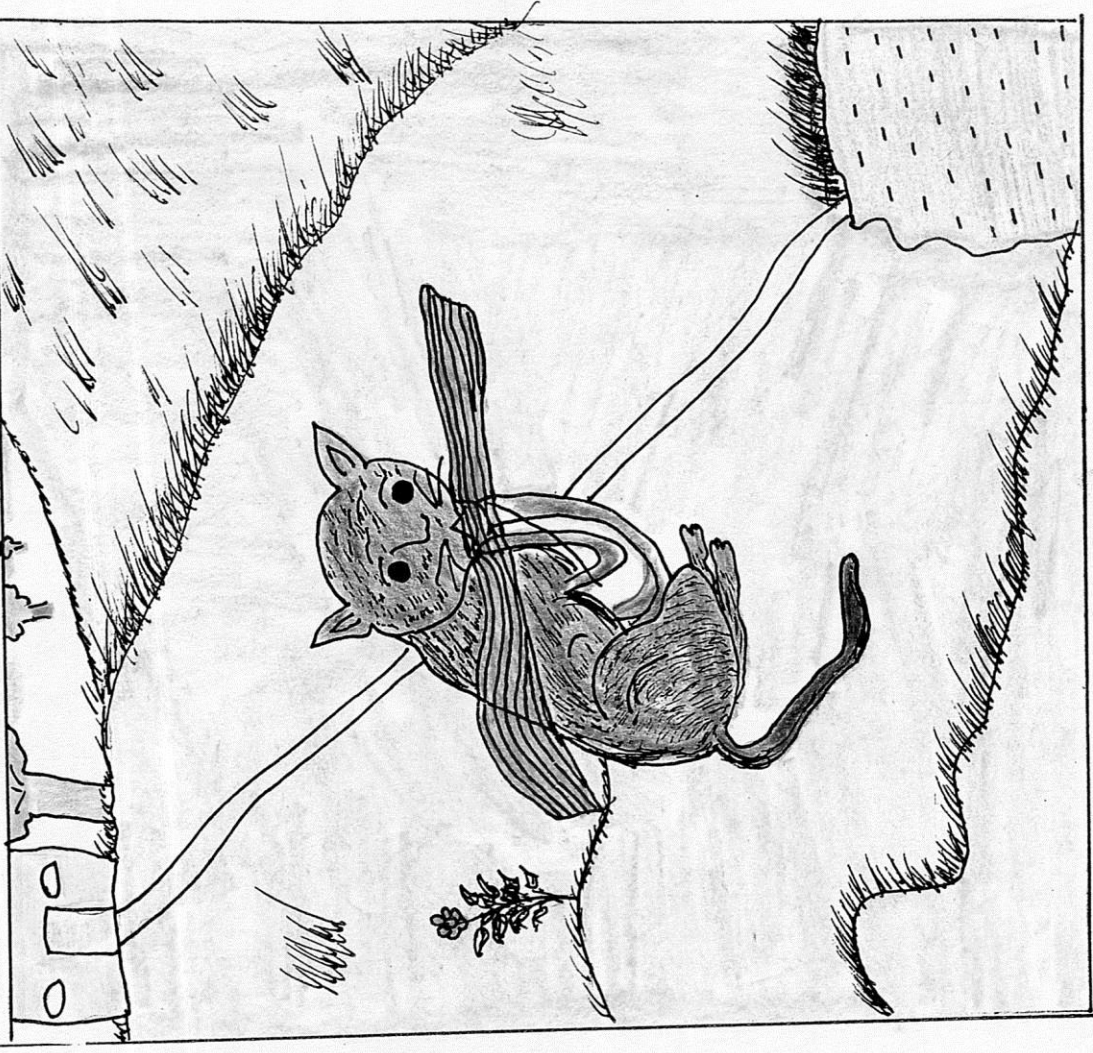
कुन होलो मसु मसुसा
जामा बल्लू काई तो सीख



करिया = काला
ओललो = गुसा
खूसखुसा = धीरे से

बल्लू = बोले
काई = कुछ
टाकून = टँकना

नाक के टकून तुआले दीक

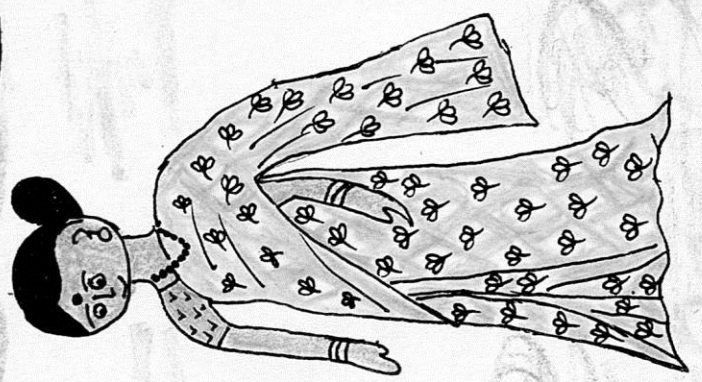
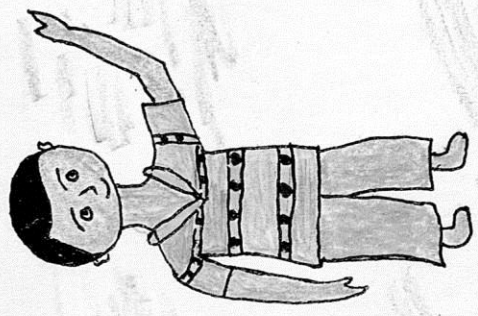
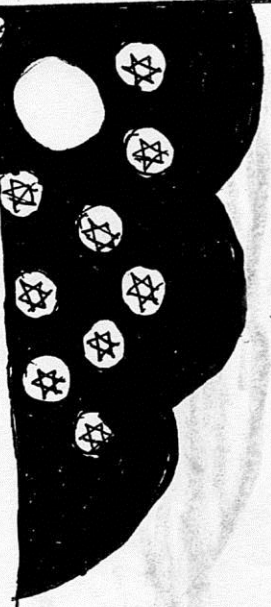


मनबोध बधेल (स. शि.पं.)
प्रा.शा. नलपावण्ड पटेल पारा
वि.ख. बकावण्ड जिला- बरतर

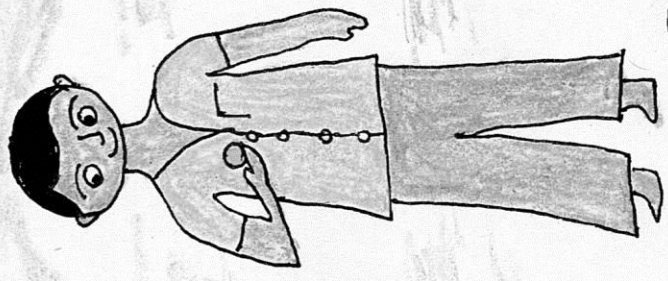
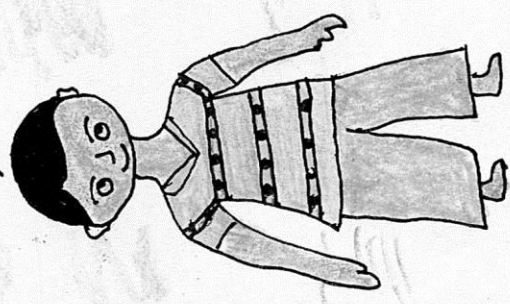
मैं हूँ गोल

कविता

जो न मामा गोल गोल
 आचार रिक्की गोल गोल



आचार रेडी गोल गोल
 आचार पेसा गोल गोल



दादा-जन्मा गोल गोल
 आदर लाडू गोल गोल



-:शाब्दार्थ:-

आमार = माँ

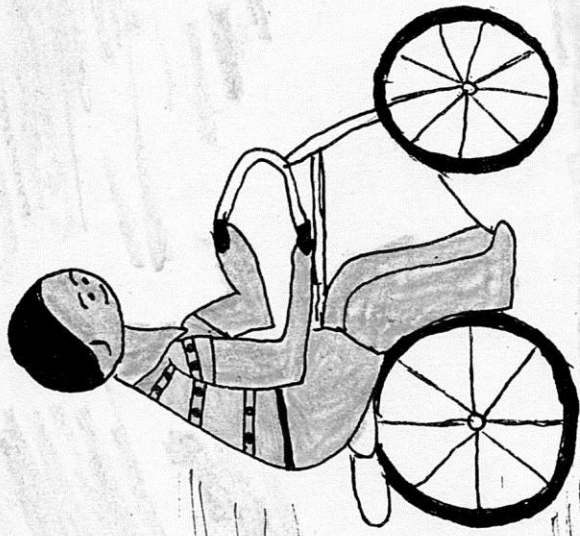
हिकली = किन्ही

आदर = दाई

लाडू = लाडक

माव = माव

साग्रकिल चक्का गोल गोल
 सब दुनिया गोल गोल



कोली → भारी

कुं-केचिहा नाग
 को दामुलाल काकोड
 को गोरबा कुमार कोल

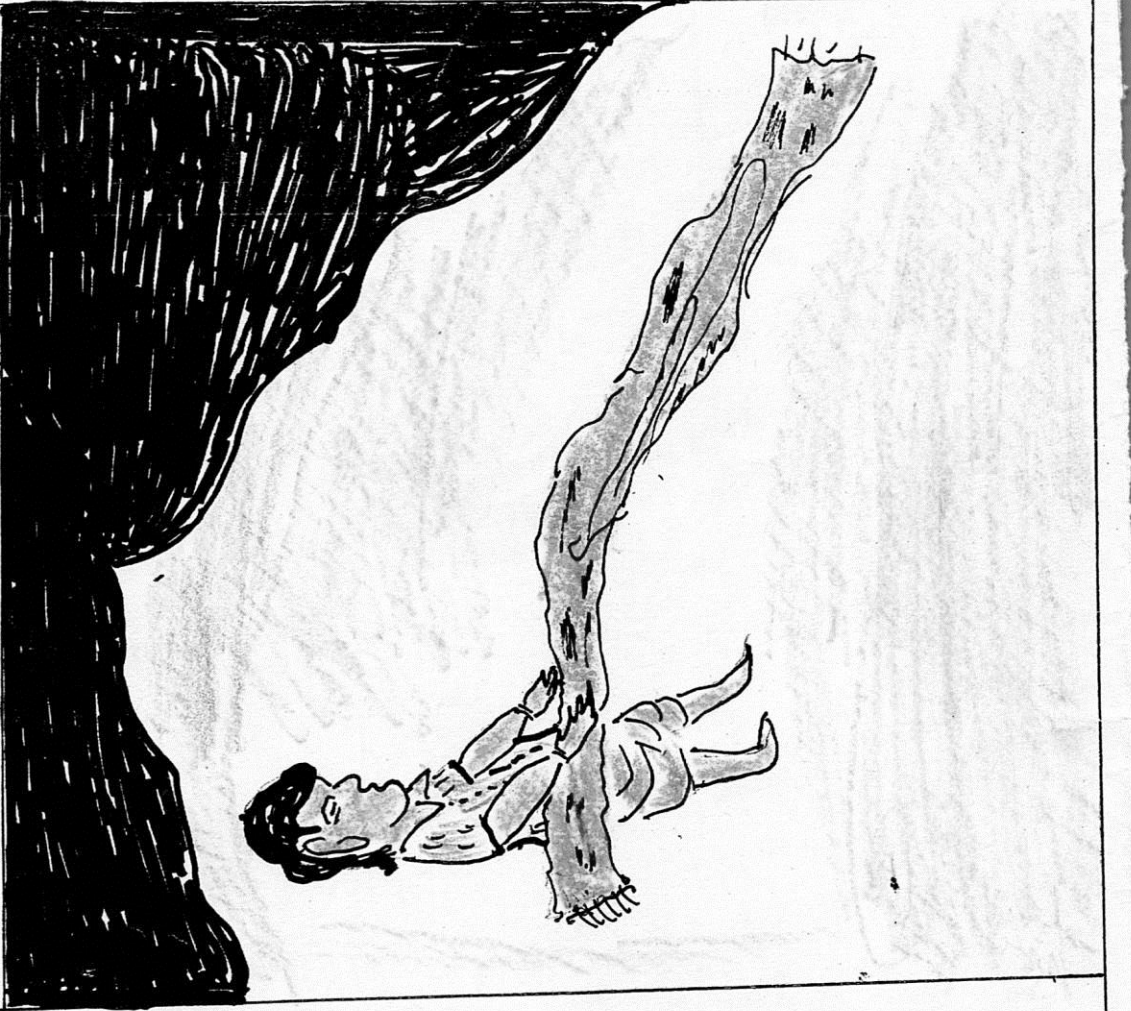
मयला मुंड बान्धा

कविता

मयला मुंड बान्धा, अलक लगइली
अलक लगइली - अलक लगइली



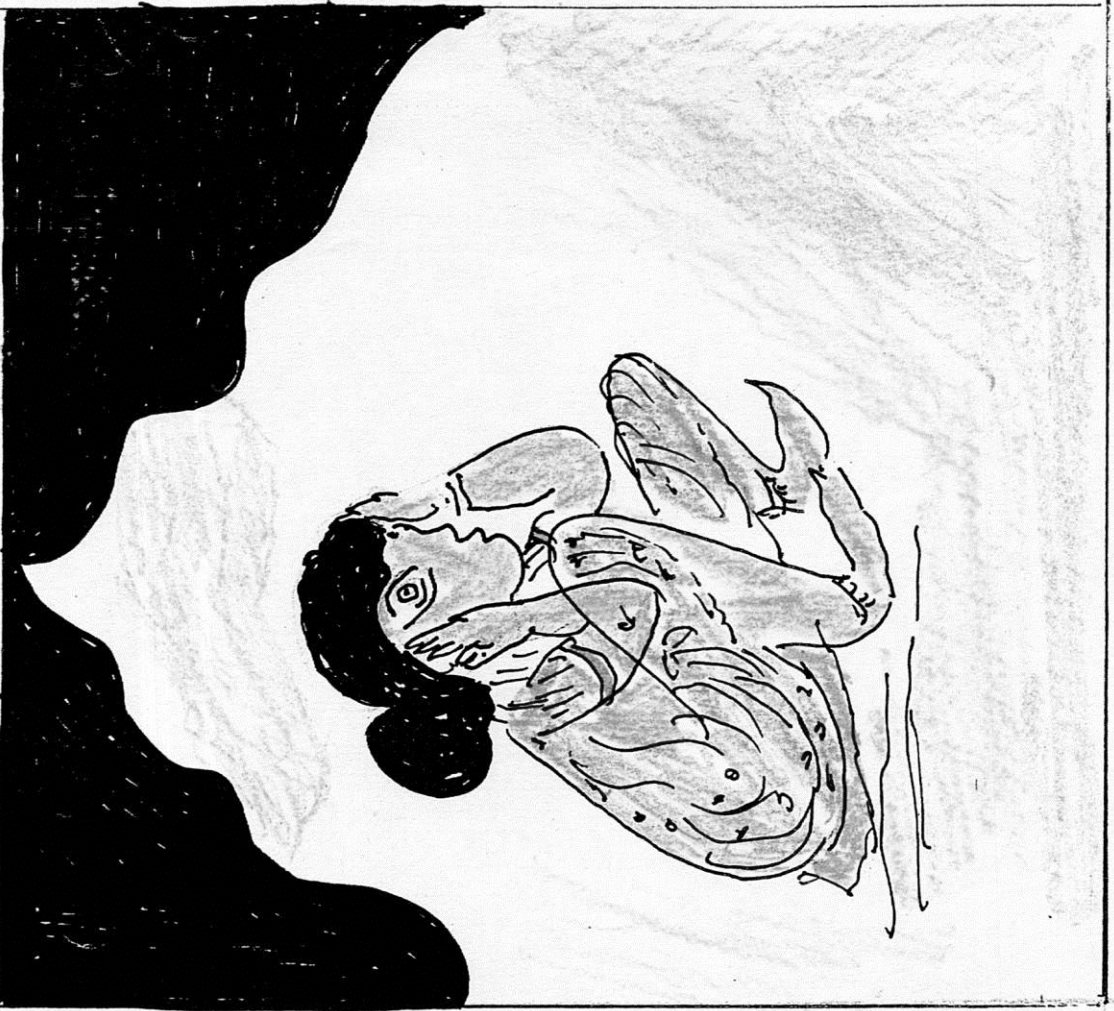
अलक लगइली - बाची गला मयल
फाटी गला मुंड बान्धा,



भरदा ठोसर झगडीय फाँदा, स्वकारिन करला
अलक झगडा - अलक झगडा,



अलक झगडा - अलक झगडा भीटा वूही गला,
बसी करी स्वकारिन खुबे बिचार करला ।

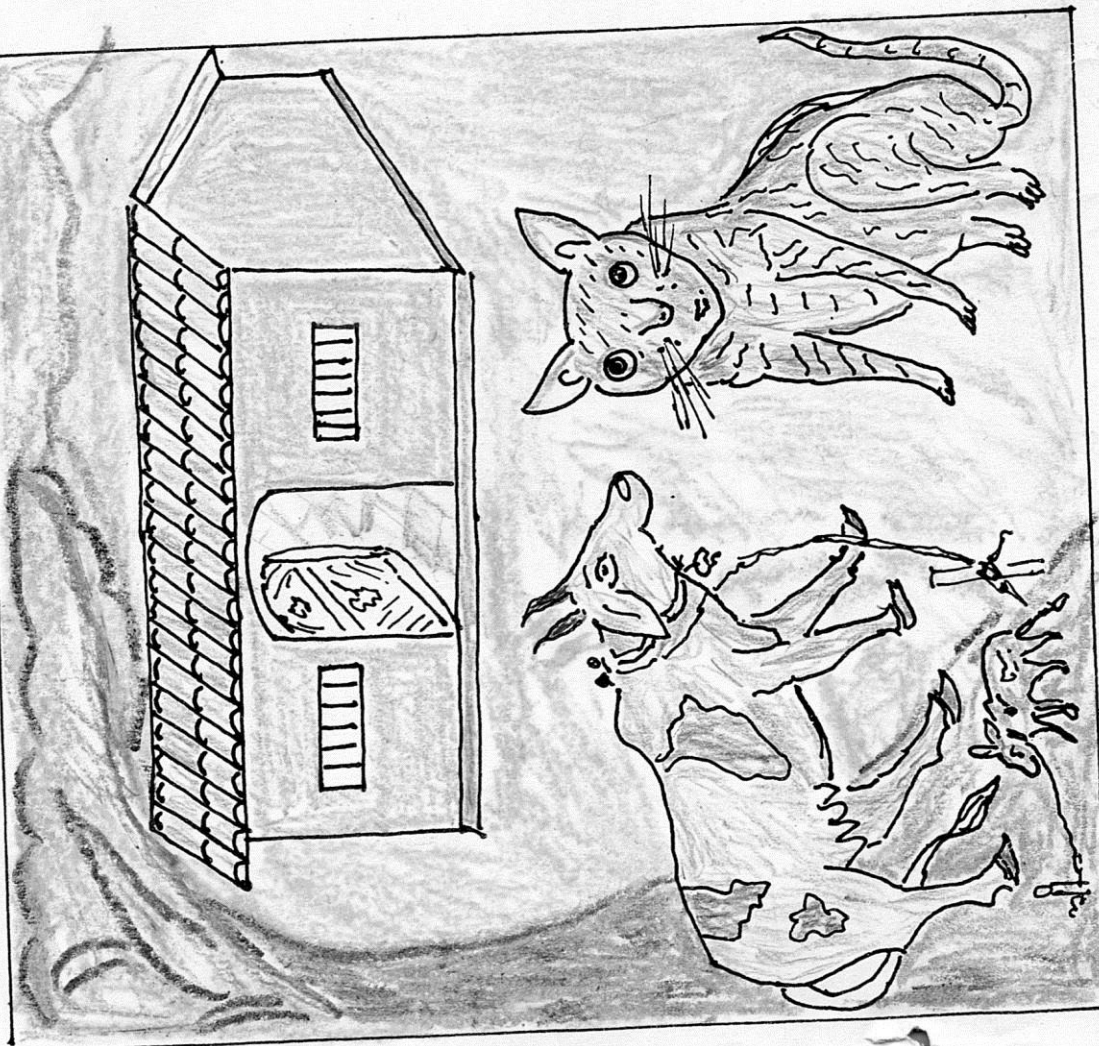


मथला = मैला, मुण्डबान्धा = पगडी, लगडूली = रगडूना
ठोसर = मोटा, स्वकारिन = मालकिन

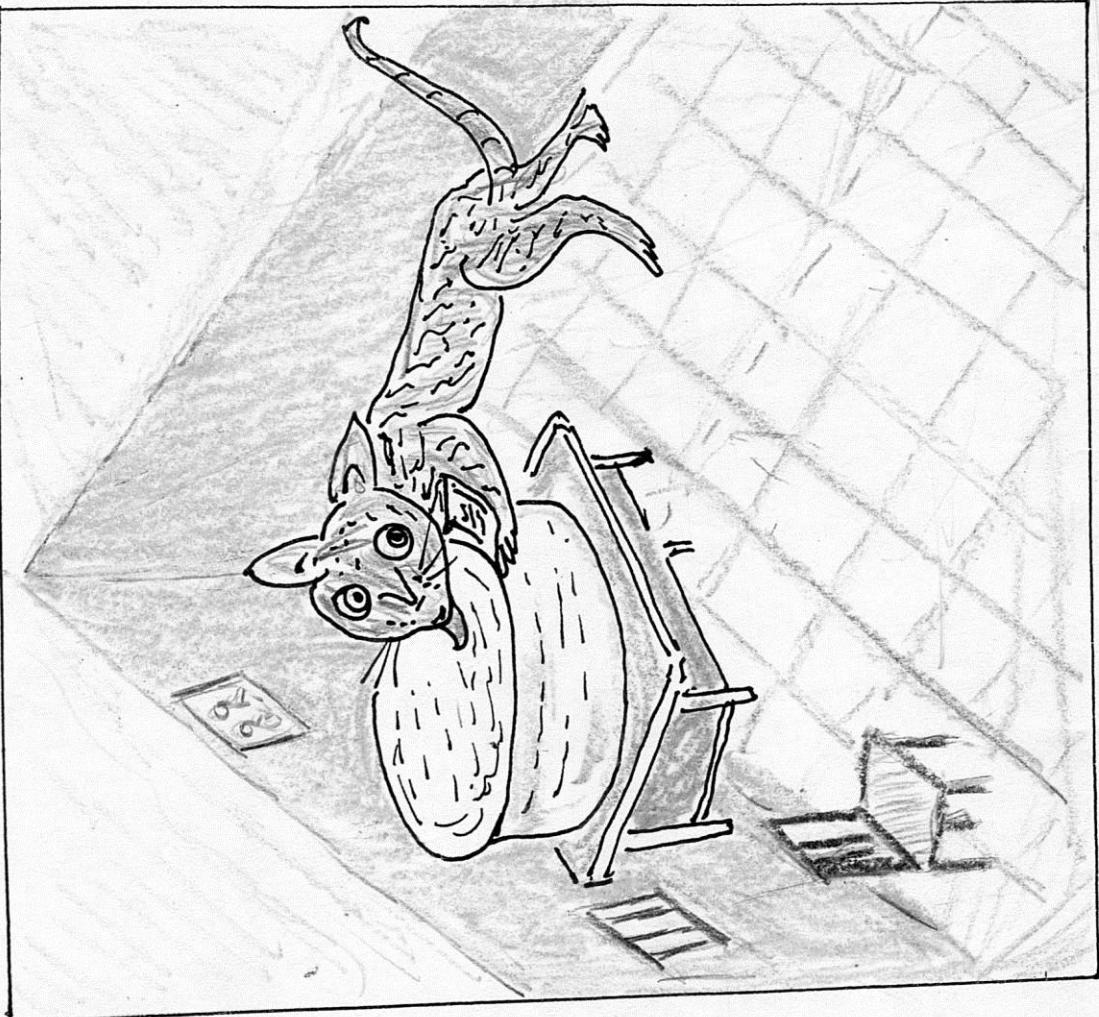
मधुसुदन कश्यप
प्रधान अध्यापक
श्री.शां.जाम गुडा. वि.स्व.लक्ष्मण

मामा के बिल्ली

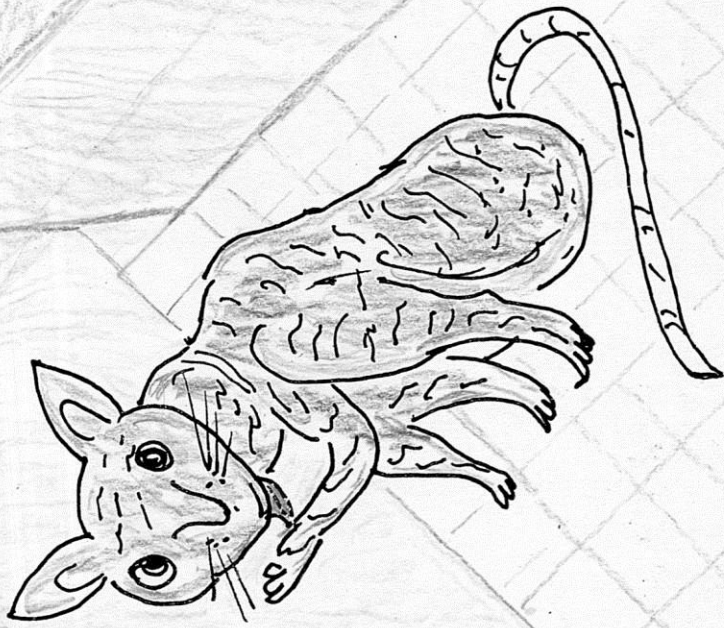
मेरे मामा जी के घर में खेती सी बिलैया रे
माली सी बिलैया रे।



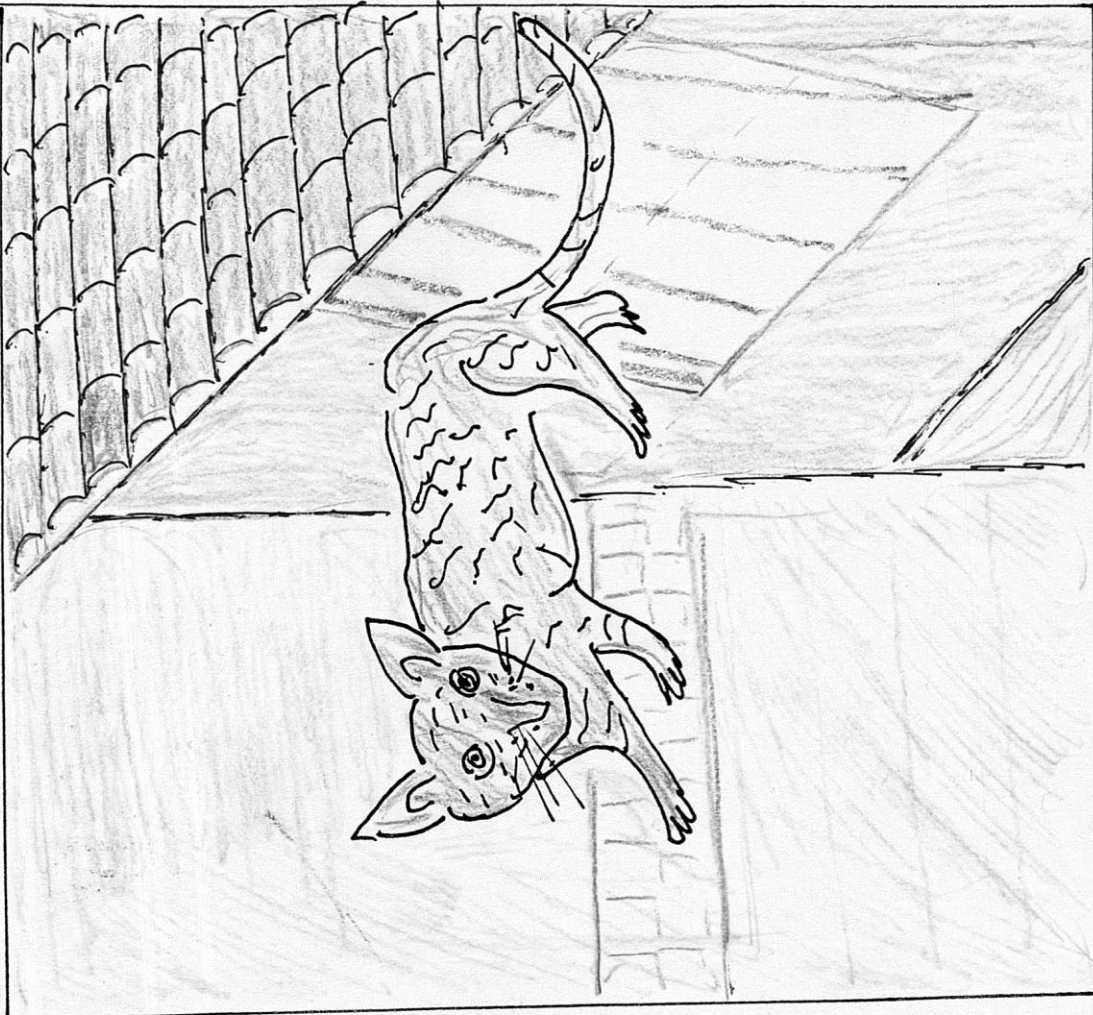
चुपके-चुपके आती है साय दूध पी जाती है,



चारों को मालेयारे - देखी ली बिलेयारे ।
 मोही ली बिलेयारे । मामा जी



चारों को पैर उलके, लम्बी ली पूँछेयारे ।
 देखी मामा

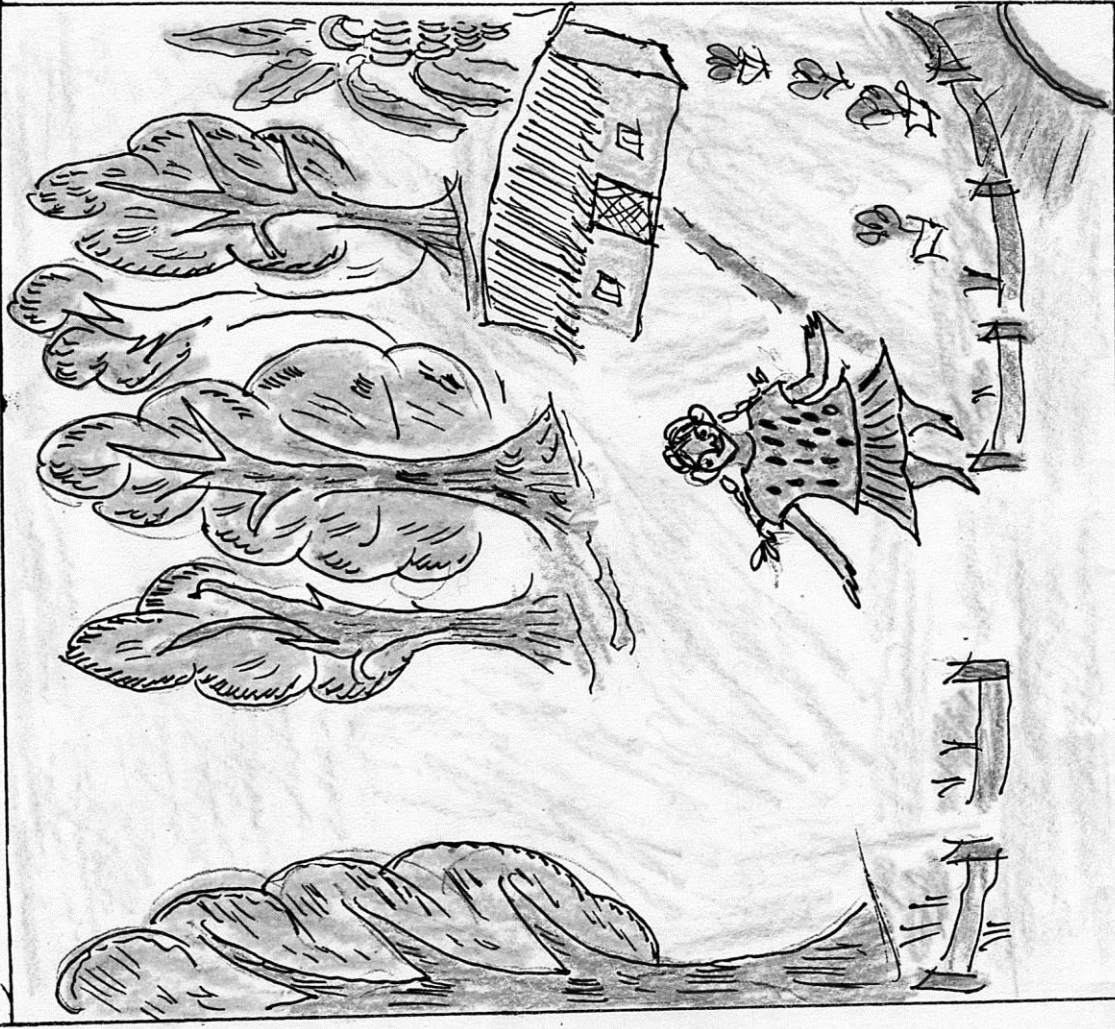


बिलेया = बिल्ली, मोही = दोसर, चुपके-चुपके = लुकी-लुकी, सारा = सब
 दूध = गोरस, मलैया = धर = गोड़, लम्बी = लम्, पूँछेया = पूँज

सधुसुदनकराय
 प्र० अ० प्रा० शा०
 जामशुदा
 वि० प्र० ल्यकातर

अंकी और भालू

अंगल के पास अंकी का घर था।



एक चरमा पहना भालू अंगल में रहता था। वह अंधुर खाला था।



चरमा पहना, भाळूकें अंगूर खाए देख अंकी अचंभा
 में पड़ी, आंखे फाड़कर देखने लगी।



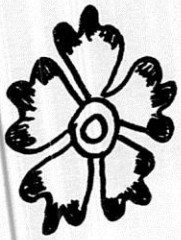
अंगूर फल = अंगूर फल, अंगल = कमल, चरमा = चक्र, घर = घर / कुड़िया
 पहना = फिरोदना, अचंभा = चकिल, आंखे = आंखी, फाड़कर =
 खलना - खलना फखवार, अनोखा = अलग किसम

भाळू बोला ऐसा क्या देखनी हो? अंकी बोली भाळू में न कछ
 देखे पर चरमा भाळू नही? भाळू बोला - में लो अनोखा भाळू हूँ।



मधुसुदन कश्यप
 प्र. बन. प्र. भा. जामशुद्ध

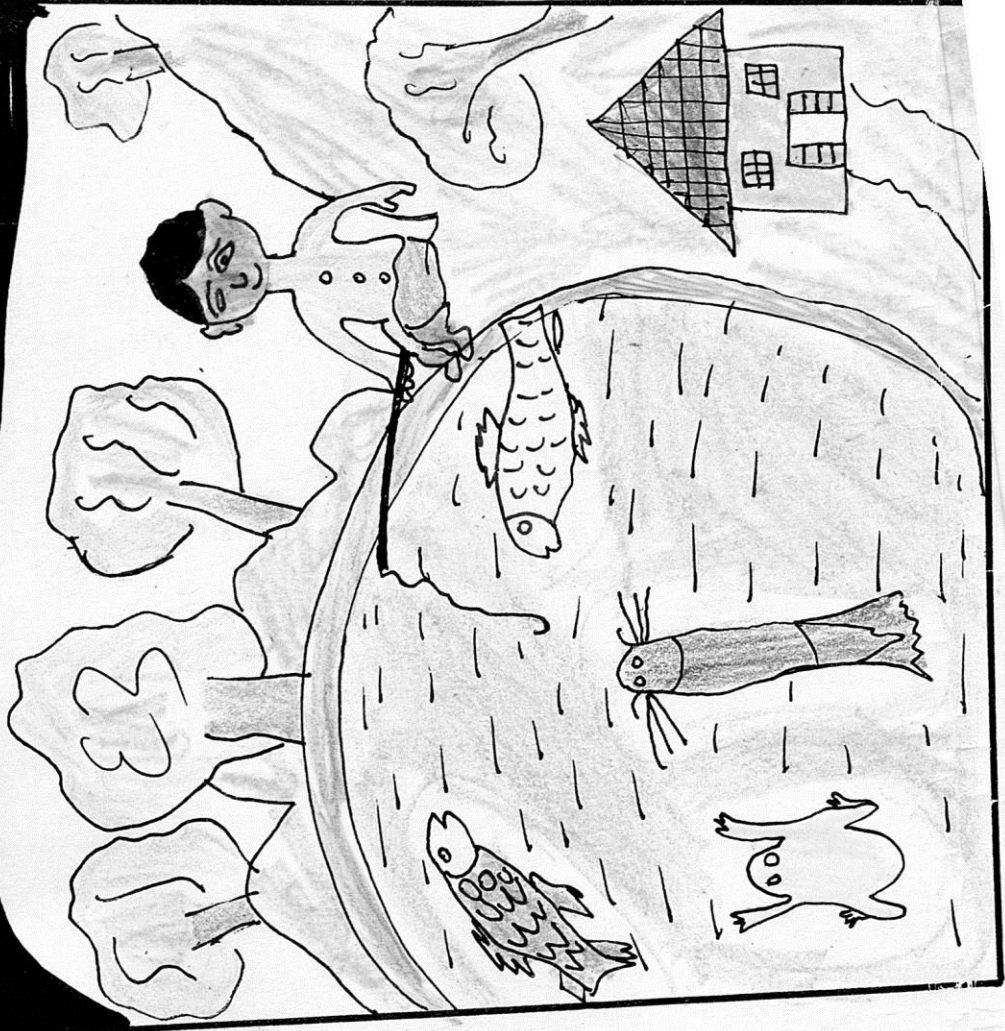
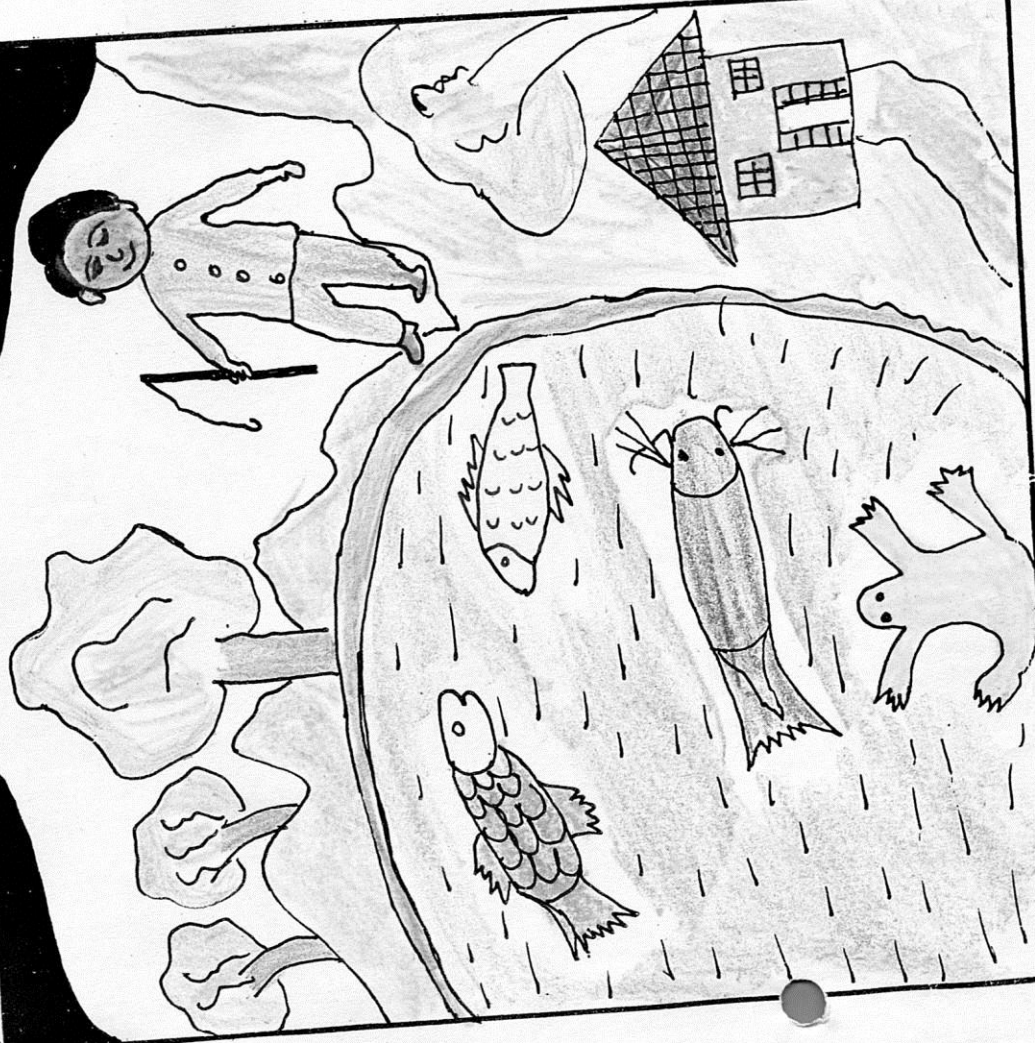
७ खेल के



कविता

चार बुधी गरी पकायला

तरई भितरे मांशुर कोकसा
खेडकू गला खेलके डोकसा



गरी के बड़े बेंडका चाबला



तरई - ताबाब
भितरे - भातर
मांगर - मांगरी

कोल्पा - एक प्रकारकी मत्स्यशास्त्र-शैली

गला - गला
खेलके - खेलने

दोकसा - बंवी खेलने

मत्स्यशास्त्र - शैली

बेडका - मेठक

चाबला - दांत से दबाना

झटके - झट से

झांझा - खाना

देखी - देखकर

पाथला - पाया

बोली गरी

झटके बेंडकू गरी के झिकला
बेंडका के देखी लाज पायला



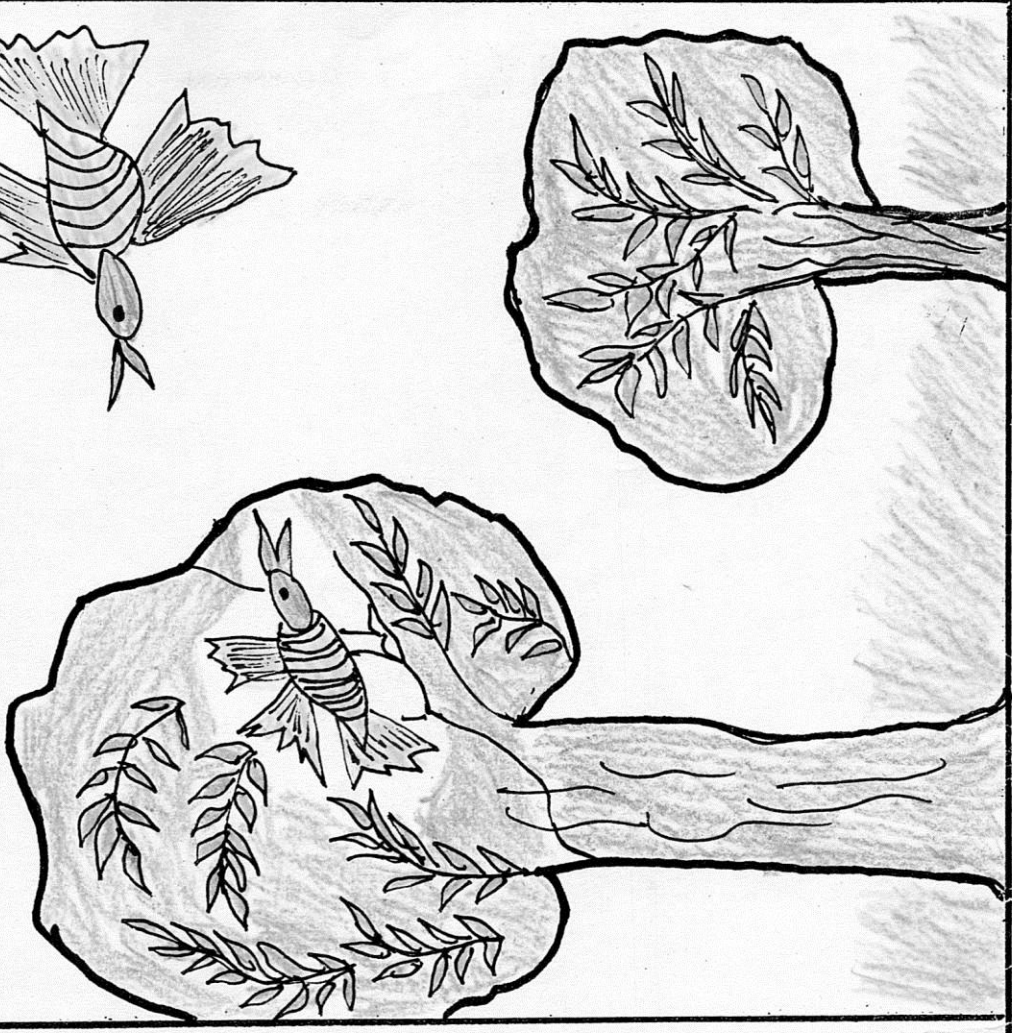
मजेश्वर कथप - (बिकावण्ड)
अथदेव सिंह ठाकर - (बस्तुर)
पु. लक्ष्मी कर - (बस्तुर)
संतोष लहोत्र - (लकावण्ड)

सुसमी सांगा कित ठन

गोटोक चडई रली गोटोक चडई रली
रान ने रली गोटोक चडई ।



कोन बाट ले उडुन इली गोटोक चडई फूर
नाथ सांगा-सांगा कित ठन चडई ---
डुई ठन चडई डुई ठन चडई..

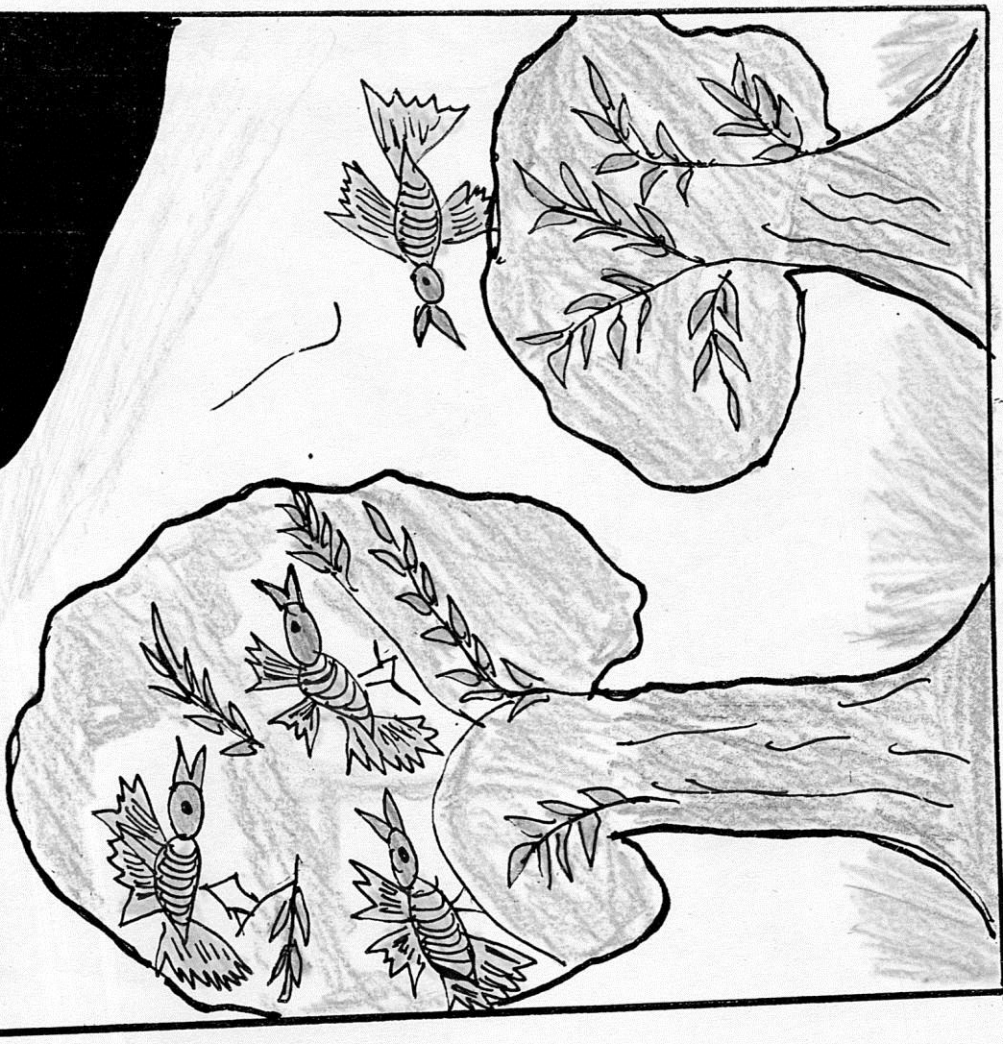


जगण पाटले उडुन इली गोटोक चडई फूर
 माथ सांगा-सांगा कित ठन चडई
 तीन ठन चडई तीन ठन चडई



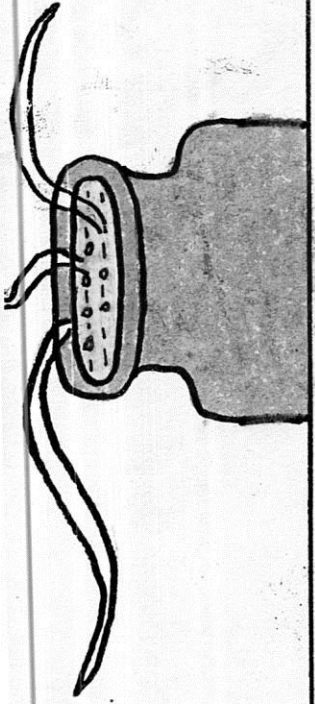
गोटोक = एक, चडई = चिडिया, इली = बहना, रान = उंगल
 कोन बाटले = कि घरसे, उडुन = उडके, इली = आई, आई
 सांगा = बसाओ, कित ठन = कितने, उई = दो, तेली - हल्ली

कोन बाटले उडुन इली गोटोक चडई फूर माथ
 सांगा सांगा कित ठन चडई
 चार ठन चडई-चार ठन चडई



लखेश्वर कश्यप
 जयदेव ठाकुर
 क० लक्ष्मी कुर्ने

4

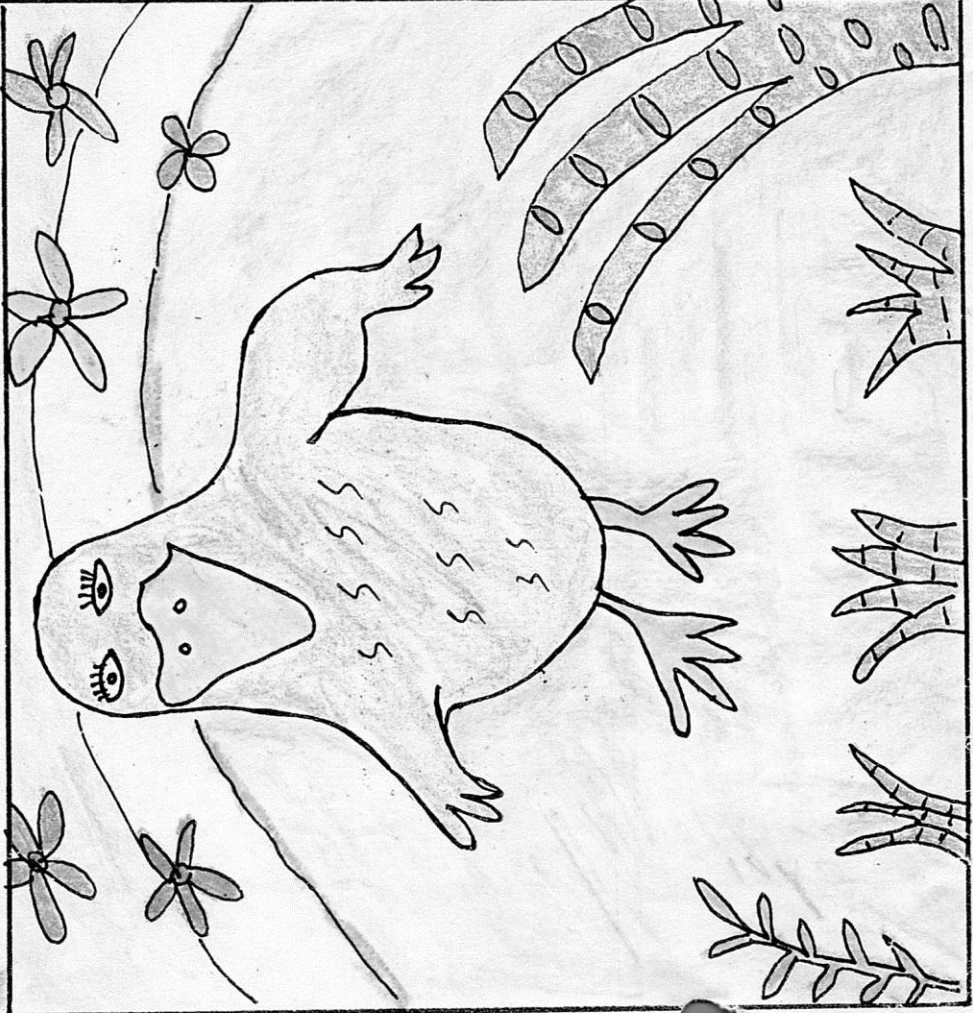


रांकला

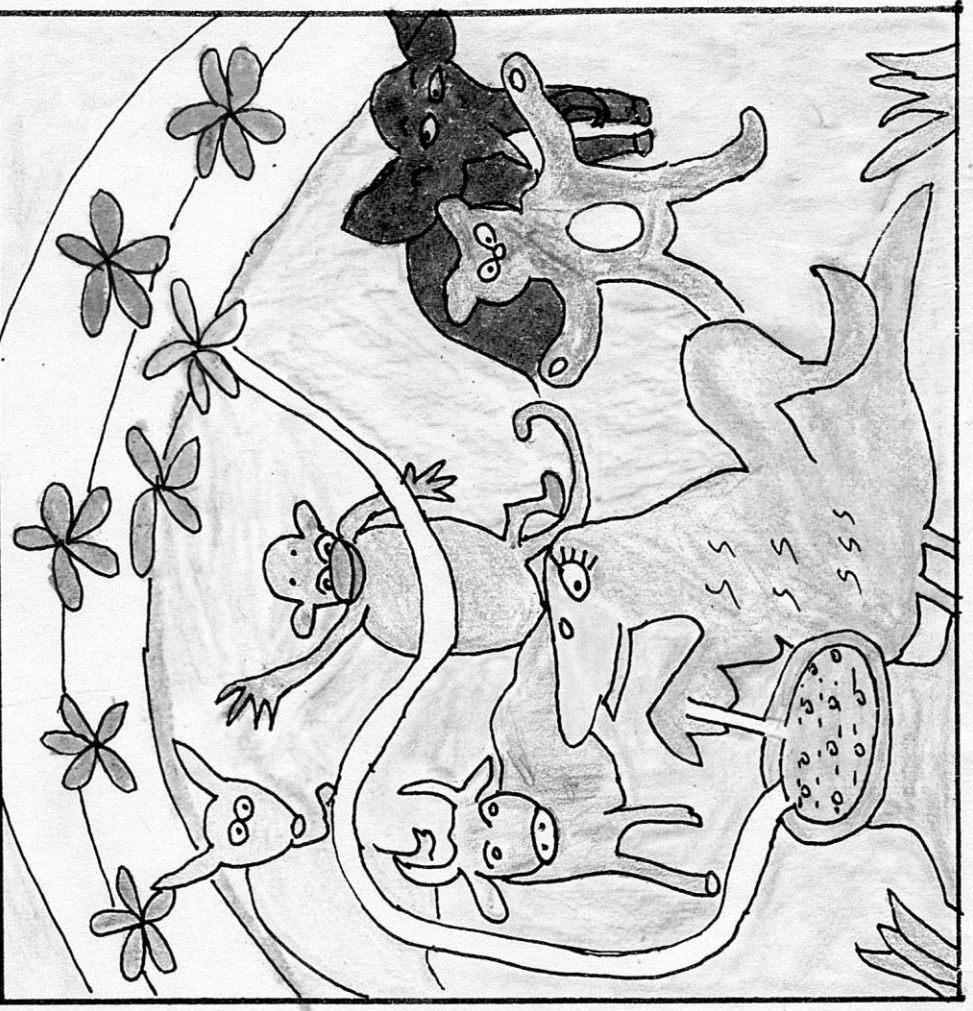
भतरी

कविता

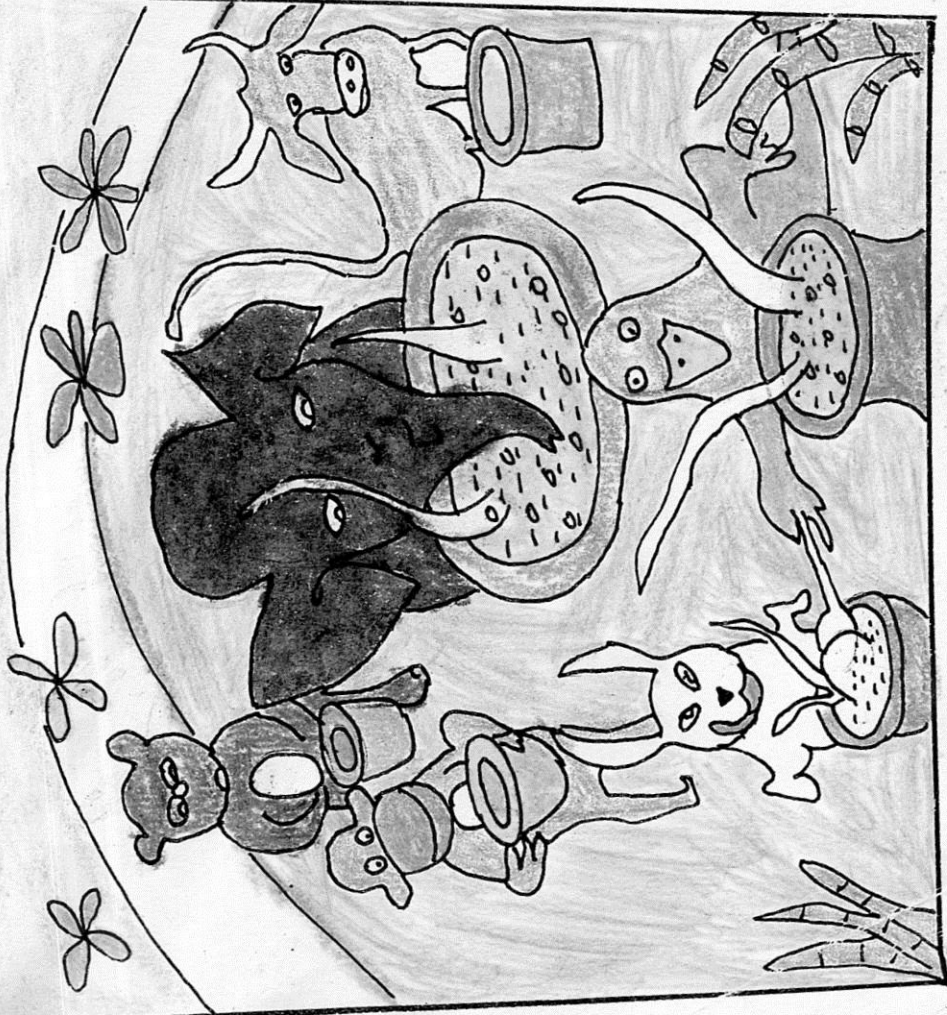
मोती हाँसा विचार करला
माँतमनके खीर खुआयकी कलला



मोती हाँसा रांकला खीर
हागकेला सवुके स्वायके खीर

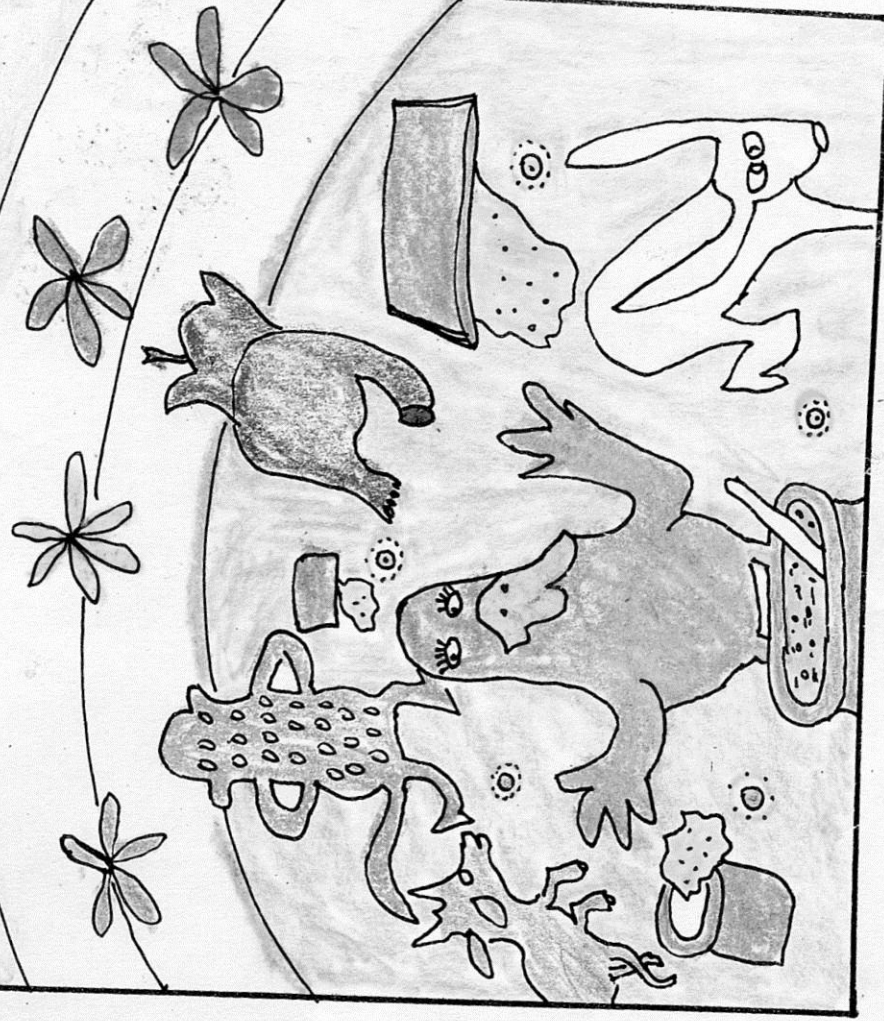


तियार होई आयलाय सबु
तपला तपला खीर खायबु



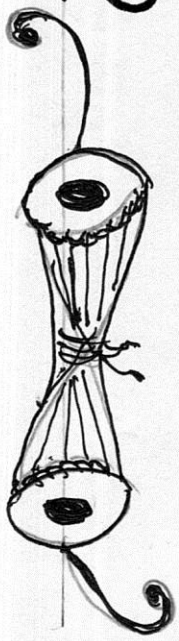
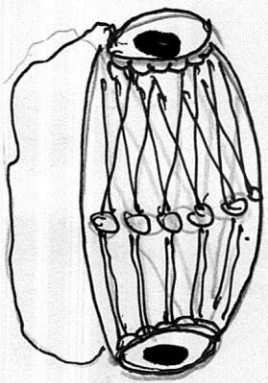
होस - बहक करला - किया, सीतभनेके - मित्रों को, तपला - गरम, खुआयकी - खिलाऊगी
खलला - कड़ा/बेली, रांदला - खाना बनाना, हागदला - बुलाभा, सबुके - सबके खायेके - खाने
तियार - तैयार, आयलाय - आये, सबु - सब, जायबु - खायेगें, लागला - लगा, आबके - केवल
पीता - कुडवा, घाई - छोटे पराग्रनाय - भाजे

लागला ओबको खीर पीला
घाई परायलाय सबु मीत कीता



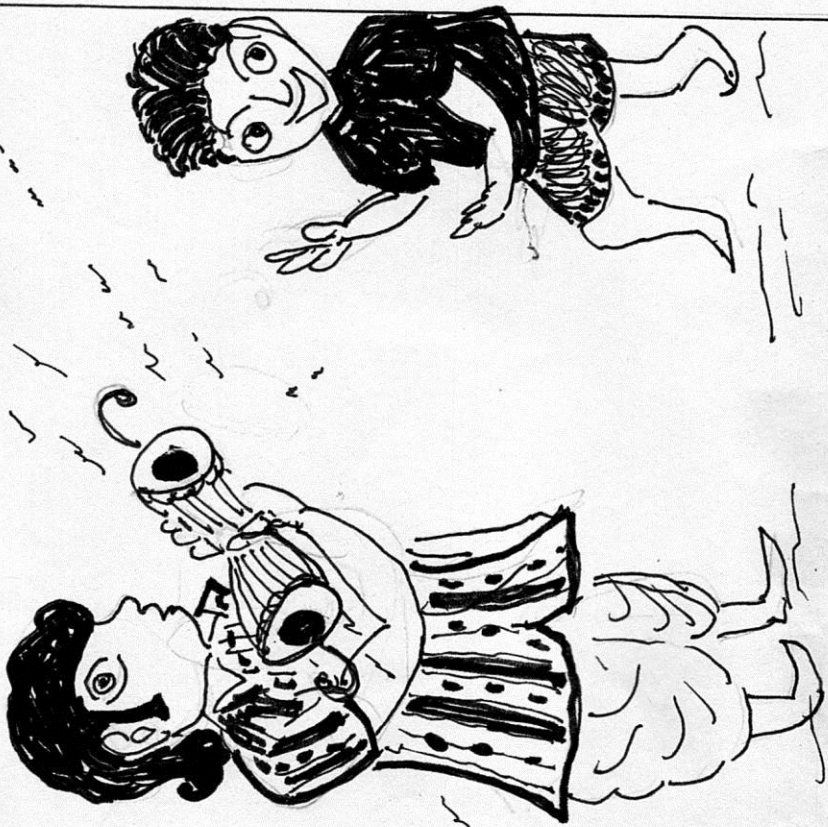
खिलाऊगी
खाने
केवल

लखेश्वर कश्यप
प्रा०शा० - सालेशुदा
नि

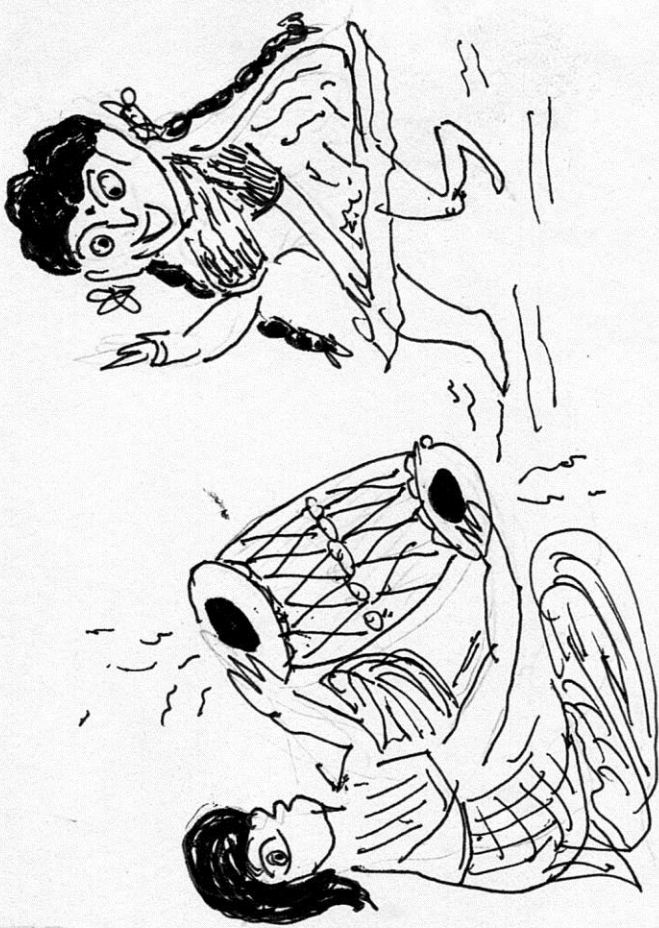


बाजा

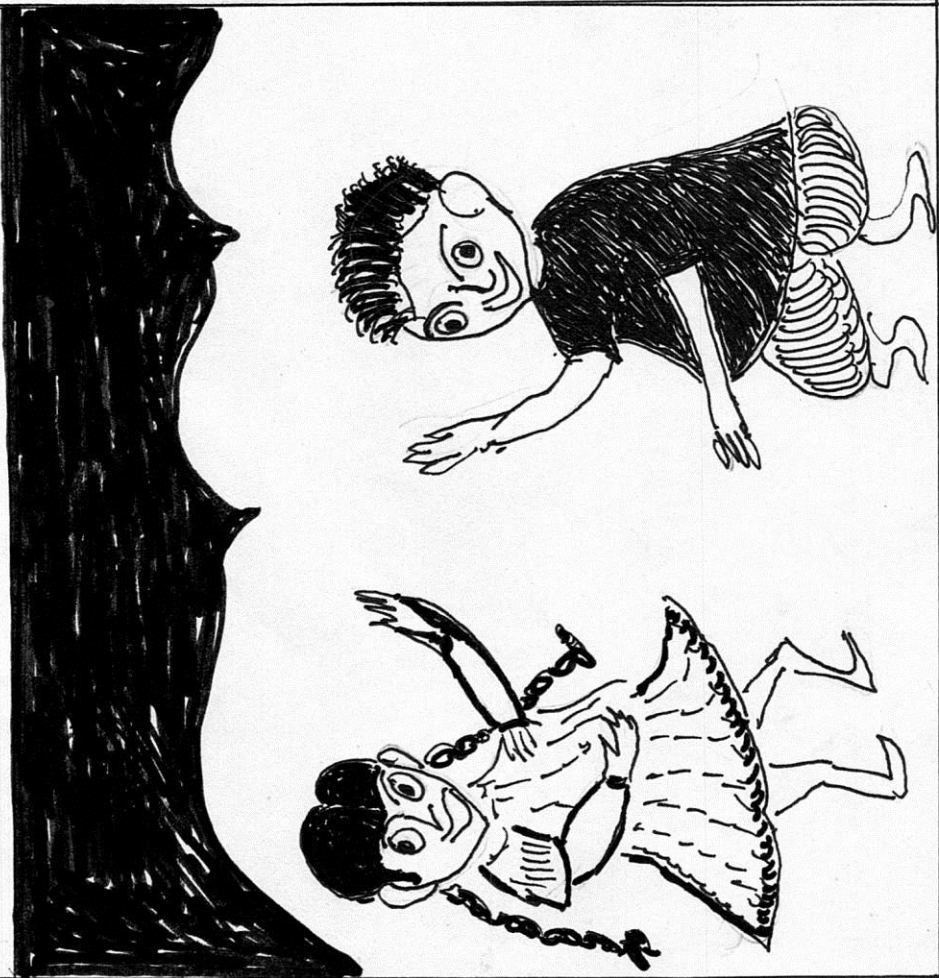
डिण-डिण डिण डमरू बाजा
मटकी मटकी नाचि राजा ।



बाजला ढोलकी डम डम डम,
रानी नाचि डम डम डम ।



नाचा डोगा खेळ दखाई ।



डिण-डिण = डम-डम, मारकी-मारकी =
एमक-एमक, टोलकी = टोलक

दखुमल काय लाली बाजाई ।



मधुसुदन कश्यप
प्र० अ० प्रा० शा० जामगुड
वि० अ० अकावड

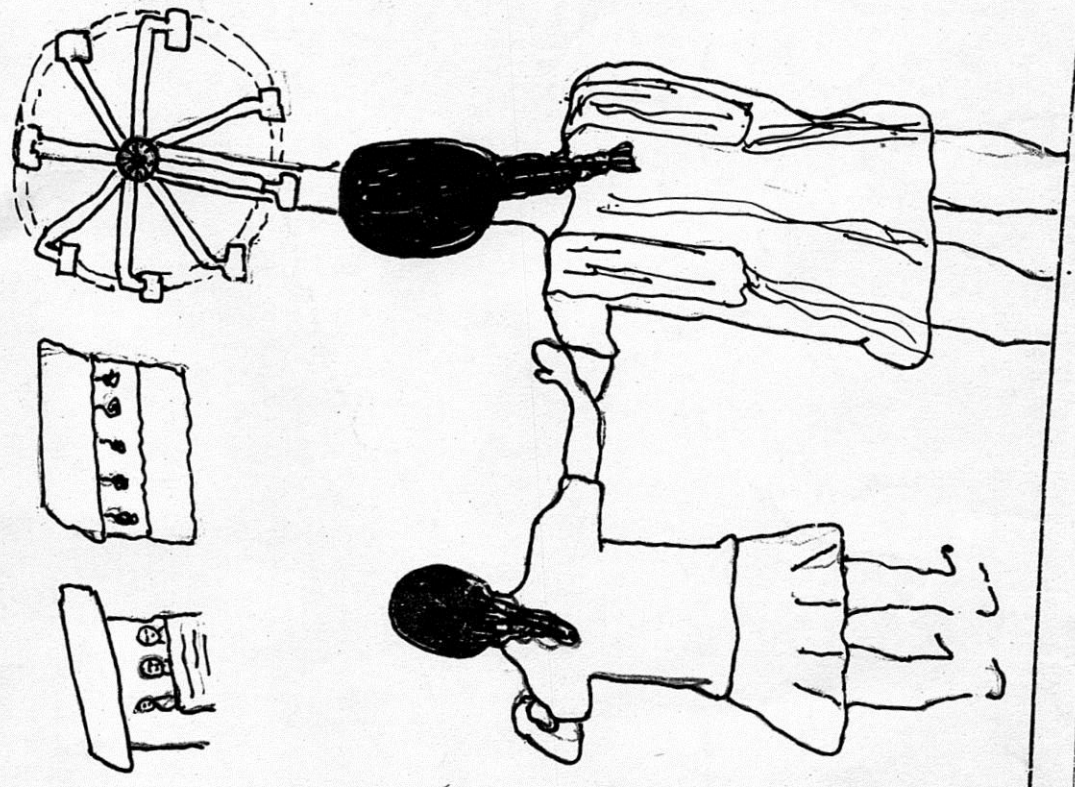
माया

खेले खेळना मना आनू आय।
गोरी दीदी रड आय,

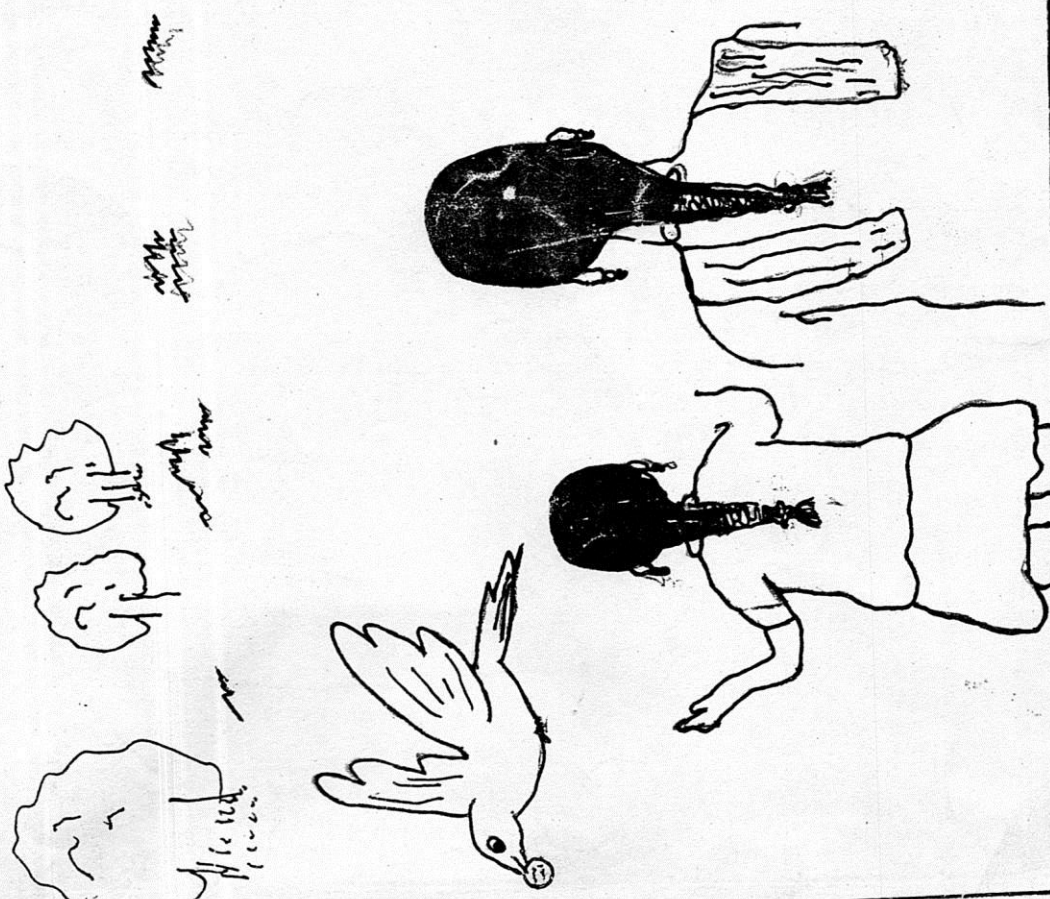


पुझना (हल्ली वीली कविता)

कितरी हरीक बागू आय,
जेबे मके गहाट नेउर आय।



कावरा के भाऊ आय, लकी के उड़ू आय ।



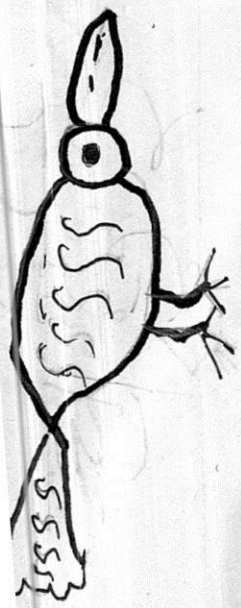
खूले = खुल, कहत, खेलना = खिला, टाट = बाजार,
 कावरा = काँआ, लकी = लकीनी, खिखन = खीन कर,
 पराउन = पीड़कर, लकी = लकी, खेदू = भ्रमाना ।

लक दादा पराउन के आय, कावरा के लकी खेदू आय ।



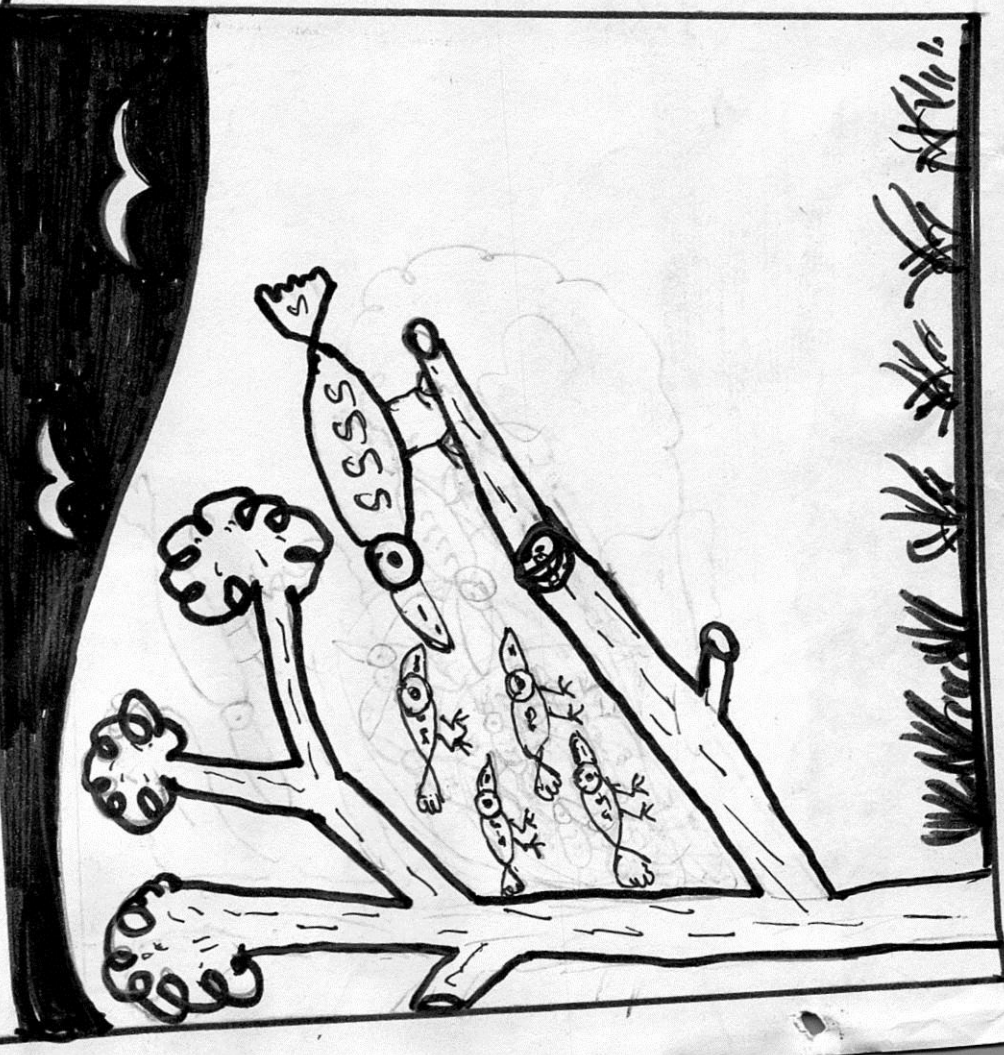
अर्थदेव सिंह ठाकुर
 प्रा०शा० - डेगमुड़ा (मोदबापाल)
 जिला-वि०खा० - बस्तार (छंगग०)

गाटक

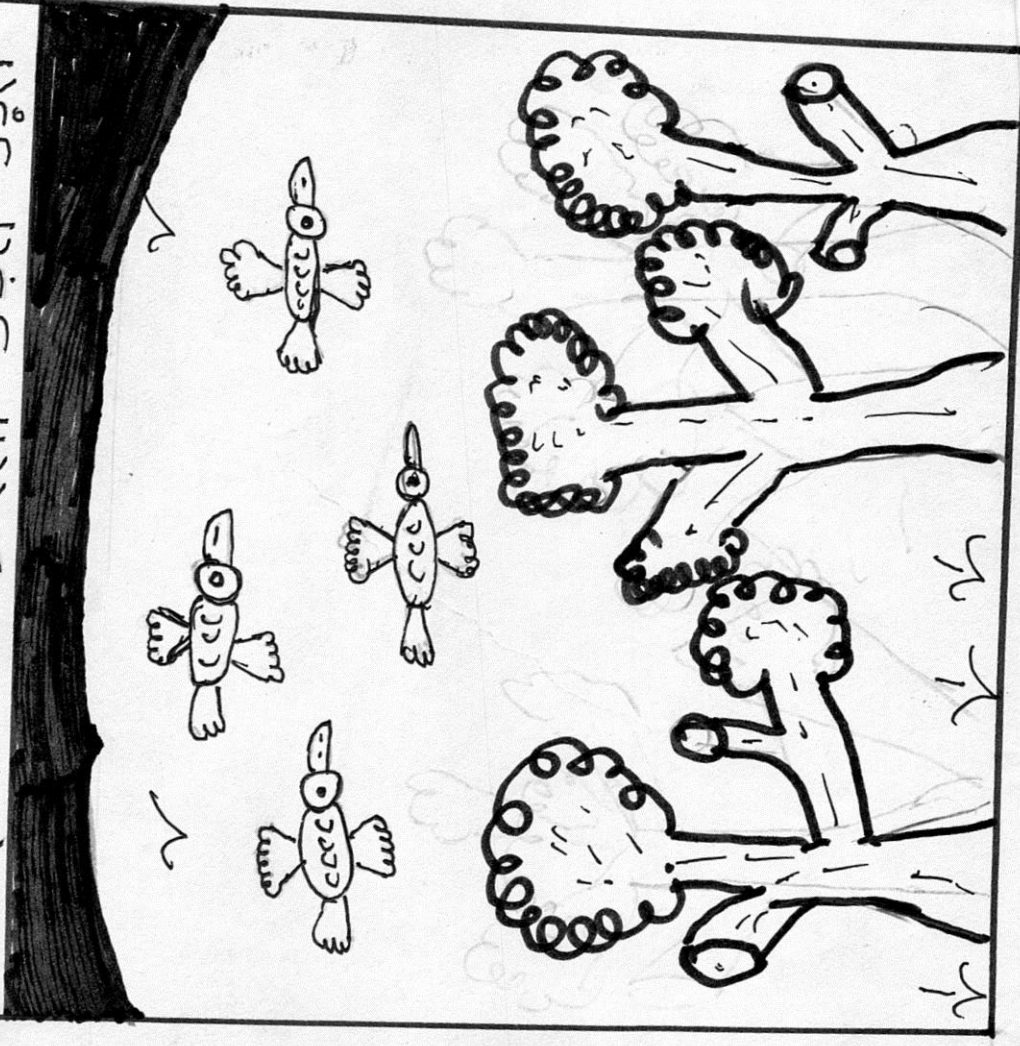


चौ चार पीला

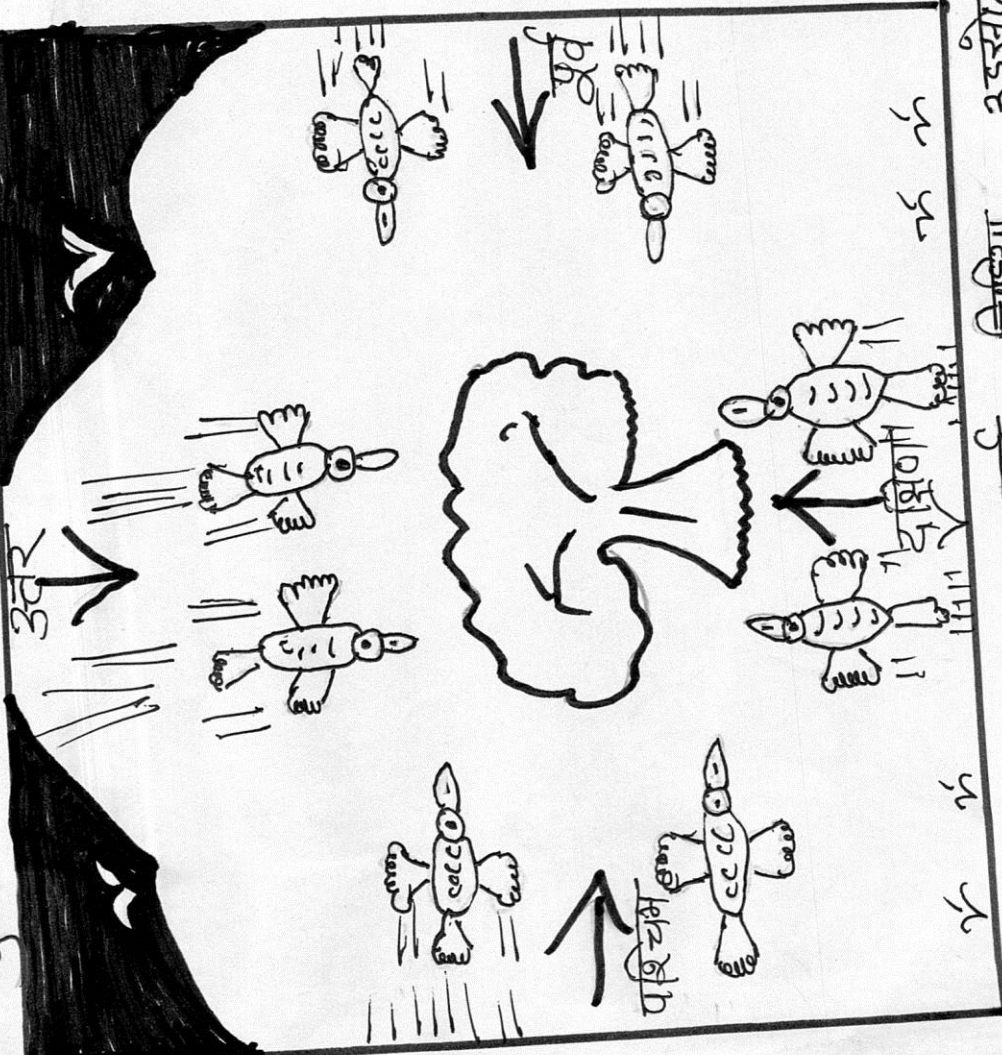
गाटक चडई चौ चार पीला
चार पीला चार पीला



घर लै निकरला उडते उडते
घर लै निकरला उडते उडते

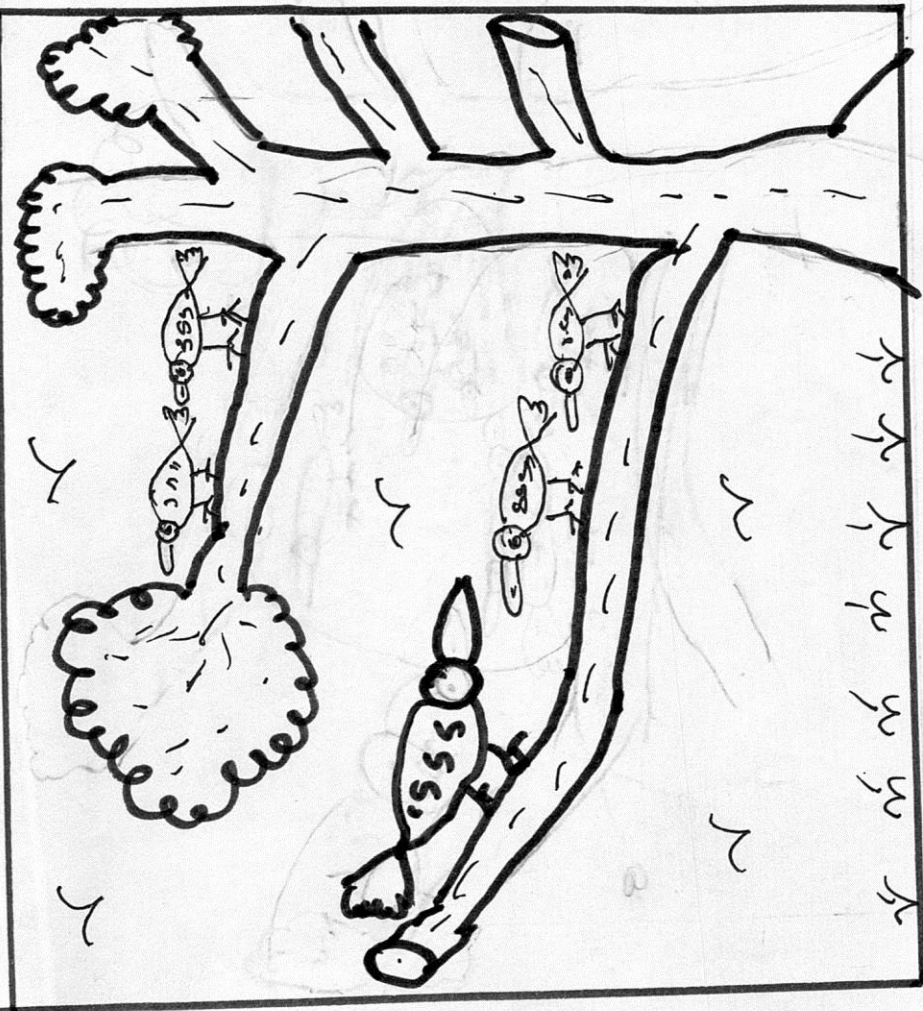


उत्तर लें दक्षिण उड़सोत
 पूर्व लें पश्चिम उड़सोत



गोलक - रूक चड्ड - चिडिया उड़सोत - उड़ना
 आमचो हमारो वखुळ देसना आय - भो
 गणसोत - बताना सुकून आना

सुउन भाति माय के सांग सोत
 देखुळें आमी सपाय दुनिया
 आमचो द्यर आय सबल सुव्हर



कुलचवन्द सिन्हा
 शाब्द - शां कटेर
 विकास स्वड - ओरबा

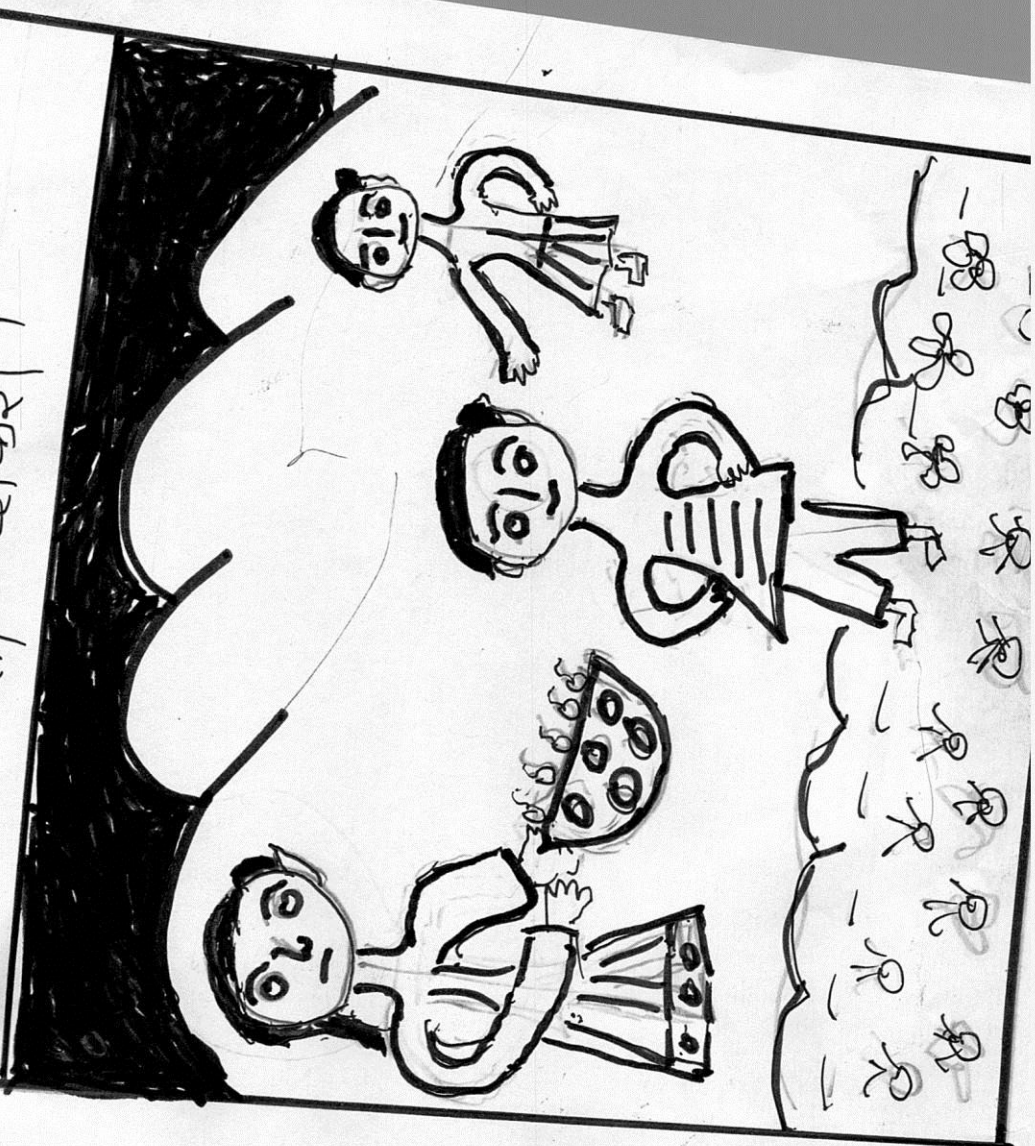
डोकरा



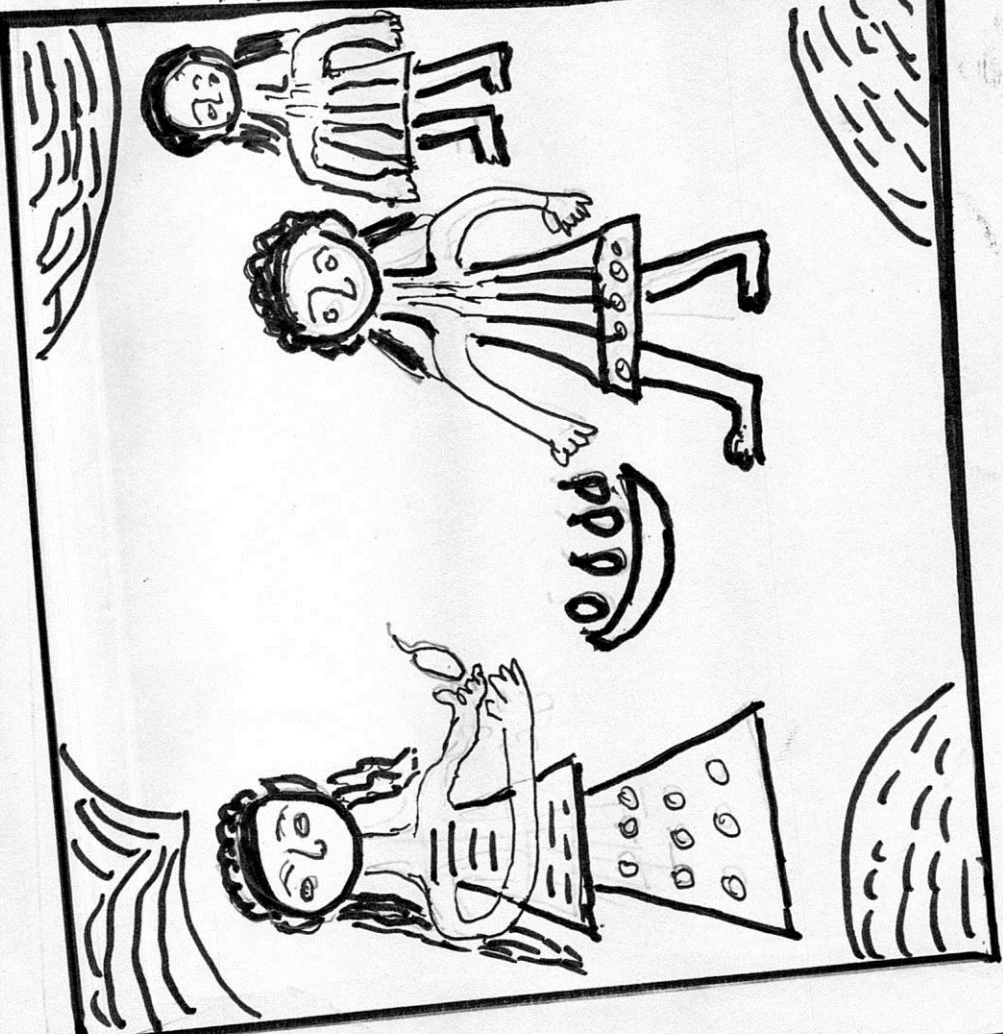
एक साल की डोकरा
 भरकर लाई डोकरा
 डोकरा में आम है,
 गरी बगली आम है।



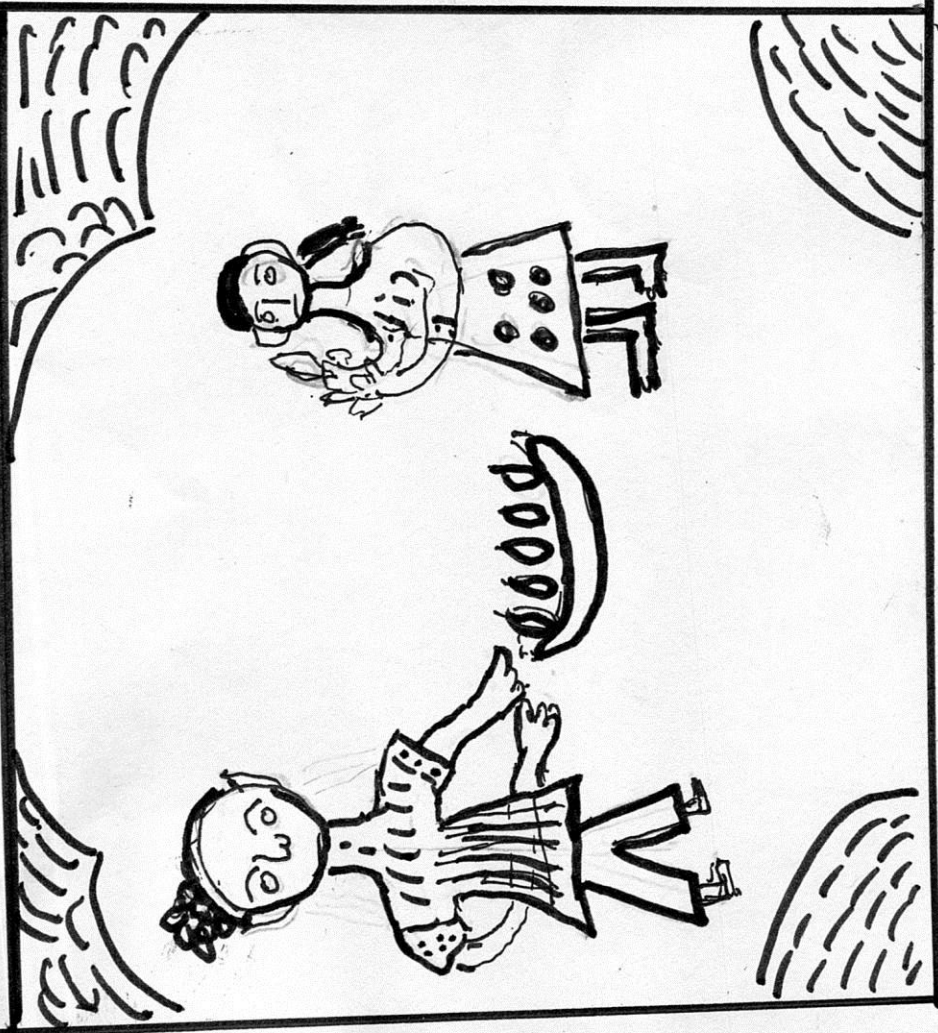
दिरवा दिरवाकर डोकरा,
 हमें बगली डोकरा।



हम को देनी आम है।
नहीं कतली नाम है।



नाम नहीं अका पुखना
हमें आम है चुसना



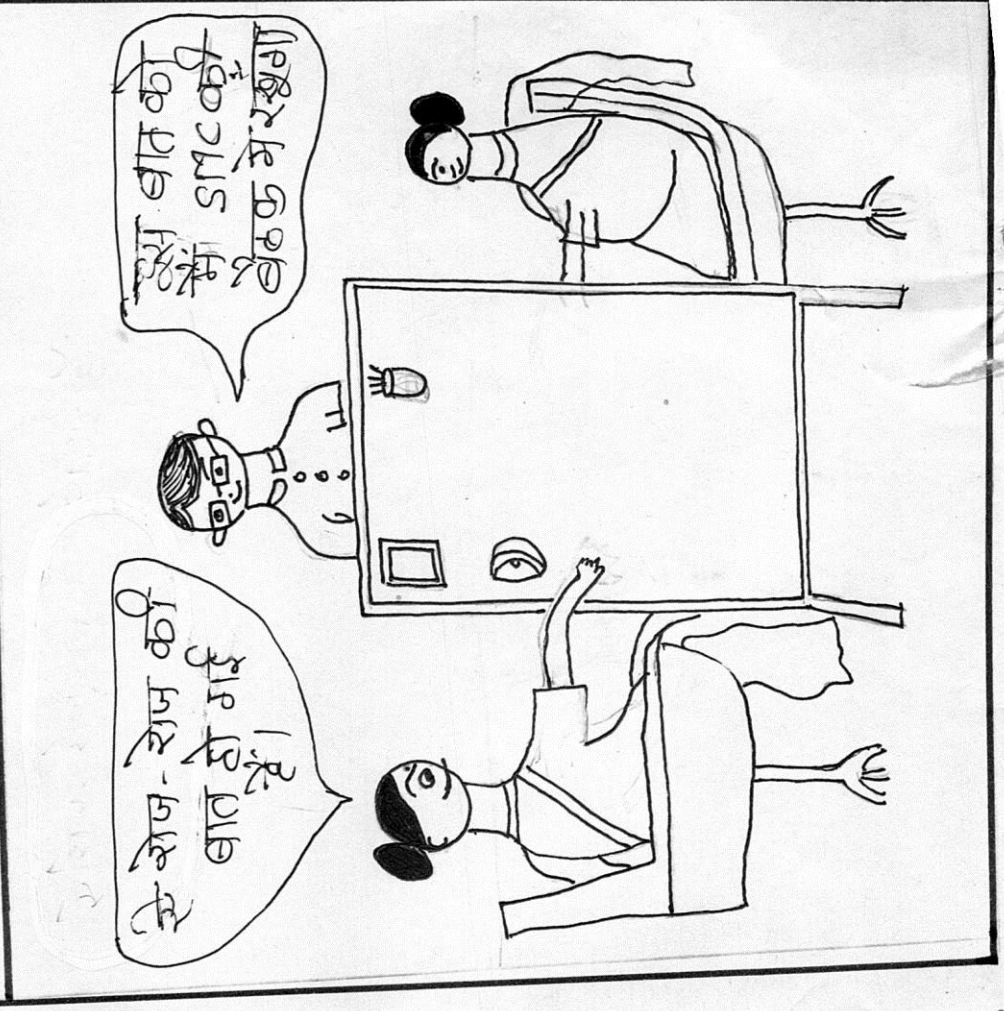
कमलेरा मण्डवी
ड. प्रा. माला - गोमं

SMC

मीना स्कूल के परिसर में खेलते-
खेलते गिर गई वहाँ पर एक ठंडा
प्या-!



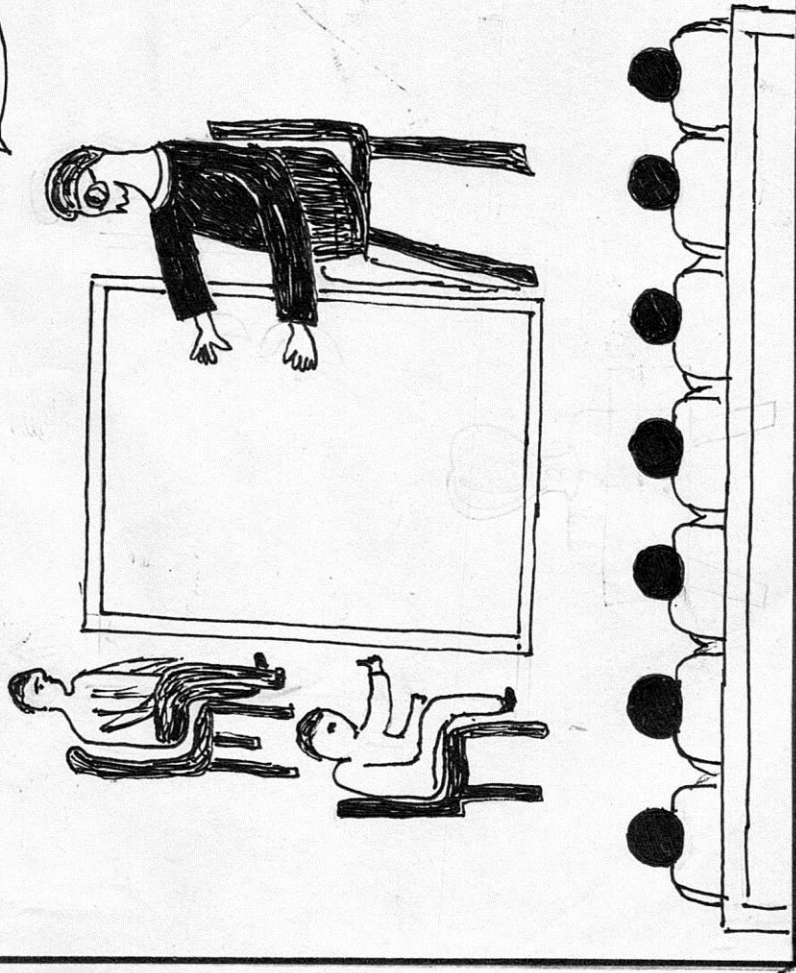
स्थाप कर्म में आकर शिक्षक
को शुचना देते है।



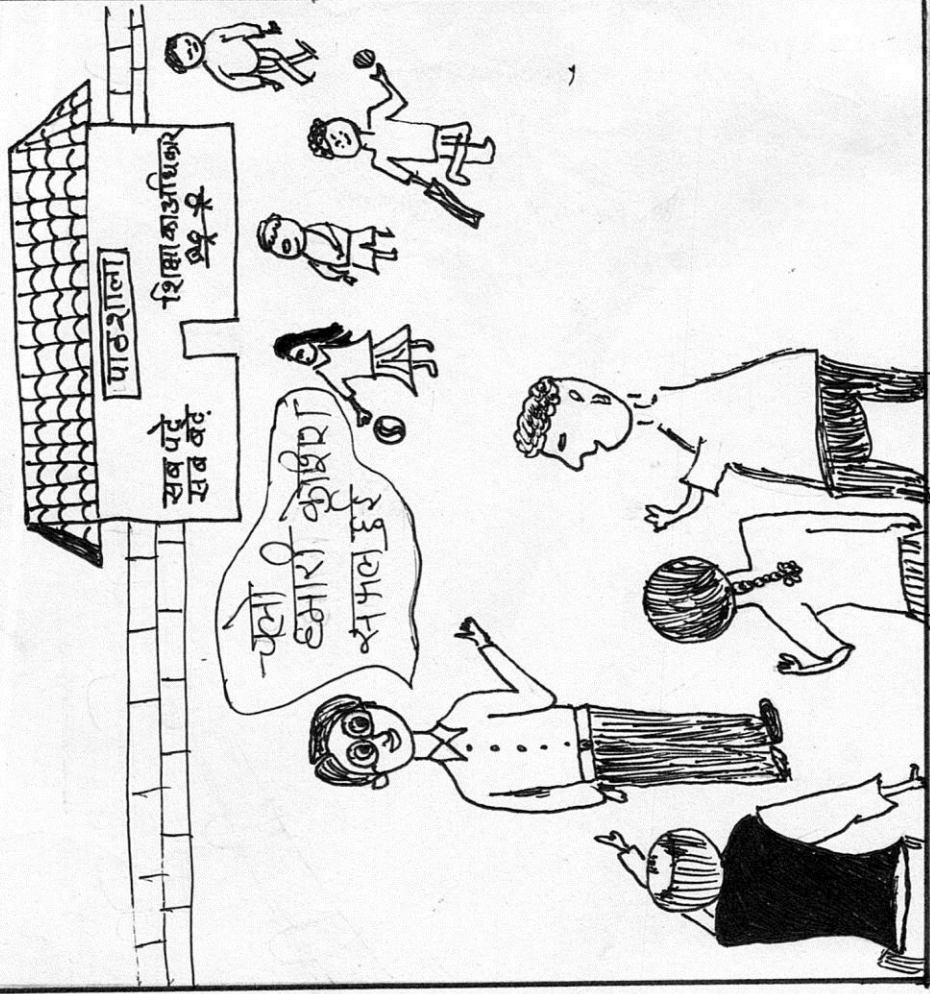
S.M.C की बैठक में शिक्षकों ने इस समस्या को अवगत कराया।

हम एक आवेदन बनाकर पंचायत में देंगे

उनसे निवेदन करेंगे की इस पर तुरंत कार्यवाही हो।



पंचायत में उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और माइंडे को तुरंत बंदवाया गया।



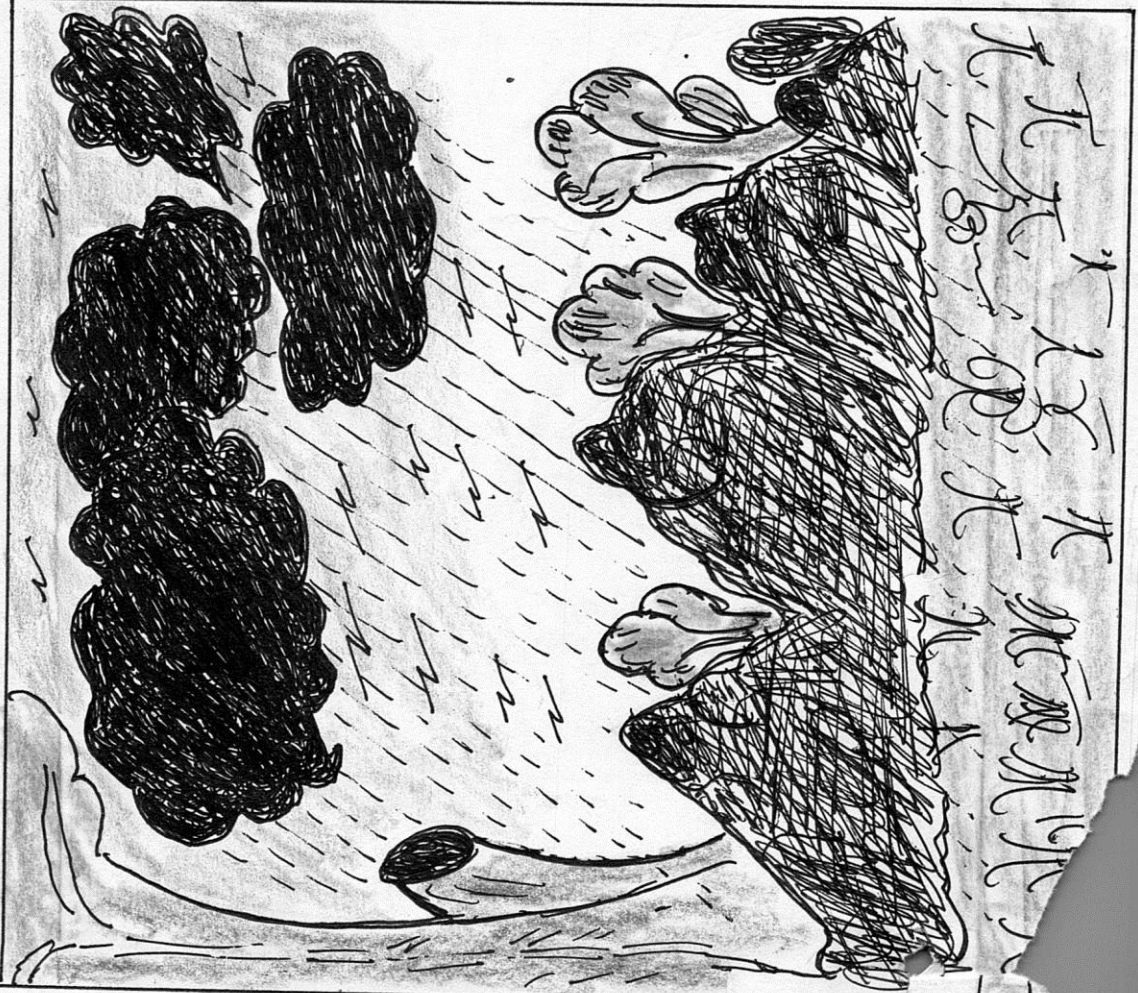
कृ. लक्ष्मी कर्

स. शि. (स.)

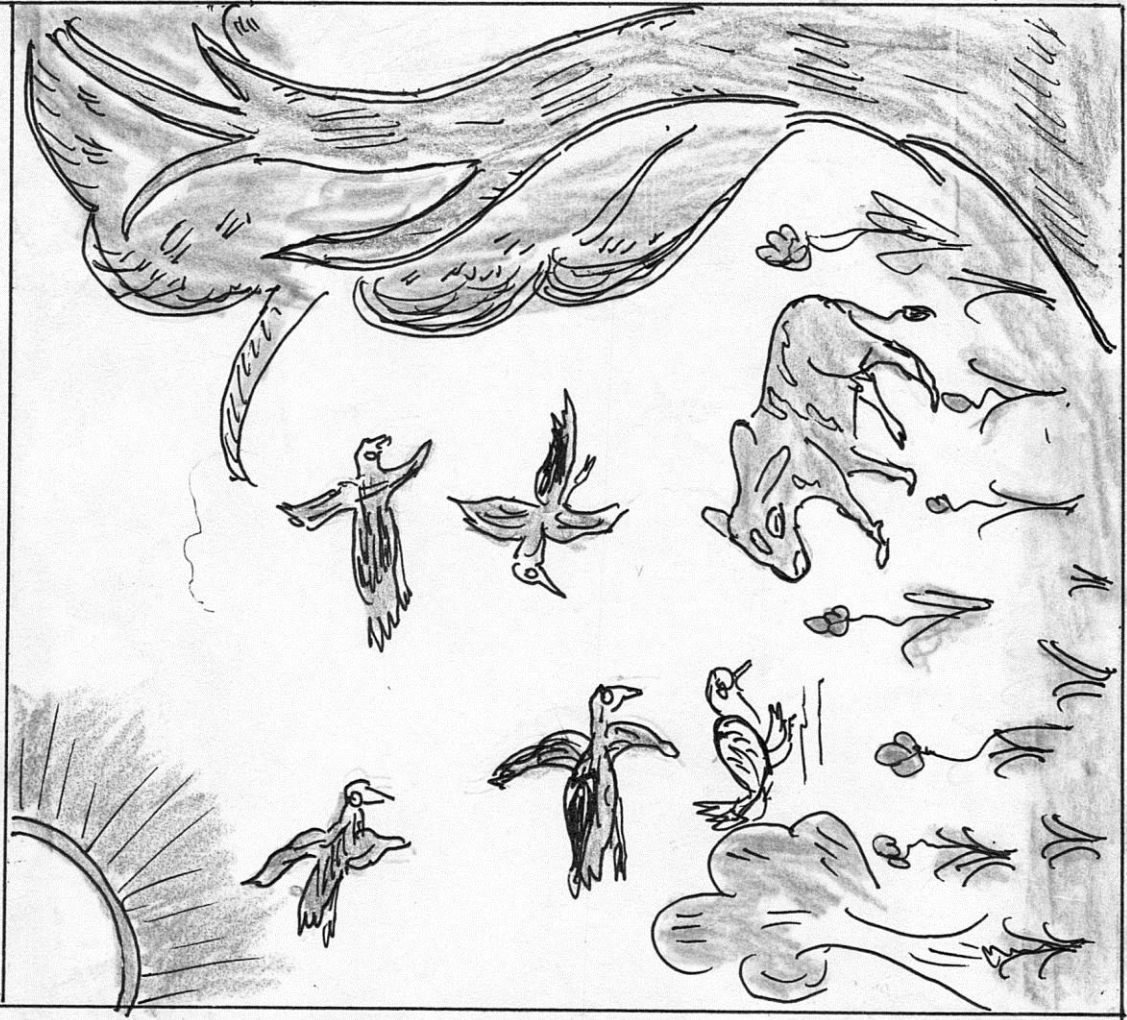
प्रा. शा. बागावहार (रोतमा
वि. ख. - वस्तर (छ. ग.))

काला जाटला

काला बादल धिर-धिर आया। रिम-रिम रिम-रिम
जल बरसाया।



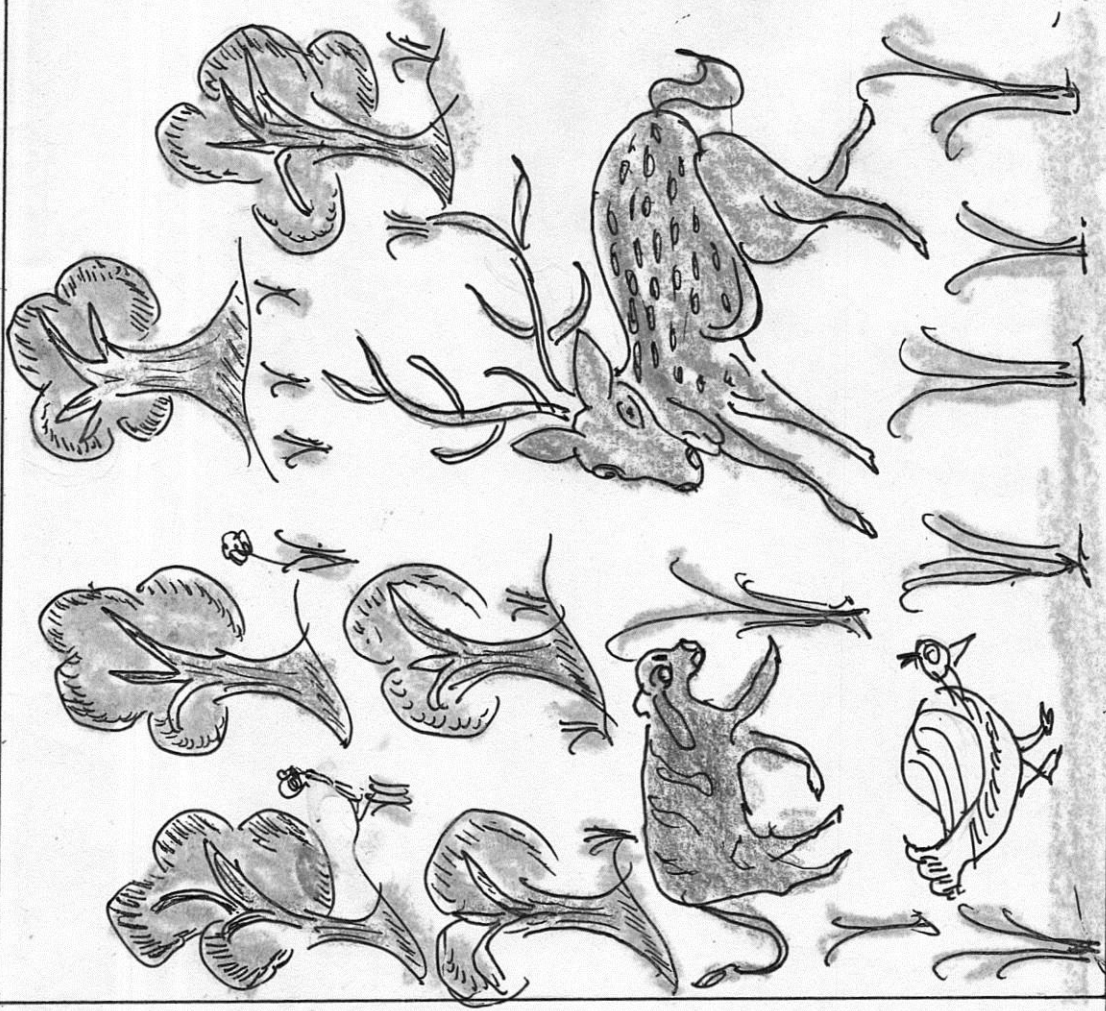
चिट् चिट् चिट् चिट् चिट् चिट् चिट् चिट् चिट् चिट्।
लिलक लगाकर बखिया भाई।



हिरन आओ, बधिक्या आओ।



थिरक-थिरक फिर नाच दिखाओ।



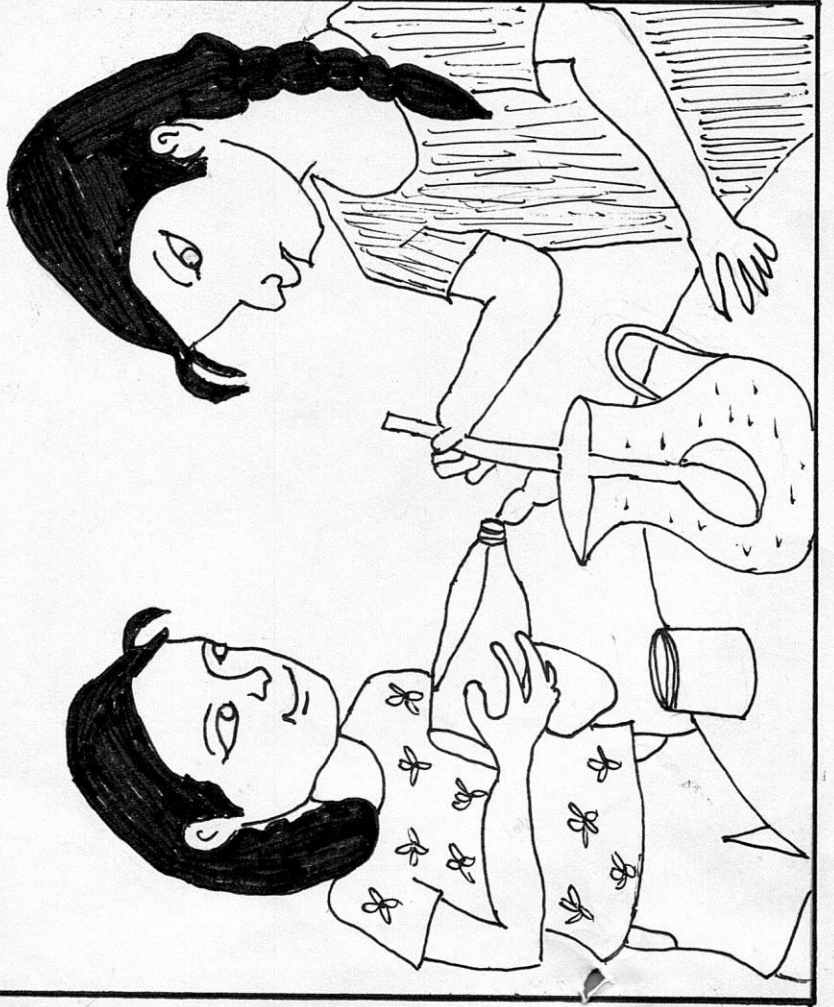
काला बादल = करिया बादरी, धिर-धिर आया = टापेर आयला, रिम रिम = कुरूस-
बुलस, जल = पानी, बरसाय = पानी मारला, बधिक्या = बाढी, चिडिया = चेड
-हिरन = चिरल, तिमक = डीक, थिरक-थिरक = मटकी मटकी

मधुसुदन कश्यप
प्र. भ. प्रा. शा. जामशुड

शरबत

शरबत

गोदोक दिने रमा आउर सीता शरबत बनायलाय
हुनो पानी ने रसमा के घोरलाय.....



आंय ताने करक बले मिसायलाय,
आउर शाकर बले मिसायलाय



रमा आउर सीता शरबत पिथबा काजे
बसलाय, शरबत पीयी-पीयी गोठायते रयेत

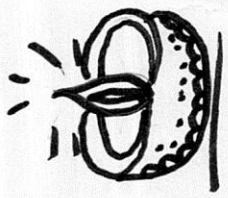


रमा आत आलाय आलाय करी गोठायते रये
आंतार आत पायबा शरबत गसरी गला.-

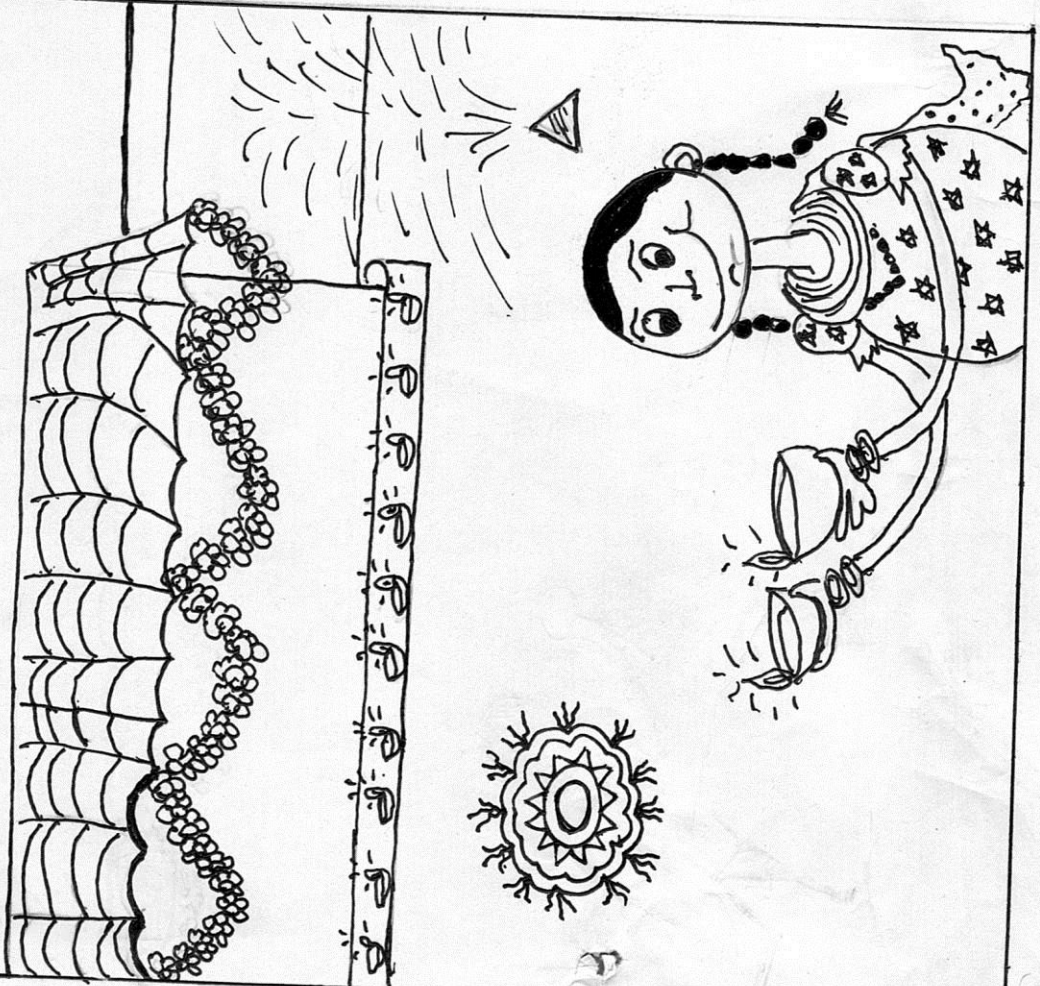


गोटोक = रक, आउर = और बनायलाय = बनाय, घोरलाय = घुलाना
आंय = वहाँ, करक = बर्फ, मिसायलाय = मिलाना काजे - लिख,
बसलाय = बैठे गोठायते = बाल करण, रयेत = रस्ना, आंतार = उस्का

संतोष बघेल
प्रा०शा० कुम्हारवंड
वि.श्वं० - बकावंड
जिना - बस्तर



दियारी आयला काय सुन्दर
दिया बारी करी करेन उजर



दियारी



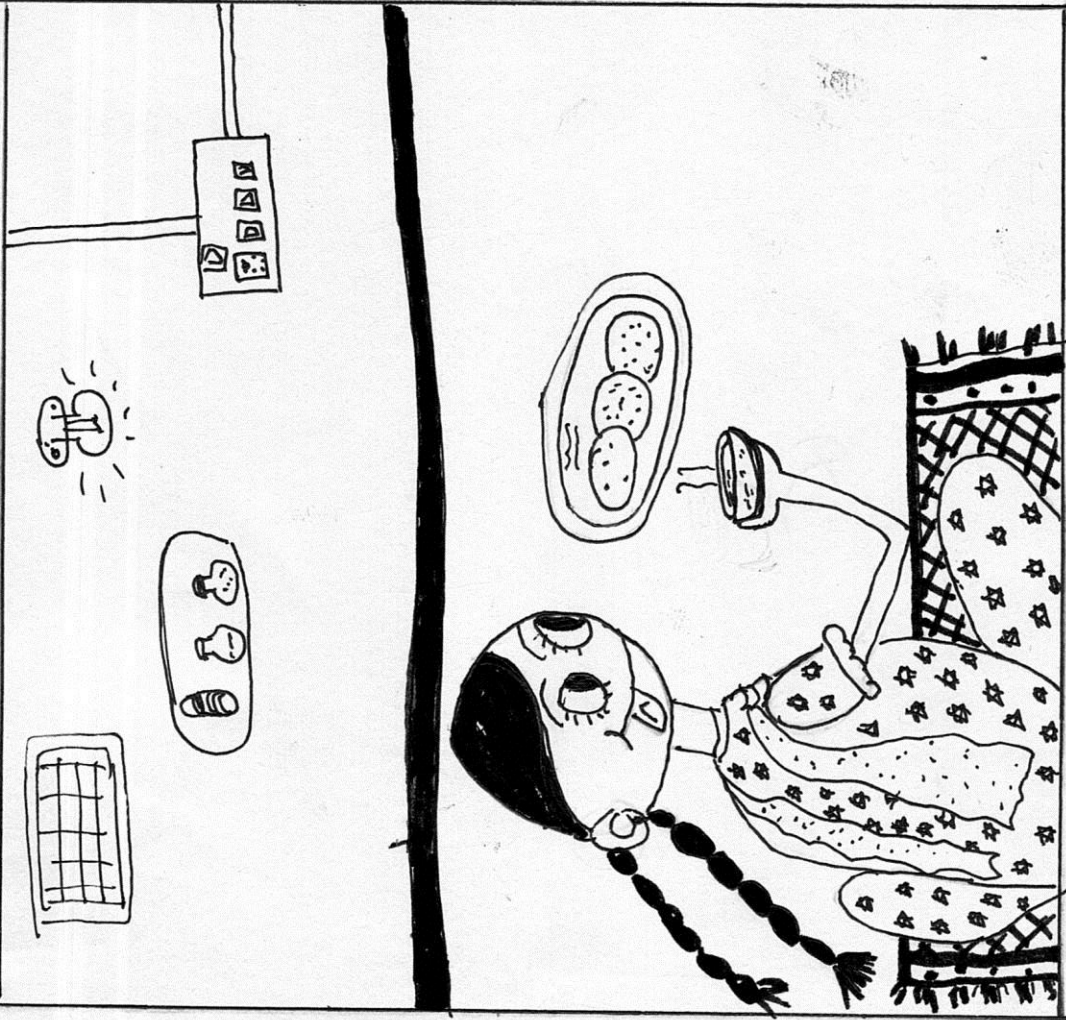
कविता - भूतारी

6

आया आभर खीर रंदिना

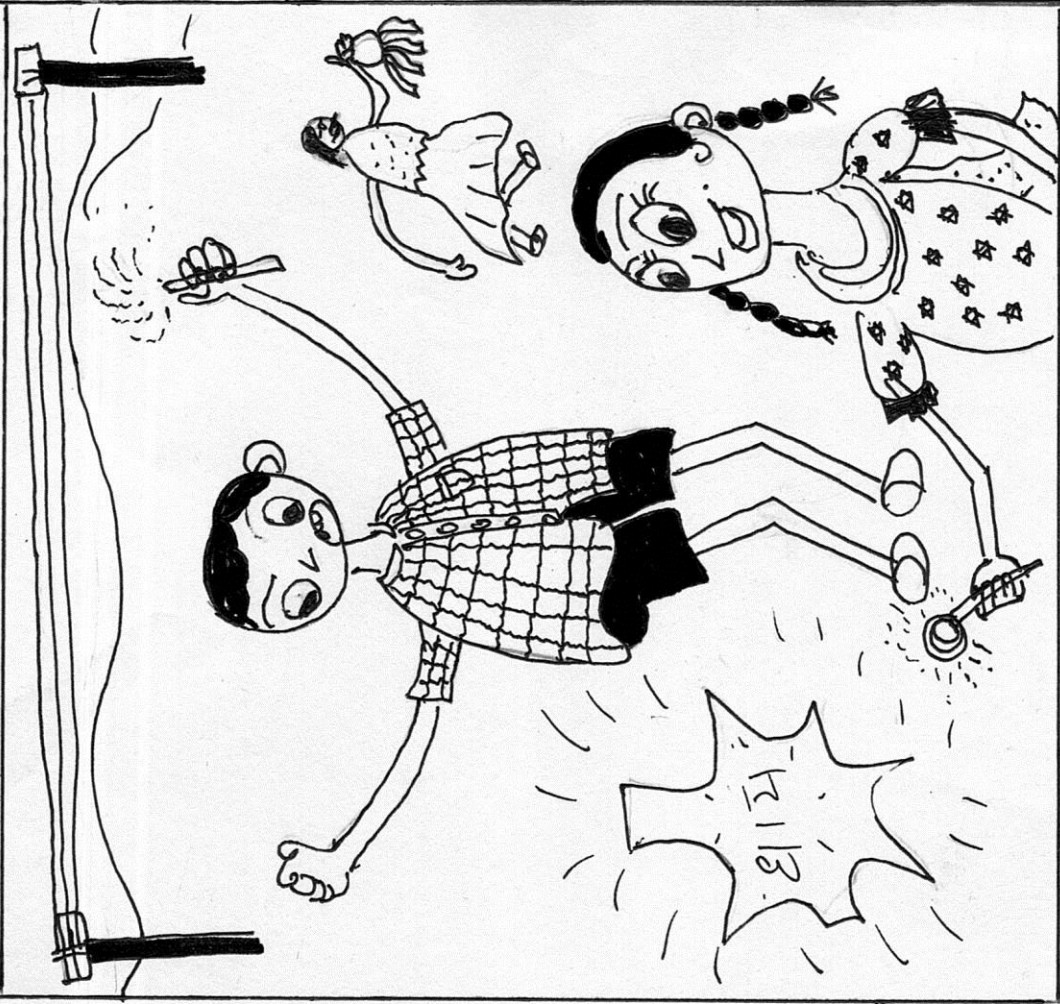


मिचकी खुबे मन ले खायला



दियारी - दिवाली, आयला - आया, काय - किलना, पटका - फटाखा
 बारी - जलाना, करी - करके, उजर - रीक्षानी
 आया - माँ अमर - हमारी, साँदला - पकाया, खायला - खाई ।

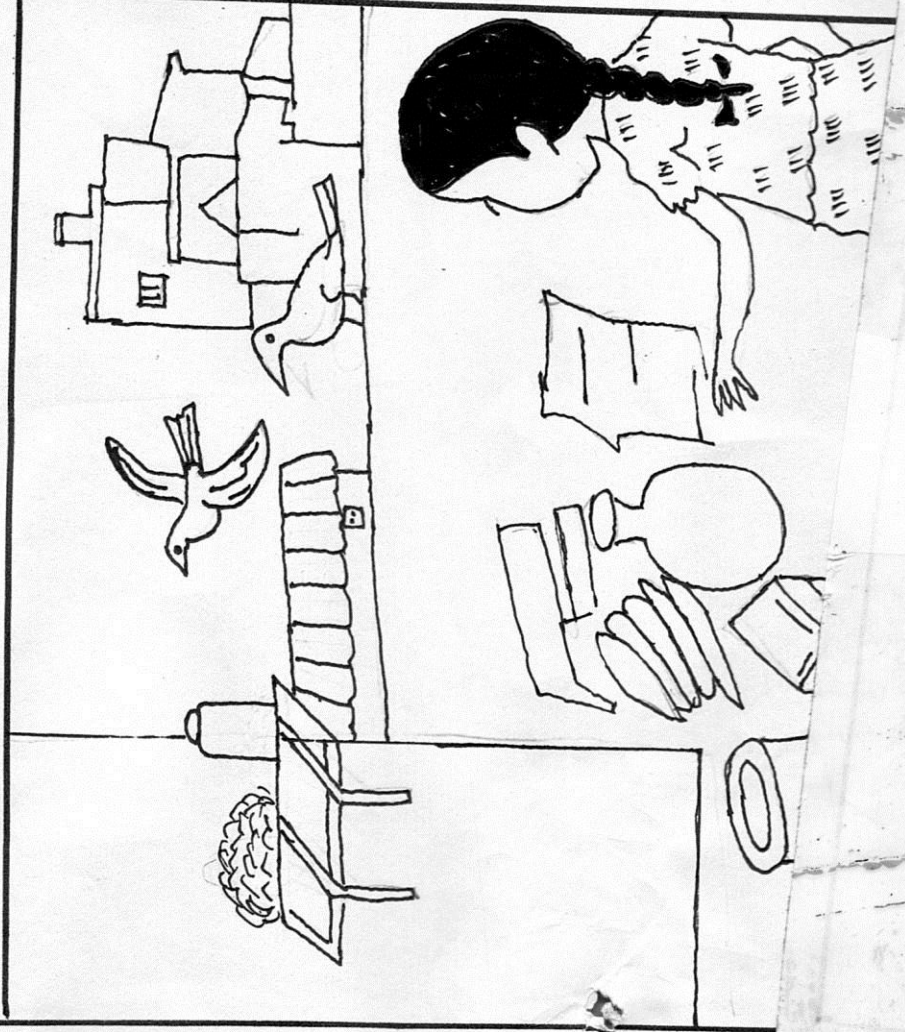
डाय - डाय - डाय मूडम
 बम पटका फटला - इम - इम



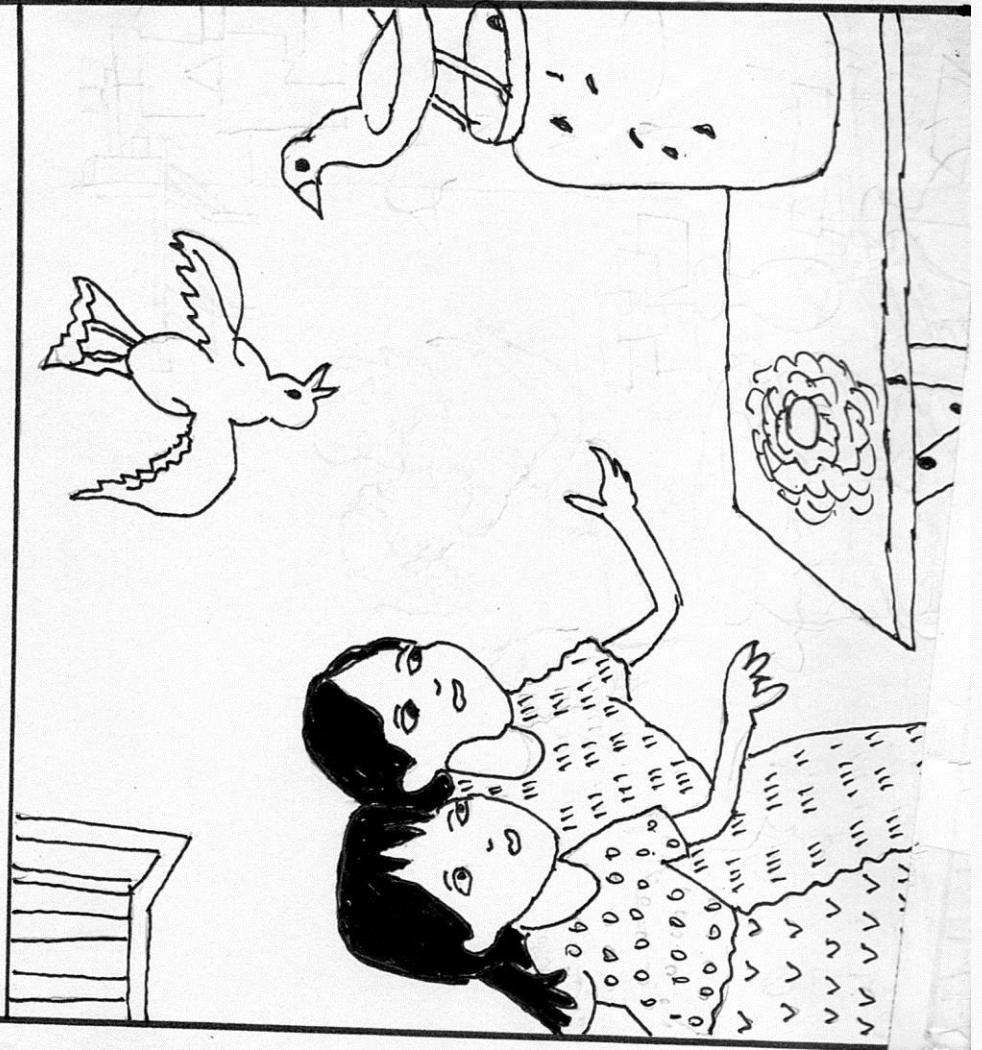
कुषार नेताम

परखा पिला

गोहल दिने रमा चोर दुपार परका
आम लाम आकरा गुडा को-पारलार



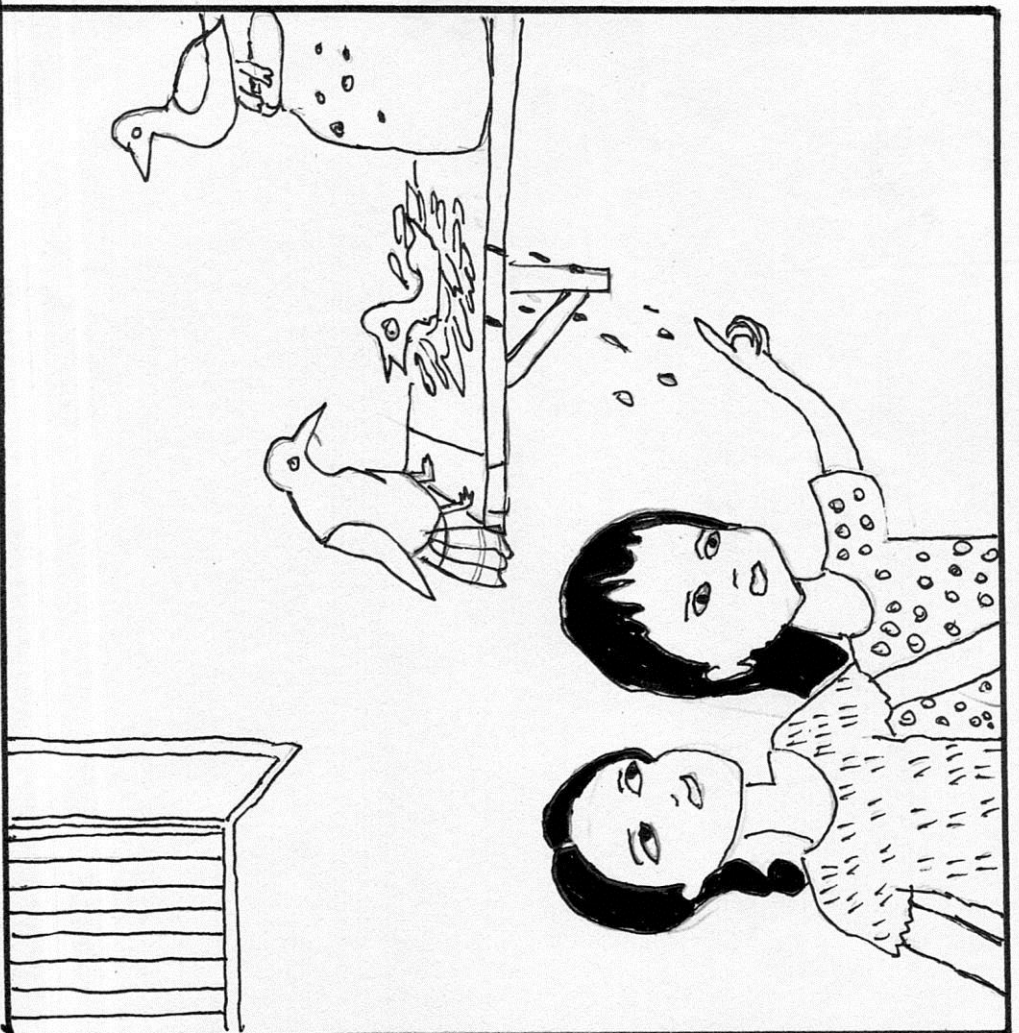
रमा आकरा आमल दुनो गुडा मे गोहल
गार ले परका कमी हरिल कोपलाम



रमा शंभो कुराहा बले बला मातर रमा -
 परवा गुडा बोर ना जाओ बला रेजे सुरा
 दूर



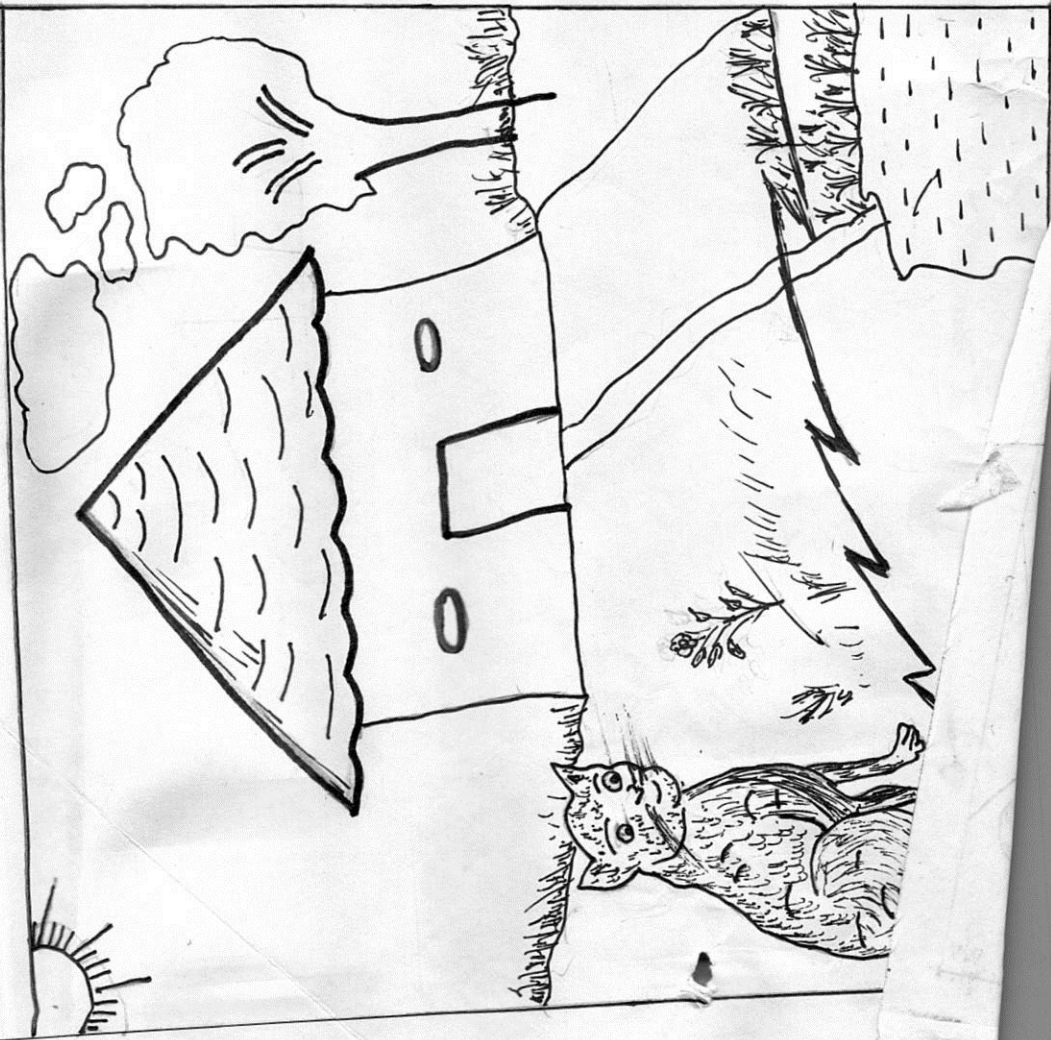
कतक दिनर पंचे तार ले परवा पिना
 निकरला तार नाव बाधना सोंगामलाय



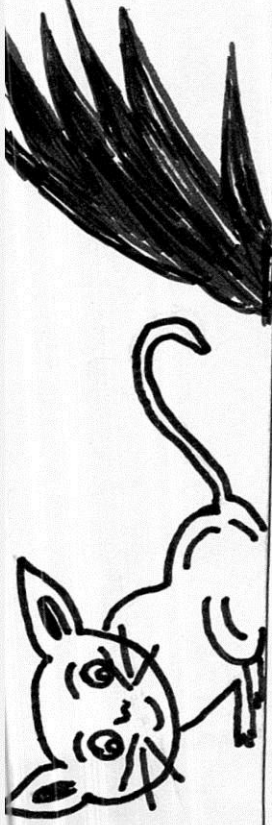
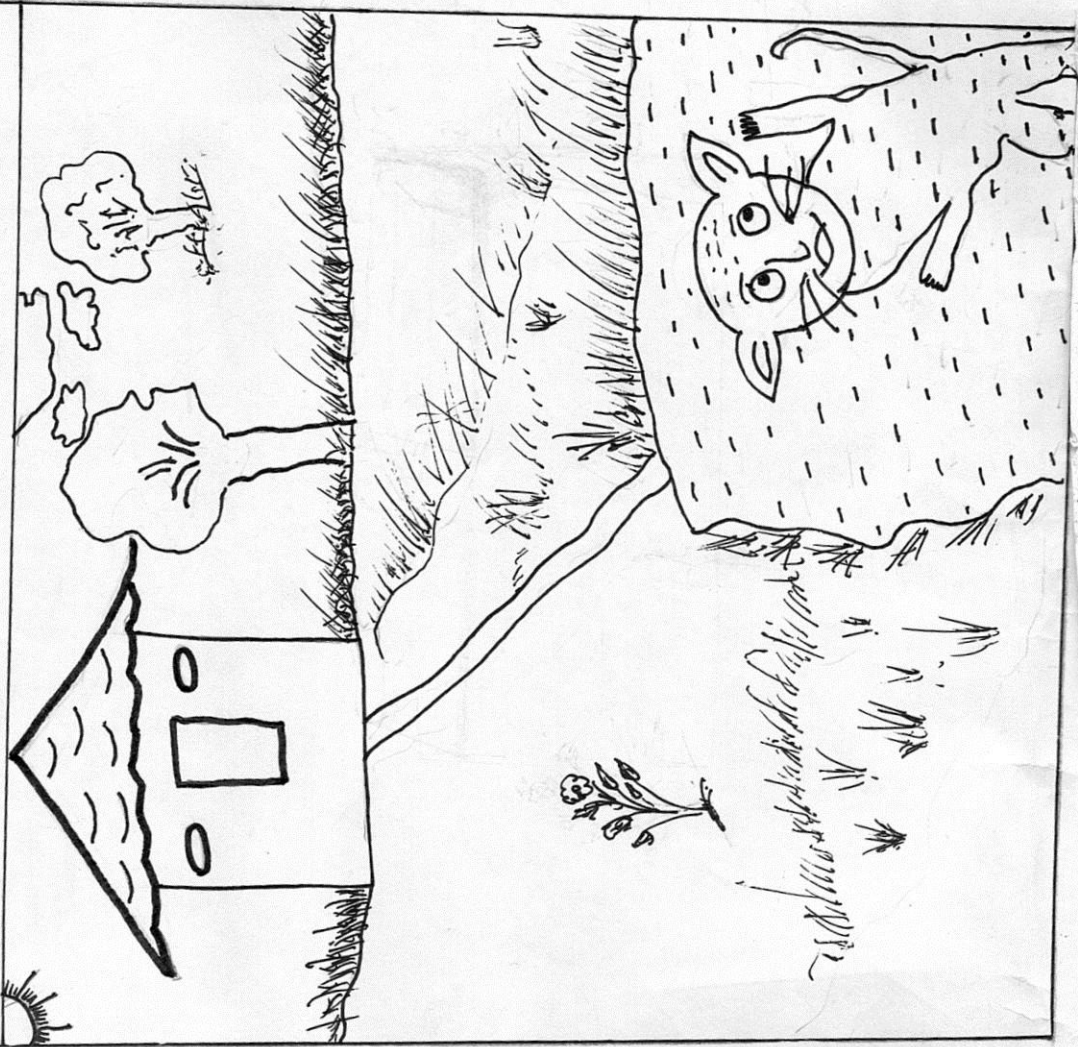
-: शक्यतः :-
 गोरल → सळ आठरी → और
 कुमरा → दो गुडा → दोंसला
 मागलाय → आम्र औपापलार → बिधना सुरा → मुला
 तार → कण्डा
 कराए → खरुगोरा
 श्री लखेश्वर कश्मप
 बलाबण्ड
 कुं. लखिया नाग
 बरतार

कार्या

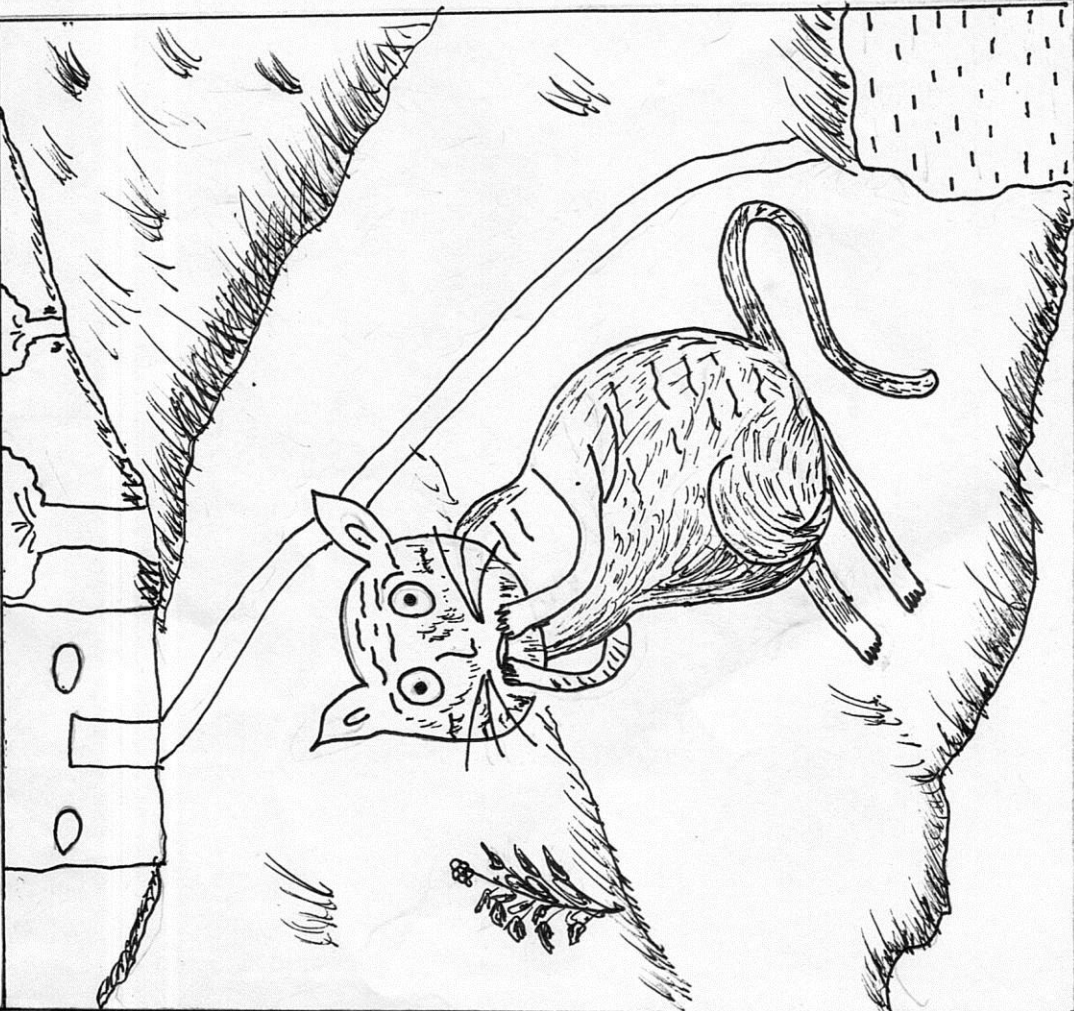
आमचो बिलई करिया इसा



पानी ने ओललो खुसखुसा



चिंकून - चिंकून होली मस मस
 आमी बल्लू काई तो सीख



करिया = काला
 ओललो = गुसा
 खुसखुसा = धीरे से

बल्लू = बोले
 काई = कुछ
 टाकून = टँकना

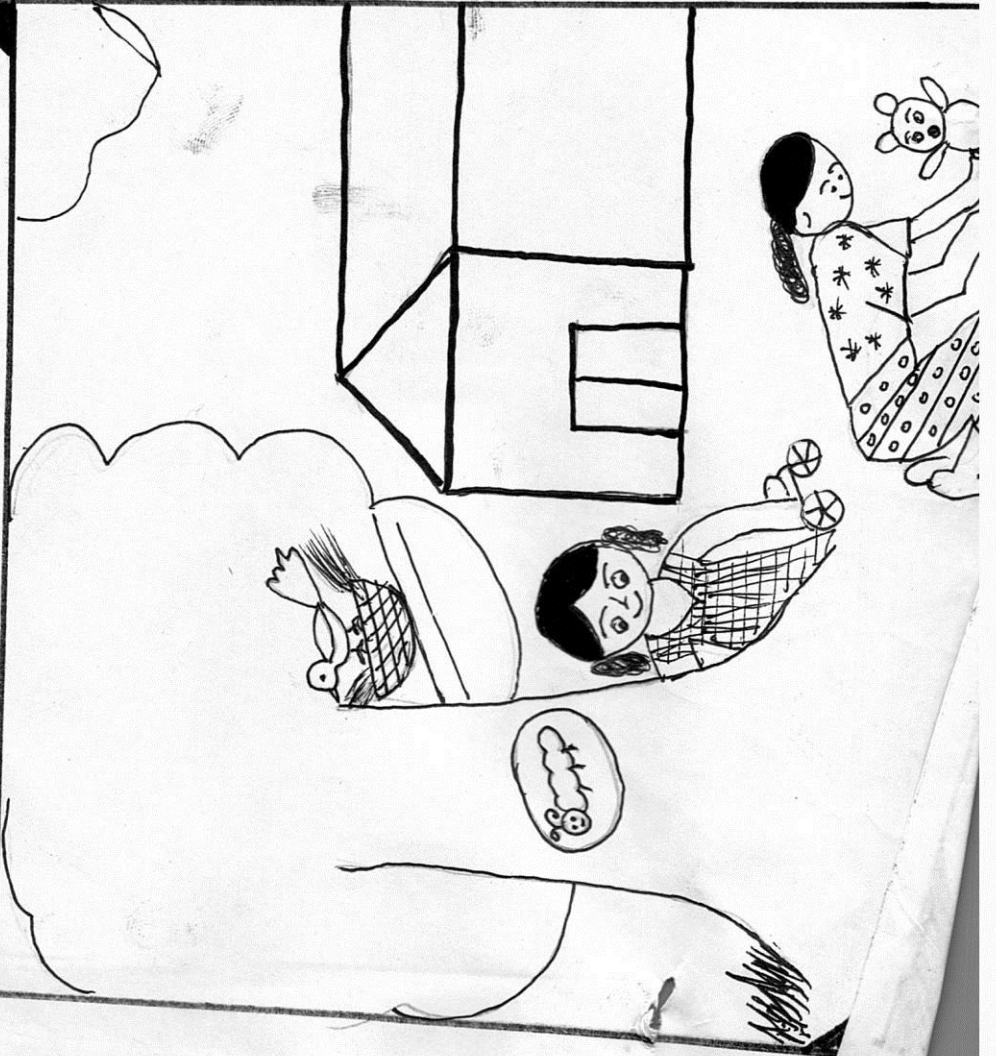
नाक के टाकून तुआले दीक



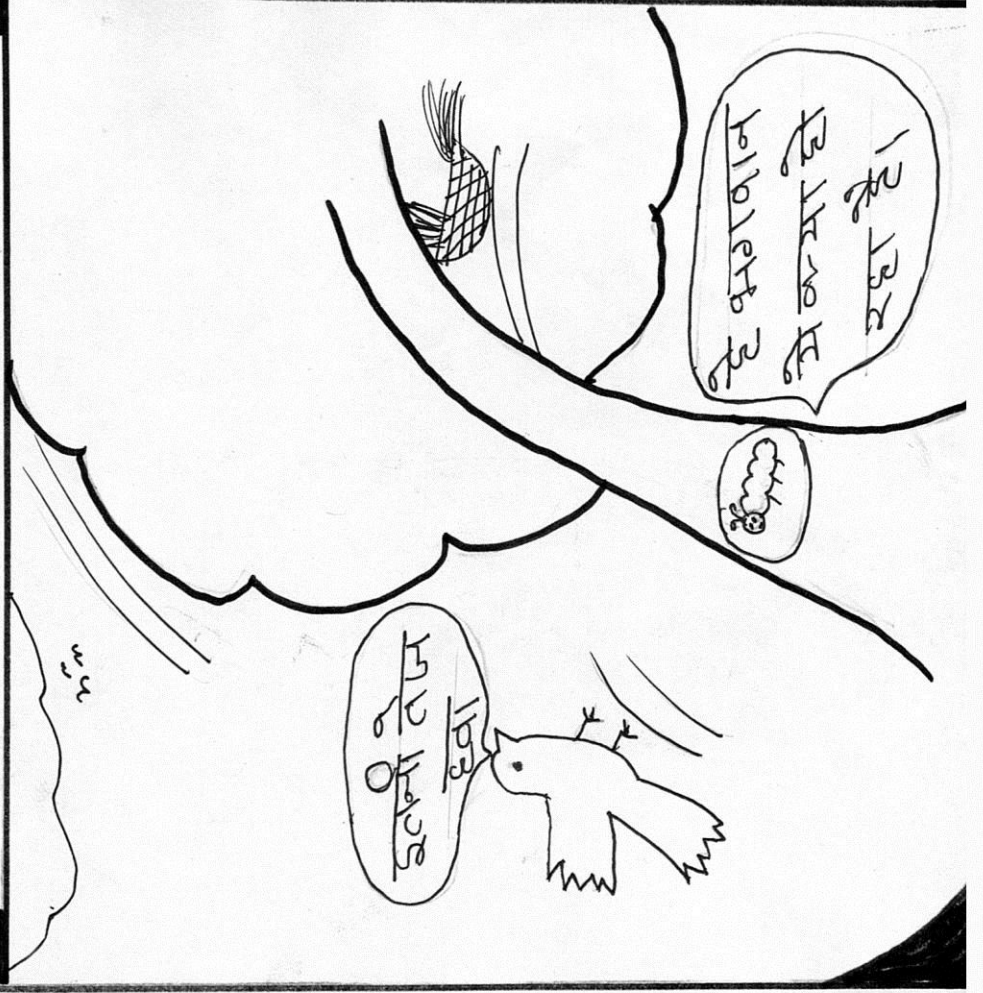
मनबोध बंधेल (स. शि.पं.)
 प्रा.शा. नलपावण्ड पटेलपारा
 वि.ख. बकावण्ड जिला. बस्तर

मा आ रा

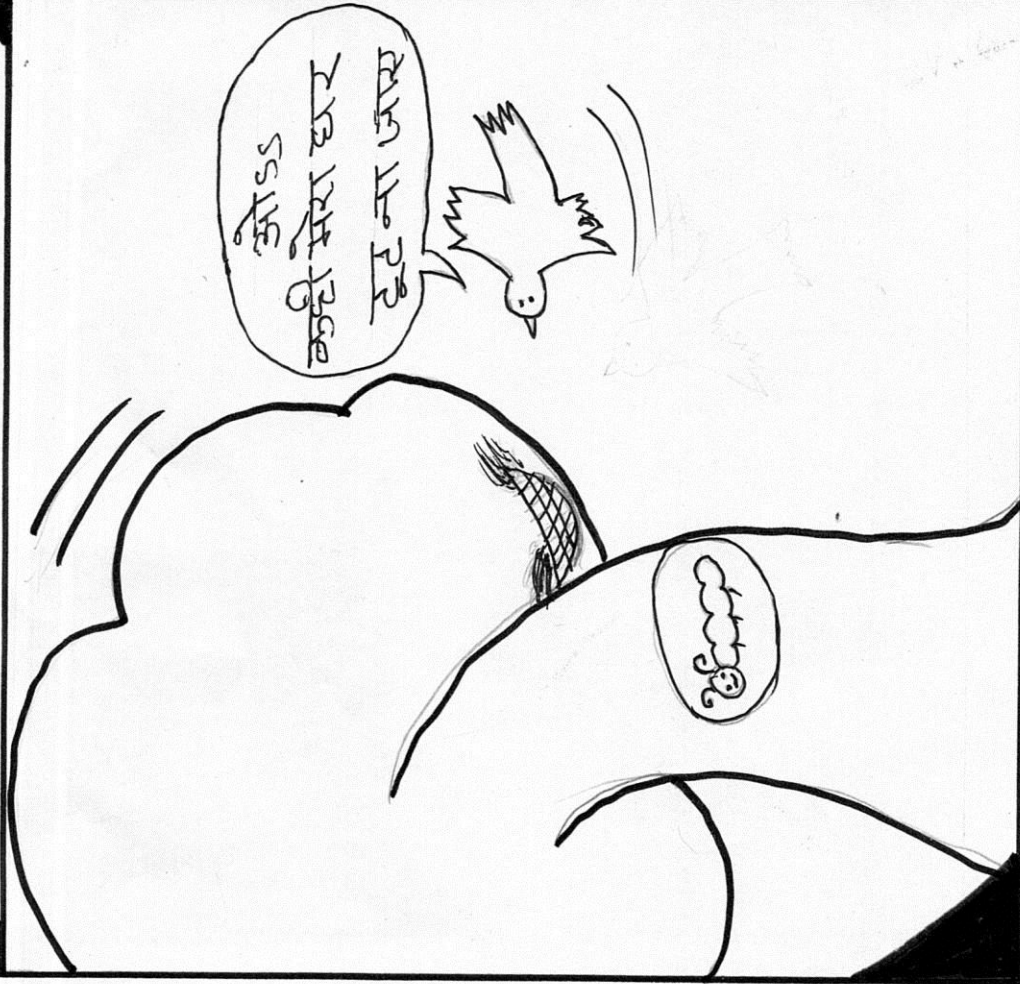
एक पेड़ में चिड़िया और इल्ली रहती थी
उसी पेड़ के नीचे नील और नील रंग
रंग खेलते थे।



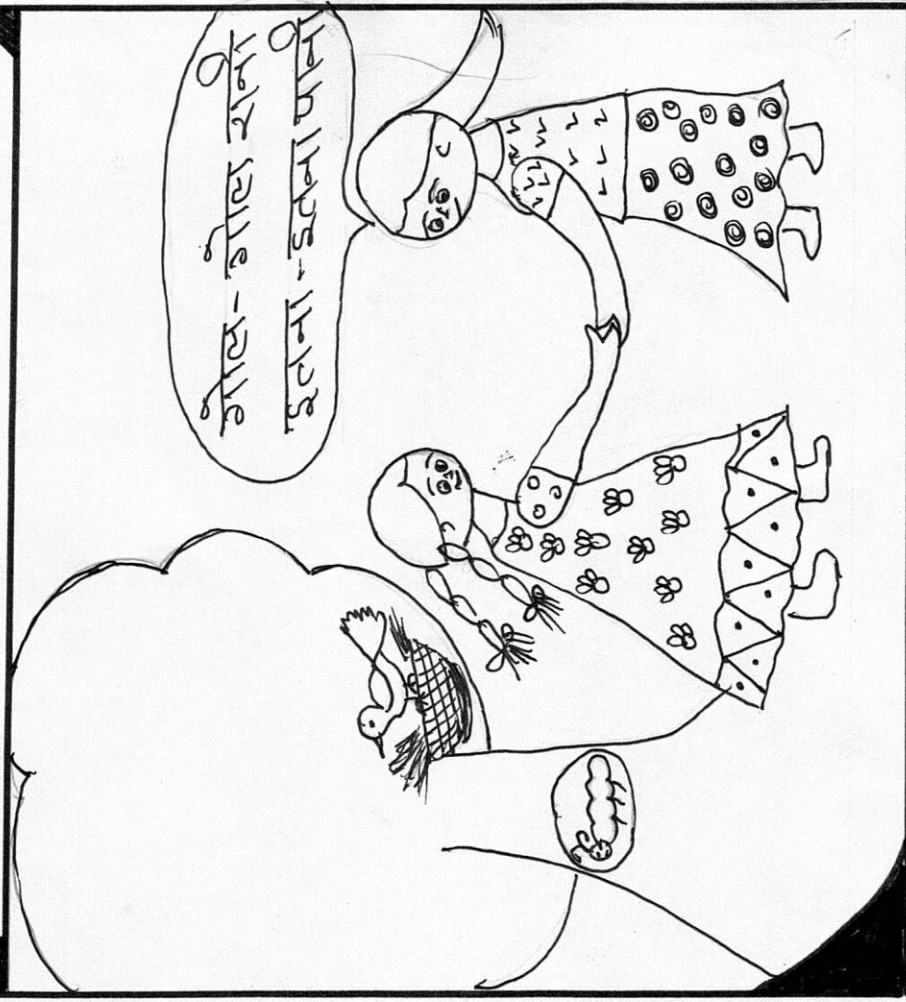
एक दिन जोर की हवा चलने लगे कभी
घरें इल्लेने लगे कभी बारें झुलने
लगा। इल्ली पेड़ के साथ झुल रही थी



चिड़िया घोंसले से बाहर आकर पेंड
के चारे तरफ उड रही थी ।

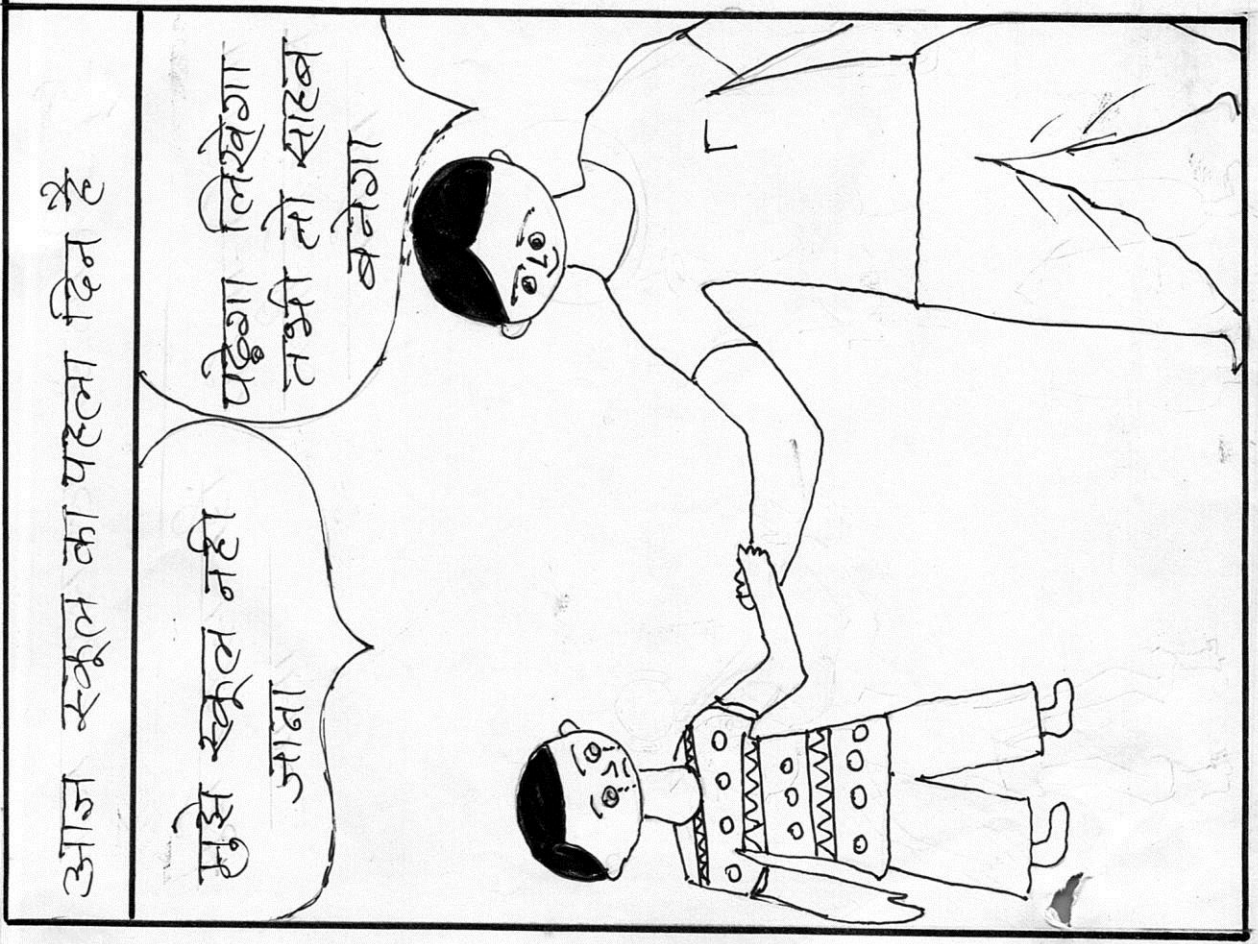


भोड़ी देर बाद हवा रुक गई
चिड़िया घोंसले में आकर रात को
संभलती नींद गीत पिर खिलने
लगे ।



कृ. खन्निशा नाथ
प्रा. २११. इन्दौर
वि. सं. - २०२०

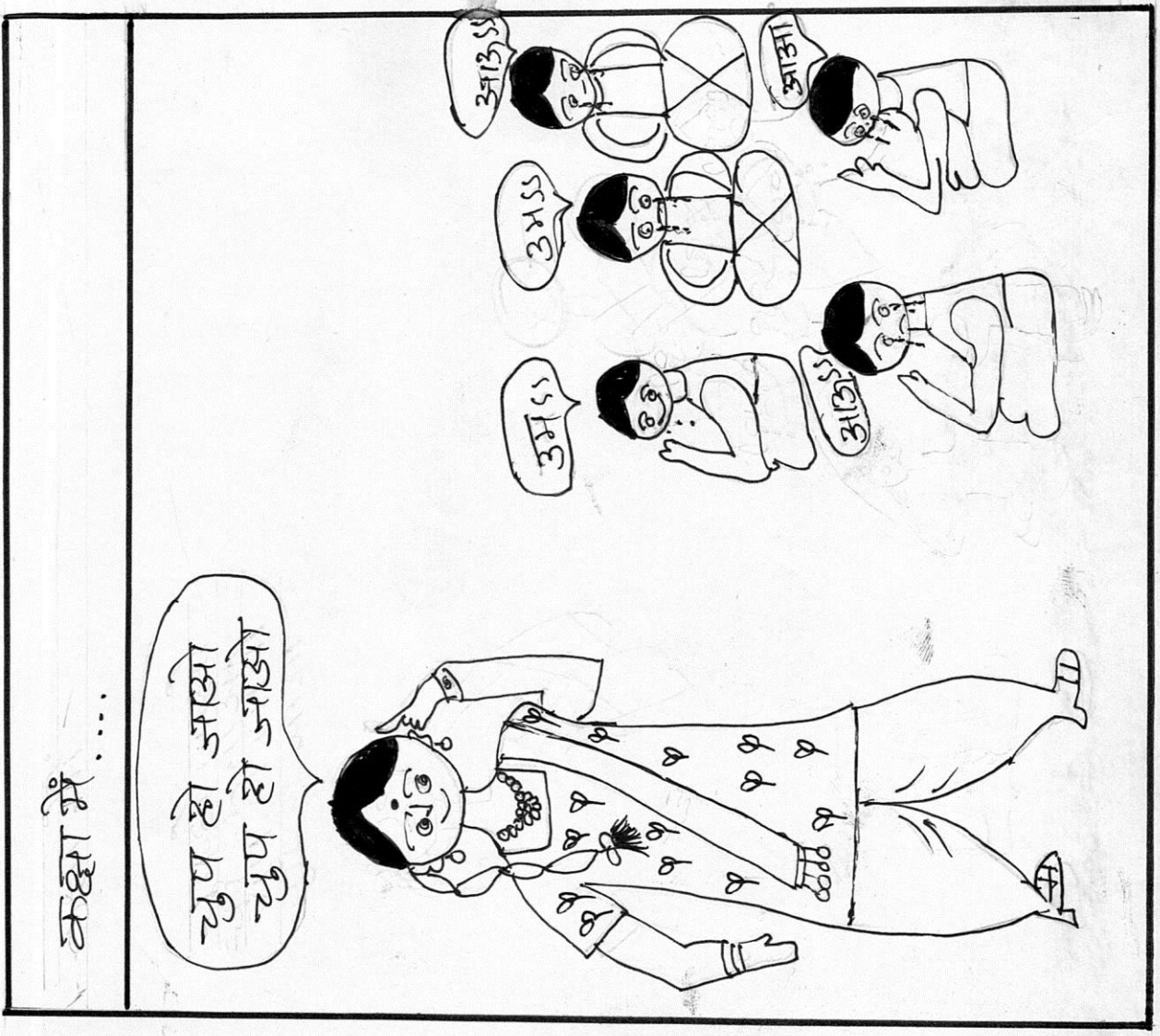
आत्मचरित्र एक कथा है



आज स्कूल का पहला दिन है

मुझे स्कूल नहीं
जाना

पढ़ेगा लिखेगा
तभी तो सब
बनेगा



कक्षा में ...

चुप हो जाओ
चुप हो जाओ

आज

आज

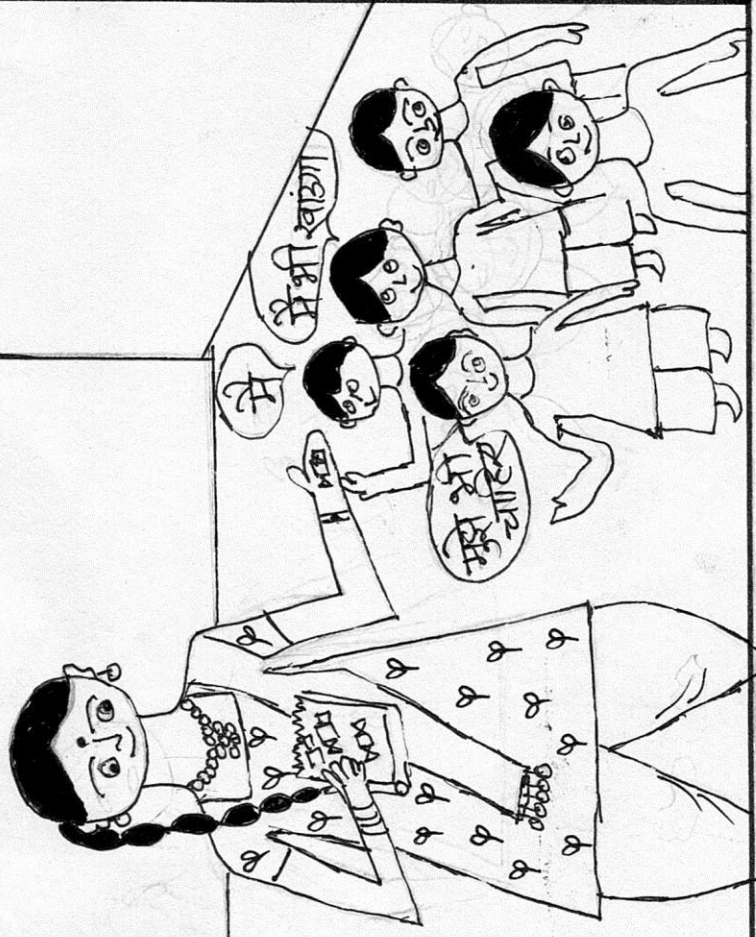
आज

आज

आज

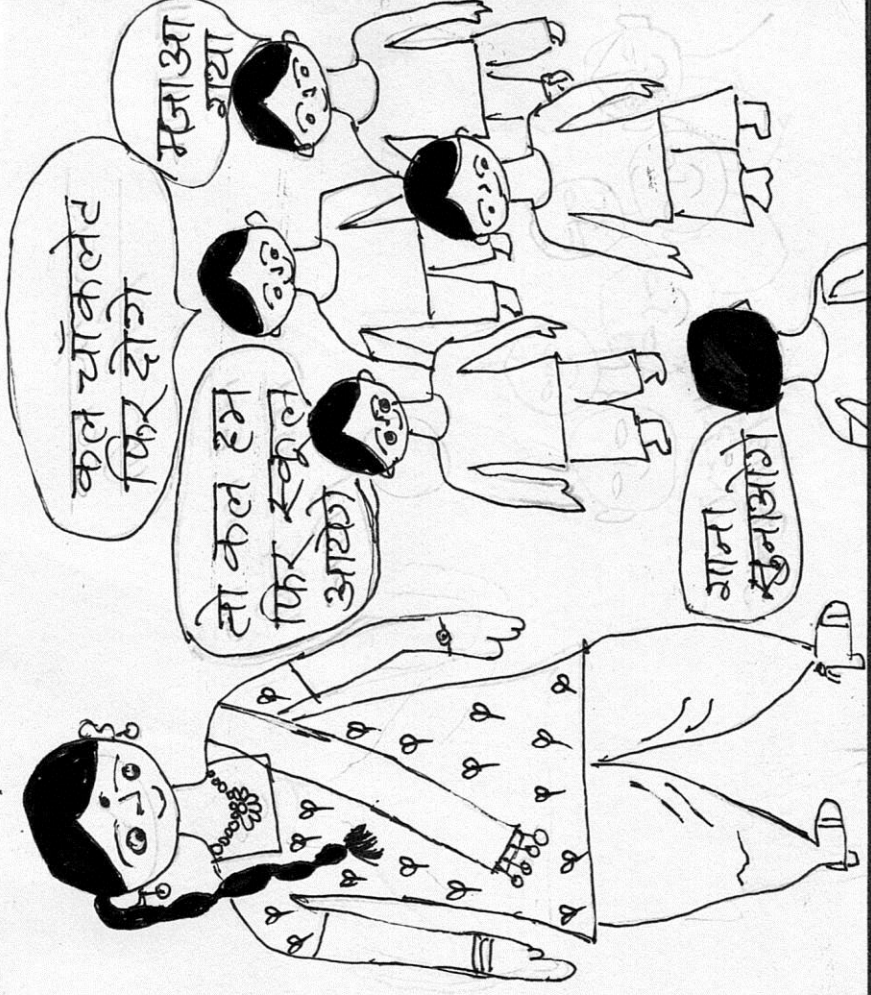
कुछ देर बाद

चलो बच्चो चॉकलेट
कौन-कौन खायेगा
लेने आओ



सभी बच्चे चॉकलेट पाकर खुश हो
जाले है सभी शिक्षिका गाना गाली है

कैसे लगा



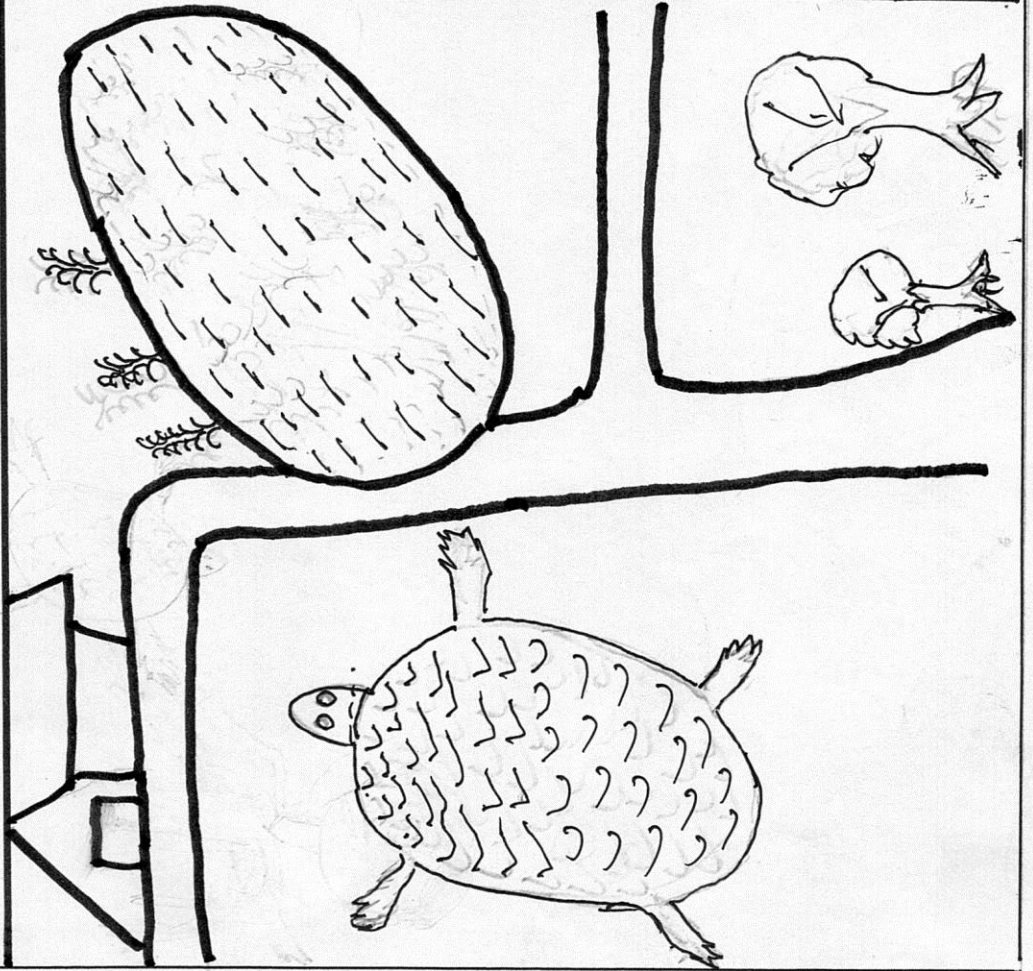
कृ. लेचिप्रा नागा (स. डि. पं.) वस्तार
कृ. लक्ष्मी कर् (स. डि. पं.) वस्तार
अखेवर कश्यप (स. डि. पं.) अकावण्ड
अंतोष कुमार (सं. डि. पं.) अकावण्ड
जिला - वस्तार (छ. ग.)

राजा

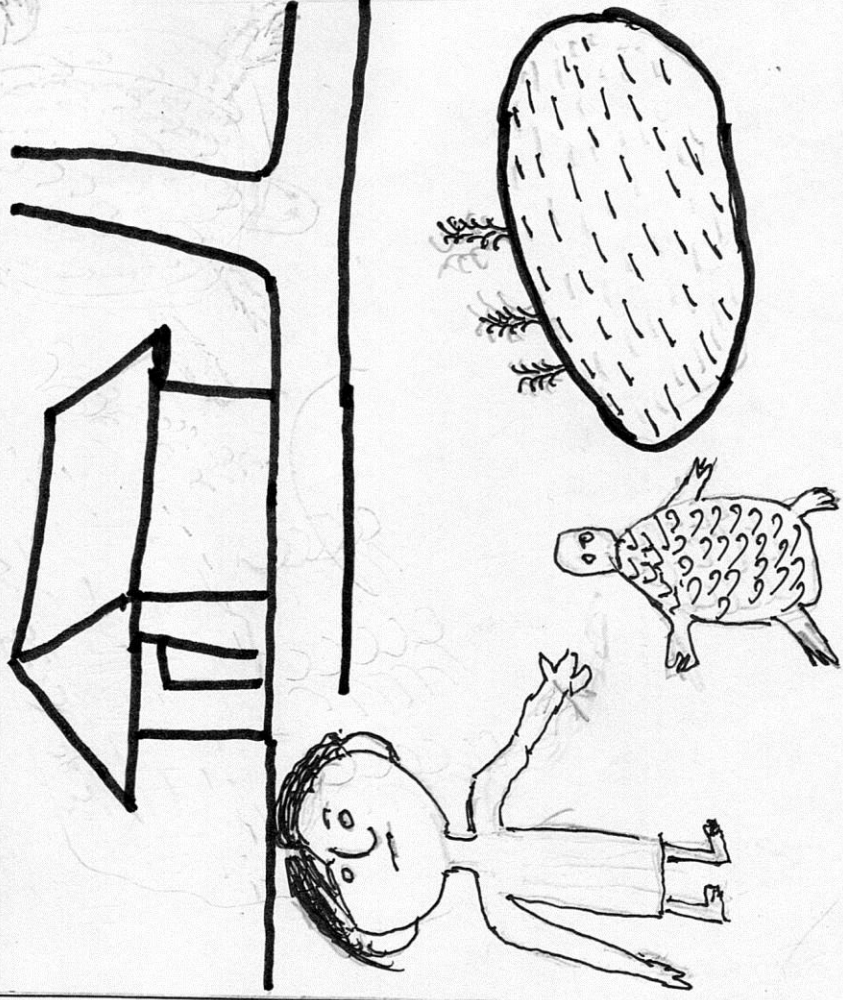


क कुवा

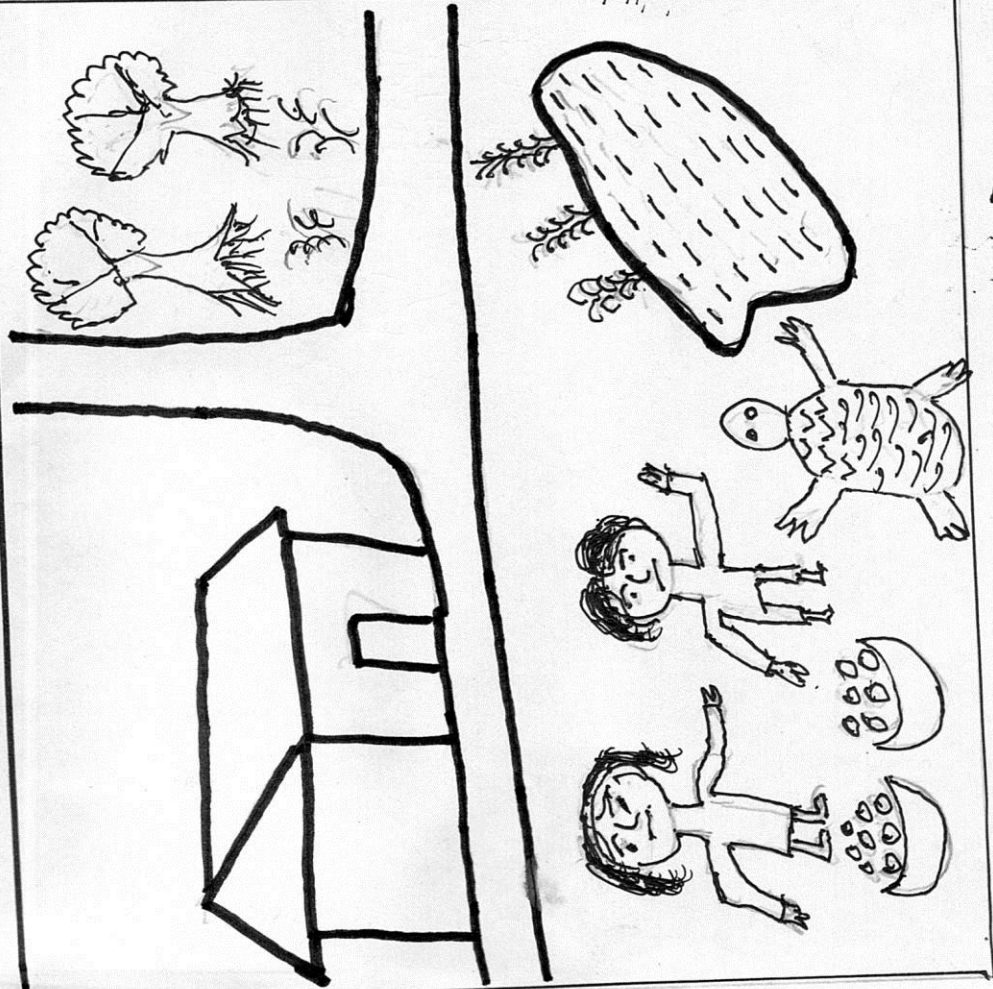
कचीम पानीर राजा आय
कलक टोसर ताजा आय



हाथ ने चिहले डीगाउ आय
बाहेर निकरायले सोउ आय

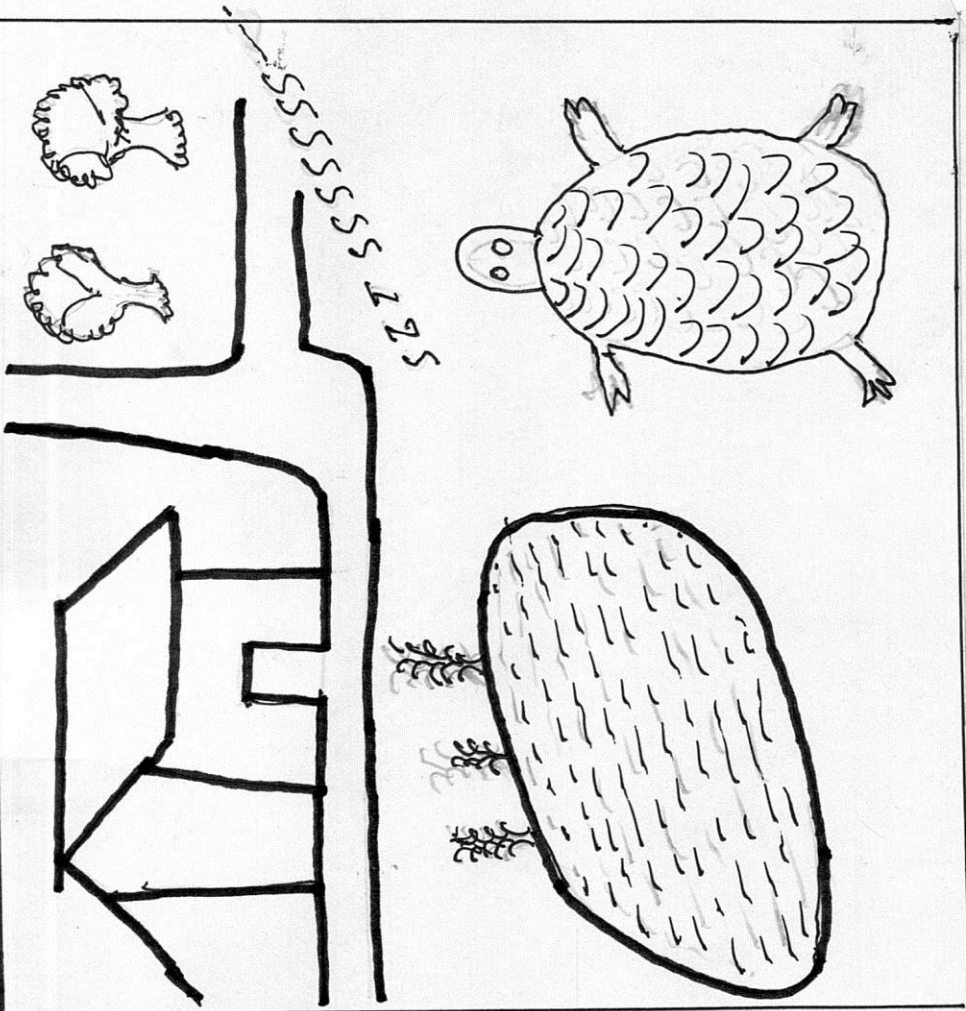


पिल्ला मन संगी खेलत आय,
 बीबी शीडी बनात आय ॥



कचीम क कुवा
 कलक किराना
 दोभार मोरा
 न्येदये कुना

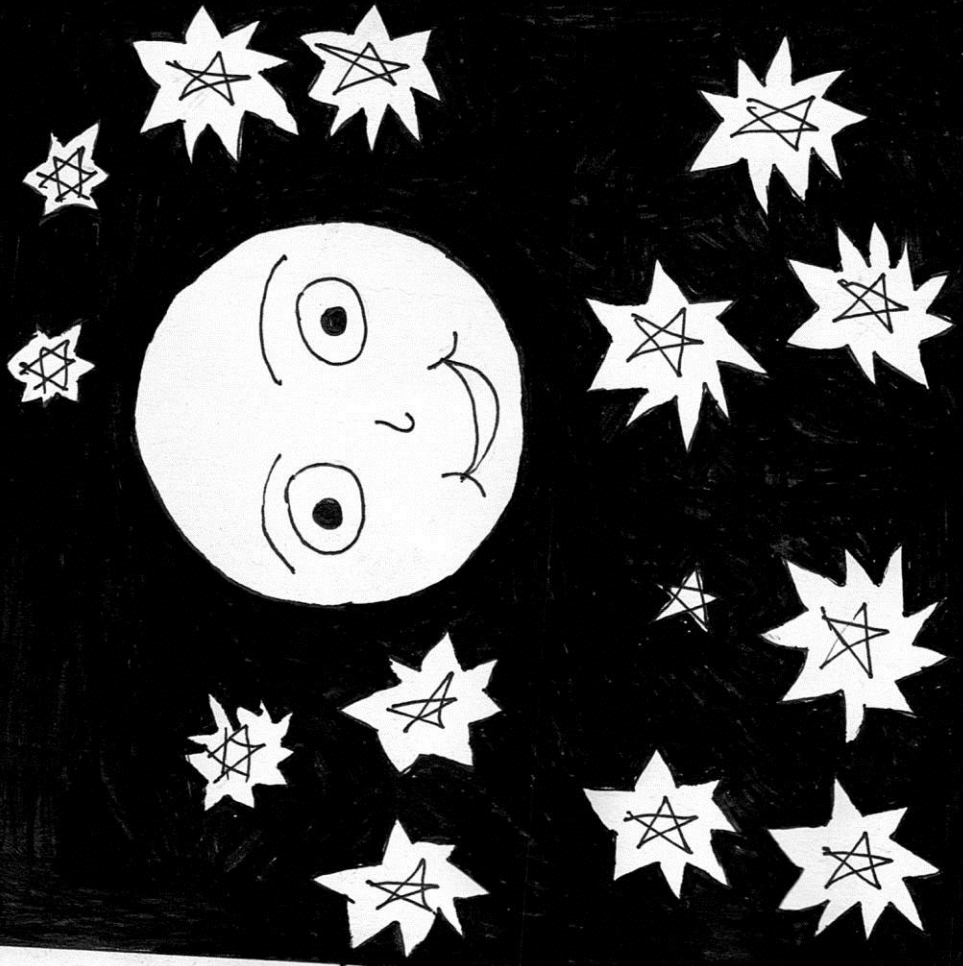
चटनी पेज खात आय,
 जोर-जोर ने गात आय ॥



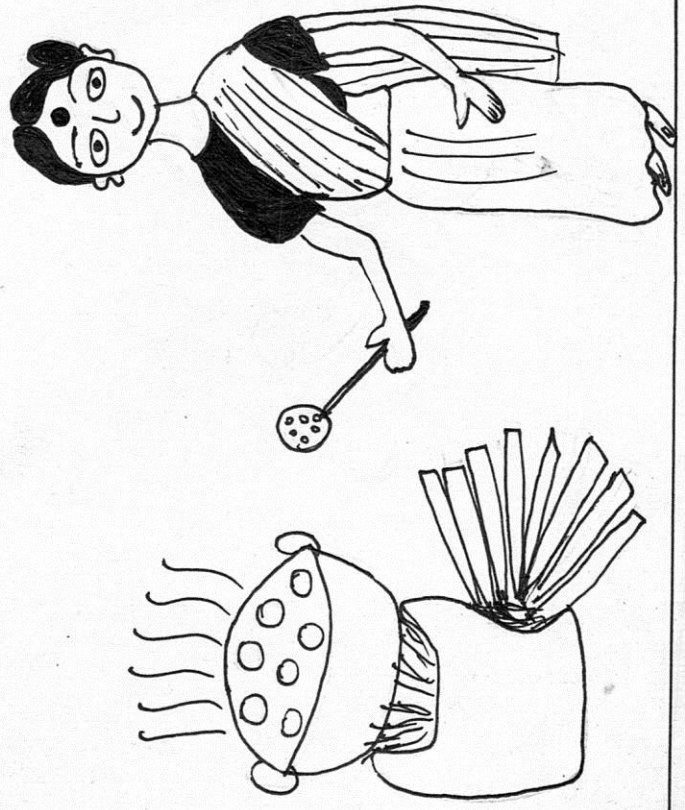
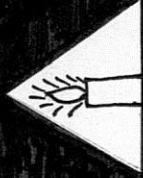
गणेश कुमार बंधेण
 सा. शा. उडियापाल
 वि. स्व. बकालवड

दादी

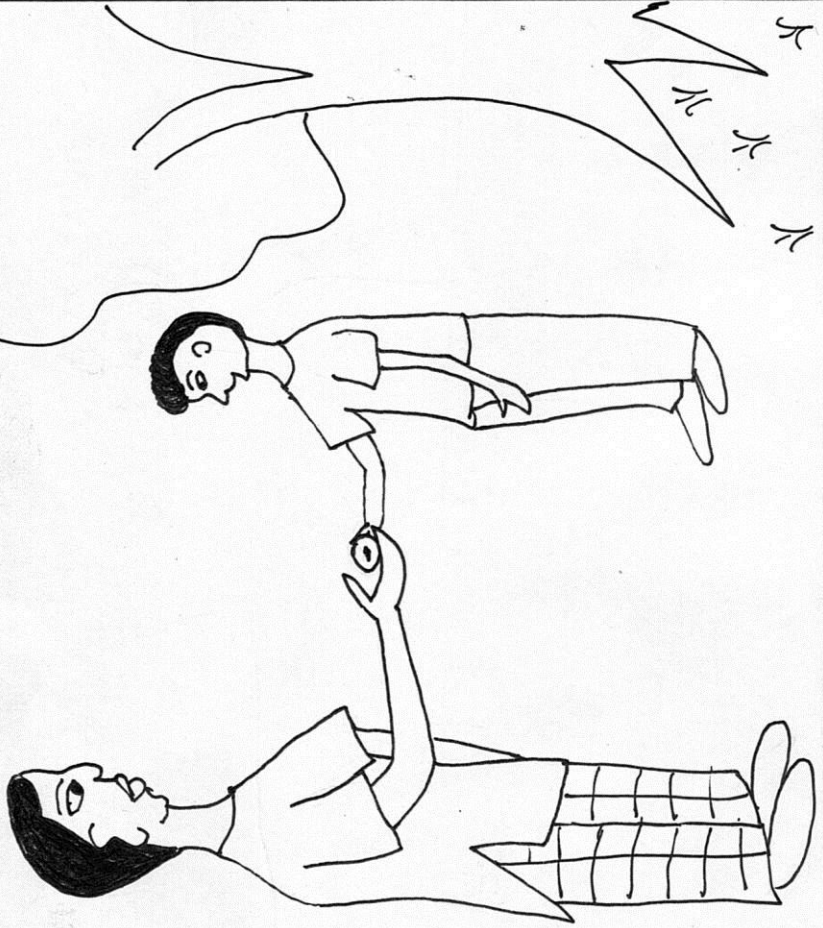
जोन दादी गुलटिया गुलटिया



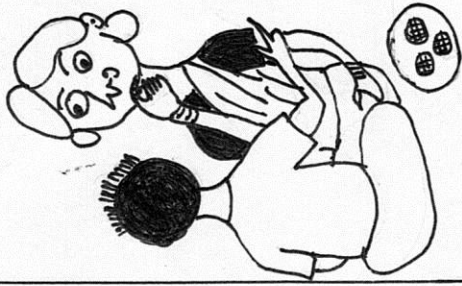
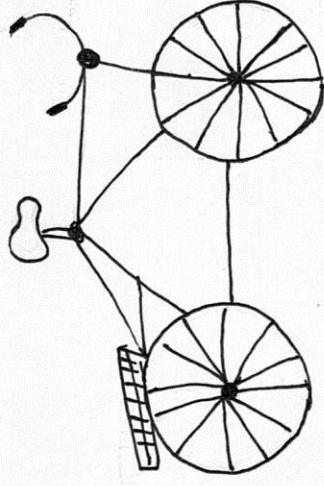
आयार टिकली गुलटिया-गुलटिया
आयार बनायला बोबो गुलटिया-गुलटिया



बाबा र देलार परस गूलतिया गूलतिया



आइर बनायला लाडू गूलतिया - गूलतिया
साइकिलर - चका मन गूलतिया - गूलतिया

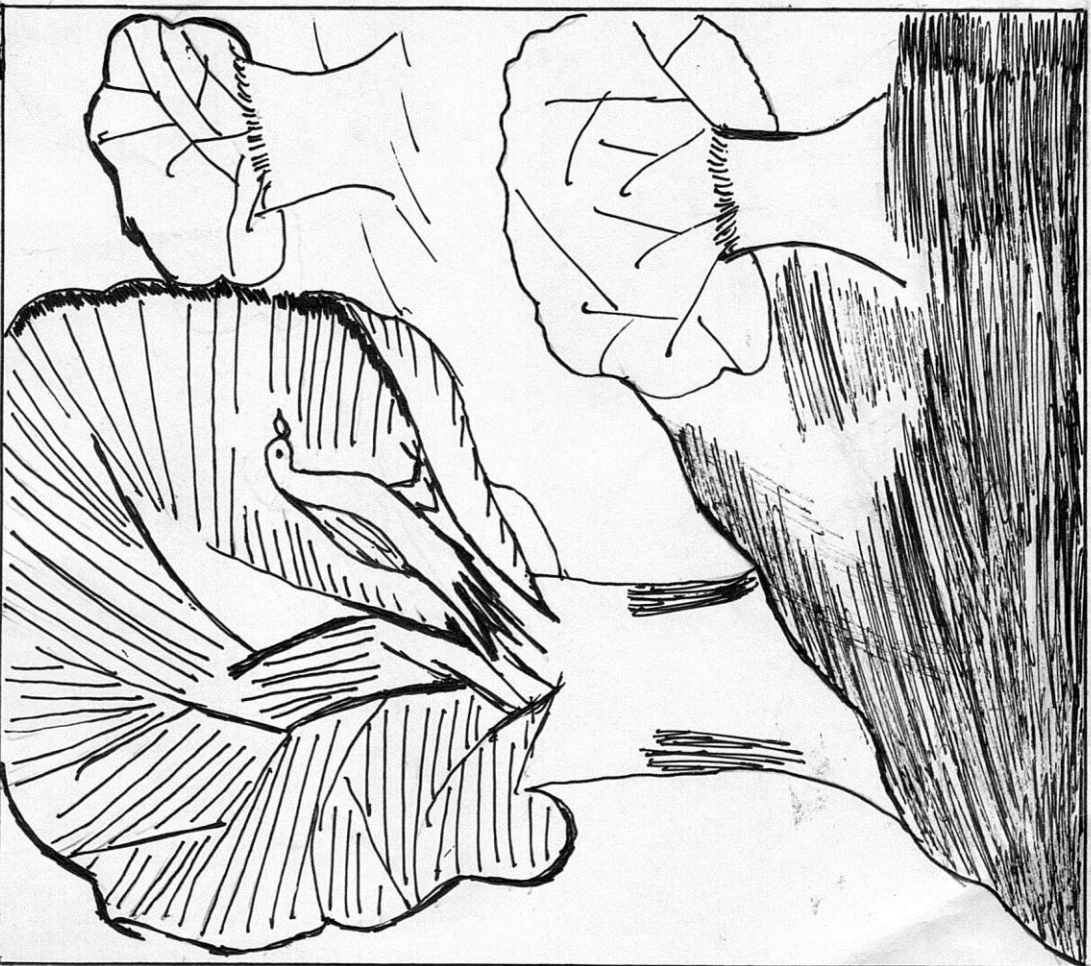


जोन - चन्द्रमा, दादी - दादाजी, गूलतिया - गोल्ड
आथार - माँ, टिकली - बिंदी, बाबो - बड़ा (खाने की सामग्री)
बाबा र - पिताजी, आइर - दादी, लाडू - लड्डू, चका - चक्का

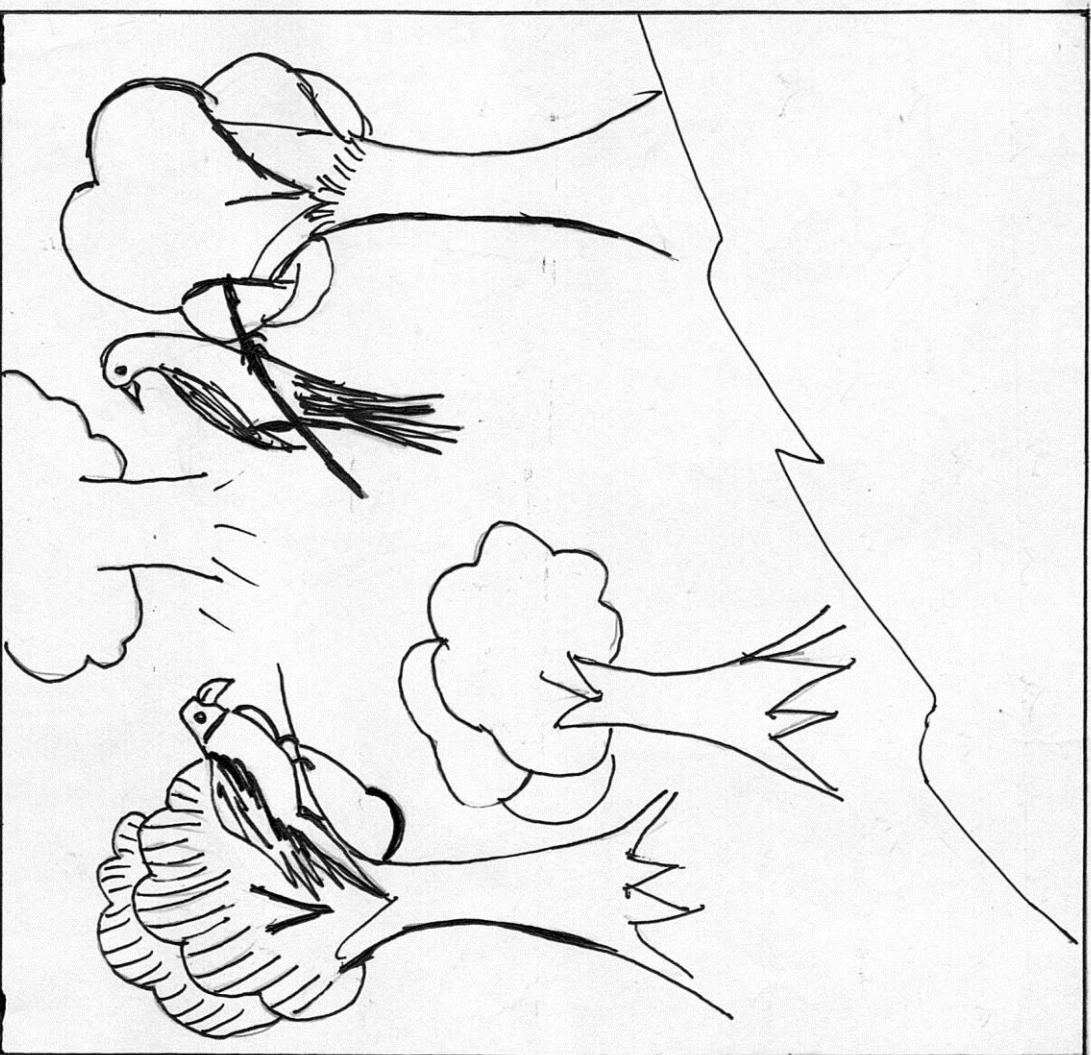
कु. नीलावती कश्यप
स. शि. पुं.
प्रा. शा. अमड़ीगुड
वि. ख. - लकावण्ड

श्रीमती ची वसिष्ठ

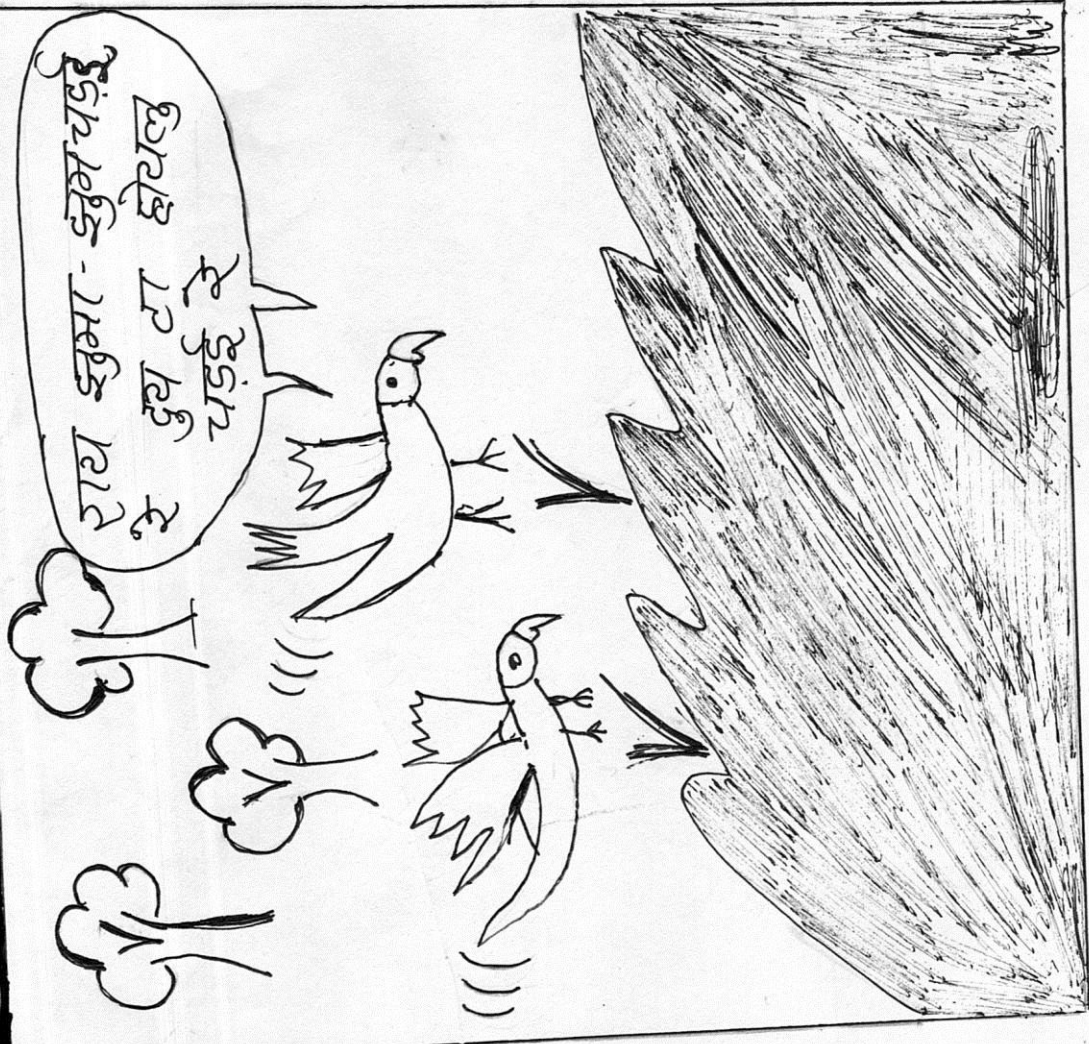
श्रीमती चंद्रिका चंद्रिका
 श्रीमती चंद्रिका चंद्रिका
 श्रीमती चंद्रिका चंद्रिका



श्रीमती चंद्रिका चंद्रिका
 श्रीमती चंद्रिका चंद्रिका



राय सुमा - सुमा चंडू रे ।
 सुंन लुकि - लुकि लार

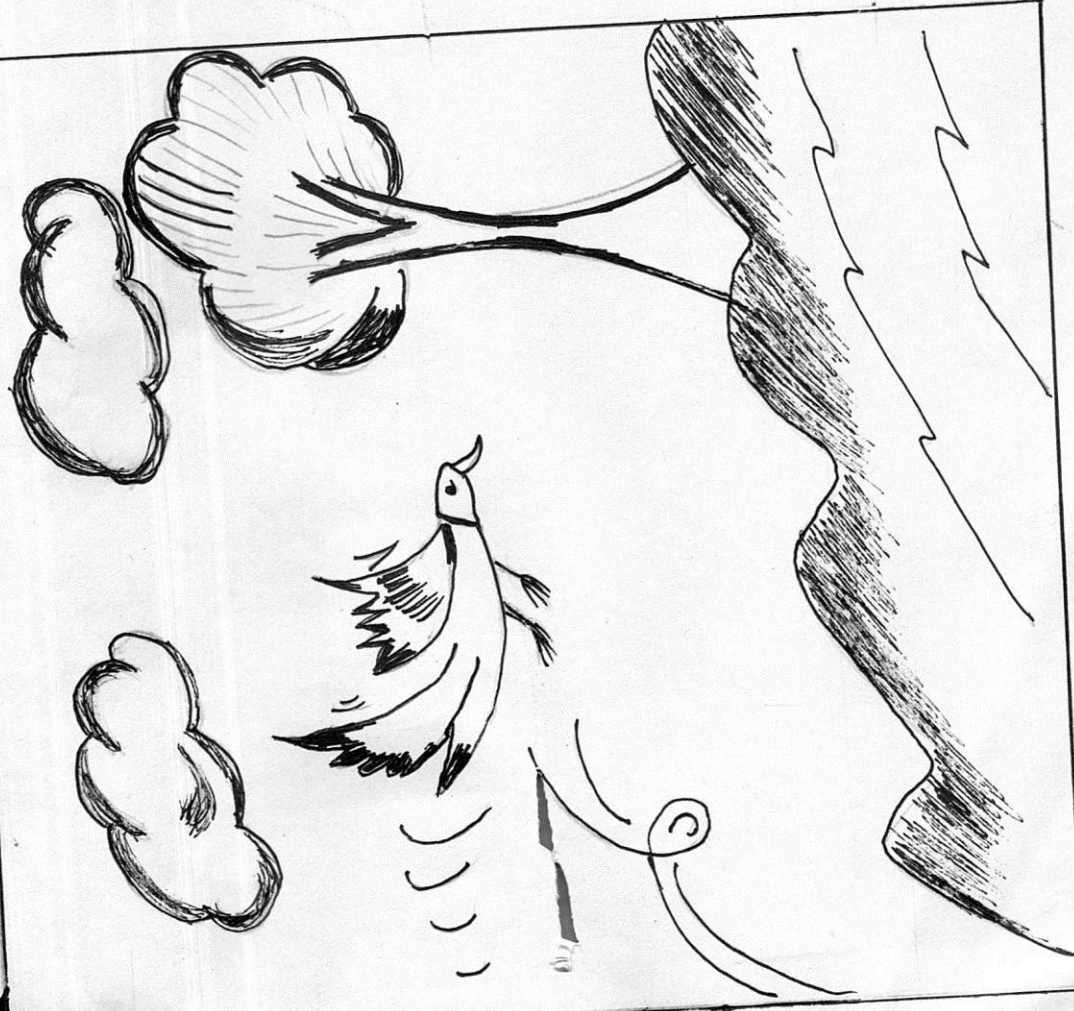


श्रीमती - कामेश्वरी
 स. शि. पं.
 प्रा. शा. ध्वजपारा
 वि. श्व. अस्तर

(हिन्दी)
 एक
 अलमो
 गिरते - पडते

(दिल्ली)
 गौलीक
 सांवा
 शारे - लेडे

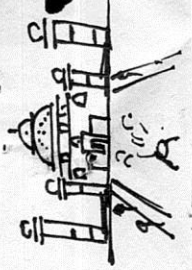
सांवा - सांवा
 सुंन लुकि - लुकि लार



(हिन्दी)
 सुषसुरत
 चिडिया
 जाल

(दिल्ली)
 सुन्दरी
 चंडू

सदस्यता प्राप्त का



श्री समसेना सर एवं श्री त्रिवेदी सर
SCERT में प्रशिक्षण के लिए आर्ये।

सर कृपया हमारे
बिच रूम अलॉट
कर दिजीए

हाँ हाँ। लिजीए
प्रथम ताल के
109 नं० की
चाबी।



प्रथम ताल में प्रसाधन कक्ष के
स्वामने।

ROOM 109

सूचना

भरम्मत कार्य
प्रगति पर है
कृपया प्रसाधन
हेतु अग्रे में जाने
का कष्ट करें।

पुरुष प्रसाधन



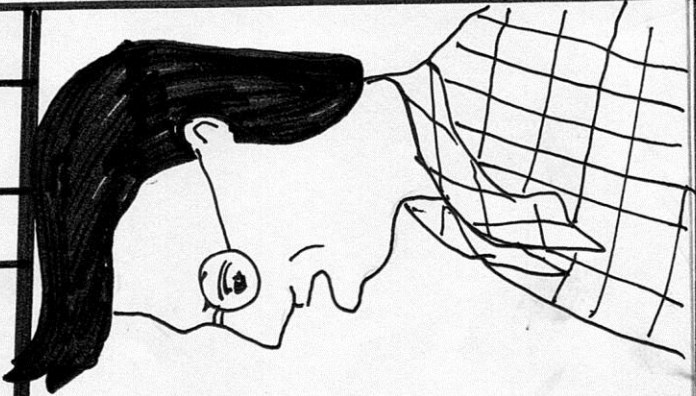
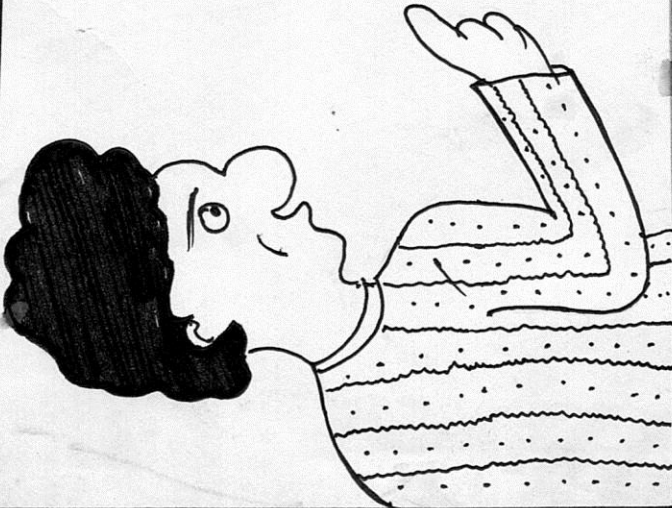
बौड़ पढ़ने के बाद . . .

संक्सेना सर पिदले
महीने की इसी
तारीख को भी
यही लिखा थान?

स्त्रचना

पुरुष पुसाधन

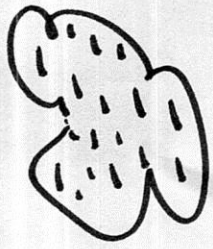
हो सर त्रिविदी
यही लिखा था।



समझ नहीं आता
ये लौंग टायलेंट भरमत
करा रहे हे या वाजमहल ?

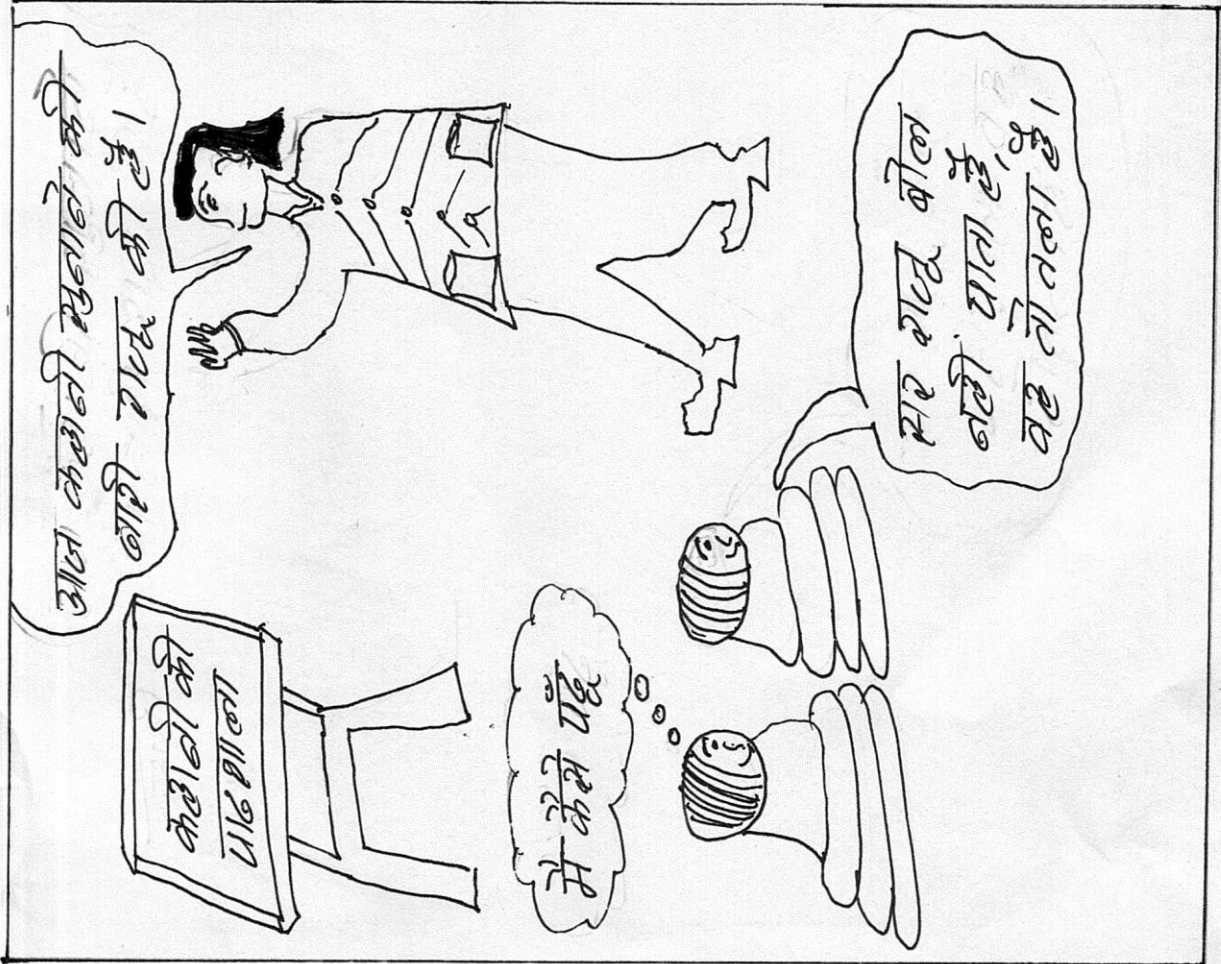


कॉमिक ग्रुप
छल्लीसगढ़



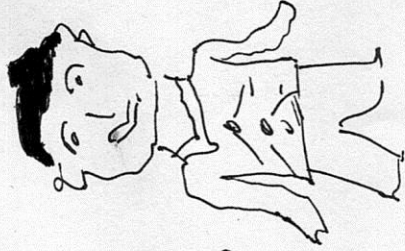
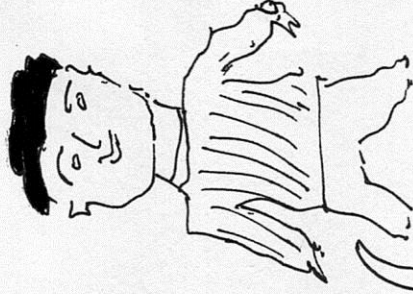
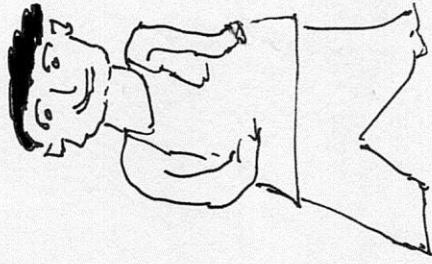
बापू का

विकारा



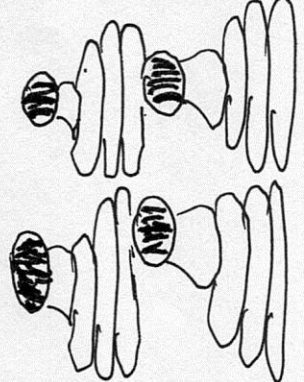
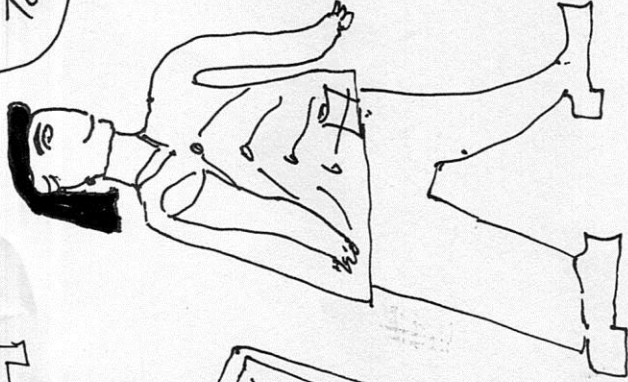
कुछ उपायों को

गोखु आदि दुग्ध
किसान बहुत
अच्छे से पढ़ी।



हैं, में छार से और
बाहर बहुत बात
करता हूँ। सभी घन्टी
अच्छे से कितल पढ़
सका।

बच्चों, आदि से उन्हें
एक आनंदित करने
को करण के
लिए दे जायगी।



उदल देवांगल
शां बां उं मां
विं वाशवायुप

समझदारी

कक्षा 1 ली में शिक्षिका पढ़ा रही थी

एक चिड़िया के बच्चे
चार घर से निकले
पंख पसर

एक चिड़िया के
बच्चे चार



सभी बच्चे गतिविधि कर रहे थे,
एक बच्चा चुपचाप खड़ा था

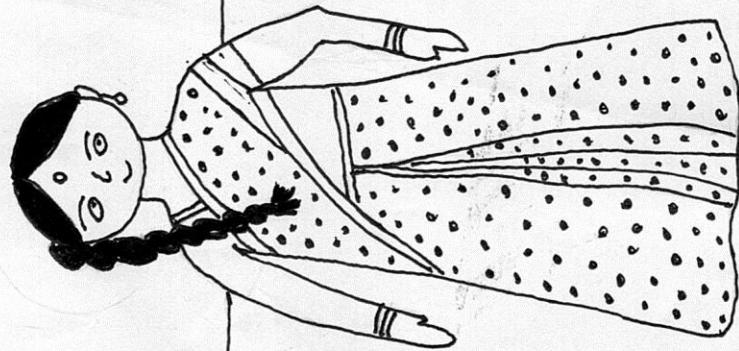
मोहन तुम क्यों नहीं
बोल रहे हो

अ आ इ ई ओ
ऊ ऊँ ए ऐ अं अः
उ ऊँ ए ऐ अं अः



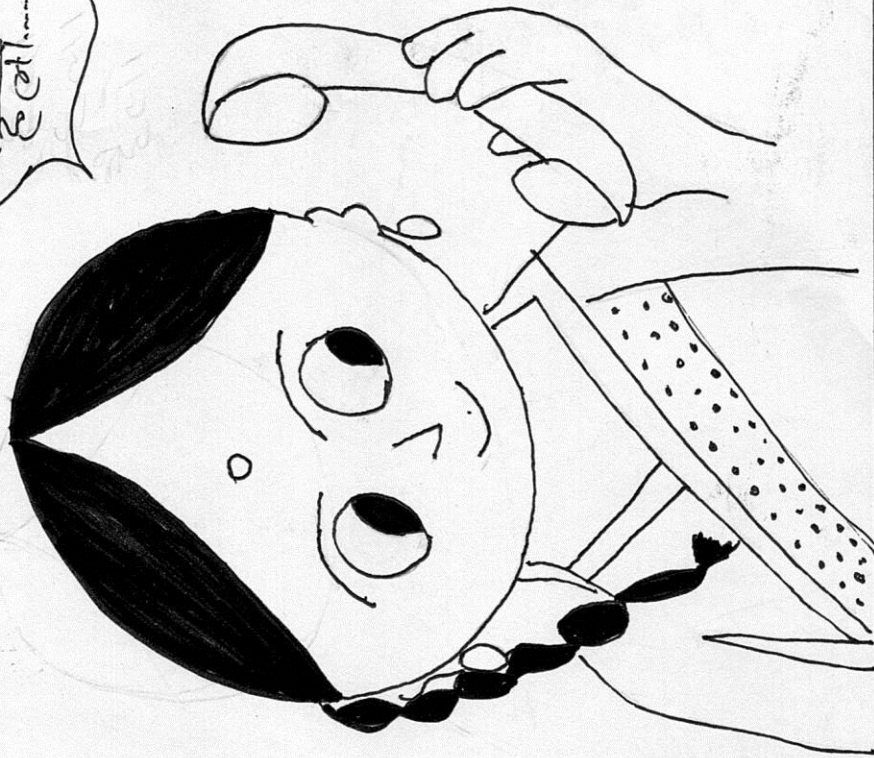
शिक्षिका को शक हो जाता है।

मुझे लबाला है मोहन
सुन नहीं पाता इसलिये
बोल नहीं पा रहा है।



शिक्षिका बी. आर. सी. कार्यालय
में सम्पर्क करती हैं।

हेलो.....



कु० लक्ष्मी कुँवर (सं.शि.पं.) बस्तर
कु० लोचिता नाग (सं.शि.पं.) बस्तर
लक्षेश्वर कश्यप (सं.शि.पं.) बकावण्ड
संतोष कुमार बखेल (सं.शि.पं.) बकावण्ड